

Daily सच के हक में... THE PHOTON NEW

Anushka Sharma Vaani Kapoor...

Ranchi ● Saturday, 24 May 2025 ● Year: 03 ● Issue: 128 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, स्वास्थ्य, शिक्षा, आईटी, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और खेल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर खास फोकस

: 81,721.08 : 24,853.15

9,120 चांदी 111.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS छत्तीसगढ़ में 20 इनामी सहित २४ नक्सलियों ने किया सरेंडर

BIJAPUR : छत्तीसगढ़ के अबझमाड के गोटेर मठभेड में नक्सली संगठन के महासचिव और शीर्ष नक्सली लीडर नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजु सहित 27 नक्सलियों के मारे जाने के बाद शुक्रवार को 24 सक्रिय इनामी नक्सली संगठन छोड़कर बीजापुर में आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें दो महिला सहित 20 इनामी नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों में दो महिला नक्सली सहित पीएलजीए कंपनी नंबर 2 के सीवायपीसी राकेश, पीएलजीए बटालियन नम्बर-1 के सदस्य, माड डिवीजन कंपनी नम्बर-7 के पीपीसीएम, एसीएम/पीपीसीएम कंपनी नंबर-2 पार्टी सदस्य, सीएनएम अध्यक्ष, केएमएस अध्यक्ष व अन्य शामिल हैं।

पंजाब पुलिस ने १०१ मादक पदार्थ तस्करों

को किया गिरफ्तार CHANDIGARH: पंजाब में मादक पदार्थ की समस्या को खत्म करने के लिये चलाए जा रहे युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पुलिस ने 101 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 15.9 किलोग्राम हेरोइन, 102 किलोग्राम चरा पोस्त तथा 25.52 लाख रुपये बरामद किये हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बहस्पतिवार को अभियान के 82वें दिन ये गिरफ्तारियां और बरामदगी हुई। इसके साथ ही इस अभियान के तहत अब तक कल 12.650 मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार हो चके हैं।

संसदीय प्रतिनिधिमंडल को ले जा रहा विमान 40 मिनट देर से उतरा

MOSCOW: भारतीय सानसदों के एक प्रतिनिधिमंडल सहित अन्य यात्रियों को लेकर मॉस्को आया विमान गुरुवार को को लगभग 40 मिनट की देरी से उतरा। घटनाक्रम से वाकिफ लोगों ने बताया कि रातभर हुए ड्रोन हमलों के मद्देनजर मॉस्को के हवाई अड्डों को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया था, जिसके चलते विमान देरी से उतरा। रूसी अधिकारियों ने कहा कि अस्थायी उड़ान प्रतिबंधों के कारण 153 उड़ानें प्रभावित हुईं। मामले के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि यूक्रेन ने रूस की राजधानी पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए, जिसके चलते यहां स्थित सभी हवाई अड्डों को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा।

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने में पूर्वोत्तर की महत्वपूर्ण भूमिका : पीएम मोदी

को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्वोत्तर को देश के विकास का इंजन बताया और कहा कि यह क्षेत्र विकास की आपार संभावनाओं से भरा पड़ा है। प्रधानमंत्री ने देश और दुनिया के निवेशकों से आग्रह किया कि वे पूर्वीत्तर के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में विकसित भारत का रास्ता पर्वोत्तर से होकर जाएगा। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास

>>> प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का किया उद्घाटन

>>> निवेशकों को जोड़ना व नीति निर्माताओं के साथ संवाद को बढावा देना है कार्यक्रम का लक्ष्य

मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया. मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार मुख्यमंत्री पेमा खांडू, मेघालय के

मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, मिजोरम

जमीनी स्तर पर नजर आ रहा बदलाव पीएम ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में हुए बदलाव केवल आंकड़ें नहीं हैं। जमीनी स्तर पर बदलाव नर्जर आ रहाँ है। उन्होंने 700 से अधिक बार केंद्रीय मंत्रियों की यात्राओं का हवाला देते हुए कहा कि यह क्षेत्र अब लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट की नीति के तहत भारत की विकास यात्रा में अग्रणी बन गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर में हुए विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 11 हजार किमी हाई-वे निर्माण, भूपेन हजारिका ब्रिज और सेला टनल जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स,

पूर्वोत्तर गैस प्रिड, 4जी/5जी नेटवर्क और 13 हजार किमी ऑप्टिकल

फाइबर नेटवर्क का काम पूर्वोत्तर में हुआ है। इन परियोजनाओं ने उद्योगों के लिए फर्स्ट मूवर एडवांटेज की स्थिति बना दी है। बिस्वा सरमा, अरुणाचल प्रदेश के के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, नगालैंड के मख्यमंत्री नेफ्य रियो, सिक्किम

के मख्यमंत्री माणिक साहा, पर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत के मख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, त्रिपरा मजुमदार उपस्थित थे। दो दिवसीय

के अंतर्गत पूर्वोत्तर को वेलनेस टूरिज्म का केंद्र बनाया जा रहा है। (23-24 मई) राइजिंग नॉर्थ ईस्ट

भारत-आसियान व्यापार का सेत

प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को भारत-आसियान व्यापार का सेतु बताया

और कहा कि भारत-आसियान व्यापार जल्द ही 200 अरब डॉलर

को पार करेगा। गुवाहाटी, इंफाल और अगरतला में लॉजिस्टिक हब

और मिजोरम व र्मघालय में लैंड कस्टम स्टेशन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार

को नया आयाम देंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि बीते दशक में 10

हजार से अधिक युवाओं ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा अपनाई।

इससे पर्यटन को बढ़ावा मिला है। गांवों में होमस्टे, नए टूर गाइड

और सांस्कृतिक आयोजन बढ़े हैं। साथ ही हील इन इंडिया अभियान

निवेश सम्मेल का उद्देश्य पूर्वोत्तर को

करना, निवेशकों को जोड़ना और नीति निमाताओं के साथ संवाद को बढ़ावा देना है। इसमें पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, स्वास्थ्य, शिक्षा, आईटी, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और खेल जैसे प्रमुख क्षेत्रों को फोकस किया गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर को अष्टलक्ष्मी से संबोधित किया और कहा कि यह क्षेत्र व्यापार, पर्यटन, जैव-अर्थव्यवस्था, बांस उद्योग, चाय उत्पादन, खेल, ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में विशाल संभावनाओं से भरा हुआ है।

सीएम हेमंत सोरेन ने श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर की मीटिंग, अधिकारियों से कहा-

देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं व सुरक्षा का करें पुरव्ता इंतजाम

शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 11 जुलाई से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों को बाबा बैद्यनाथ बासुकीनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास पदाधिकारियों के साथ हाई लेवल मीटिंग की। श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने राजकीय श्रावणी मेला से जुड़ी सारी तैयारियां ससमय पूरी करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि, श्रावणी मेले में देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का पुरा ध्यान रखा जाना चाहिए। बैठक में अधिकारियों ने श्रावणी मेला की चल रही तैयारियों की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उच्च स्तरीय बैठक में सरेश पासवान, विधायक देवेंद्र सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर तैयारियों को दें अंतिम रूप

सचिव अविनाश कुमार, प्रधान अन्य वरीय अधिकारी तथा बाबा

मौजूद थे।

विभागों की ओर से की जा रही व्यवस्था की मॉनिटरिंग करेंगी सीएस अलका तिवारी

रांची से दिली पहुंच

गए हैं।

🦐 स्वच्छता, विश्राम, पेयजल, बिजली, पानी, शौचालय, स्नानागार, यातायात पर किया जा रहा विशेष फोकस

नीति आयोग की बैठक में भाग लेने दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

झारखंड सरकार पेश करेगी 'विकसित भारत २०४७' का रोडमैप

RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 मई को नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की शासी निकाय की बैठक में भाग लेने के लिए

इस वर्ष लगभग ५० लाख श्रद्धालुओं के आने की जताई जा रही संभावना

पधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित

सचिव वंदना दादेल. पुलिस क्षेत्र विकास प्राधिकार के सदस्य को देश- दुनिया में विशिष्ट पहचान तरीके से आयोजित करते आ रहे

अन्य केंद्रीय मंत्री एवं राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में झारखंड सरकार की ओर से 'विकसित भारत 2047' अभियान के तहत नगर विकास विभाग राज्य का विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत करेगा। इसके साथ ही पिछली बैठकों में हुई चचाओं और उढाए गए कदमों पर आधारित एक्शन टेकेन रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

मुद्रा योजना के तहत ऋण वितरण

मेला हमारी आस्था का एक बड़ा हैं। हर वर्ष इस विश्व प्रसिद्ध

मिली है। हर वर्ष लाखों की हैं। इस वर्ष भी लगभग 50 लाख

संख्या में श्रद्धालु बाबा नगरी आते श्रद्धालुओं के आने की संभावना

राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में मुद्रा योजना के तहत अब तक 6278 जरूरतमंदों को कुल 55.33 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्टीट वेंडर्स को किफायती दरों पर ऋण उपलब्ध

श्रमिकों को आर्थिक रूप से सशक्त करने में मदद मिली है। स्वयं सहायता समूह का गढन

कराए गए हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र के

इसके अलावा, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत 2014 से 2024 के बीच

राज्य में 24,380 स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं और 7748 लोगों को 10 लाख तक के ऋण प्रदान किए गए हैं। नीति आयोग की यह बैठक देश के समावेशी विकास और राज्य-केंद्र समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच मानी जा रही है। झारखंड सरकार की भागीदारी से राज्य के विकास कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर बेहतर पहचान मिलने की उम्मीद है।

है। ऐसे में वे यहां से बेहतर मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सचिव मस्त राम मीणा, प्रधान बैद्यनाथ धाम- बासुकीनाथ तीर्थ केंद्र है। श्रावणी मेले से झारखंड श्रावणी मेले को काफी बेहतर अनुभव लेकर जाएं, इसके लिए श्रावणी मेला में नई कड़ियों को जोड़ने के साथ इसे और भी भव्य अर्धसैनिक बल के साहस और स्वरूप देने की दिशा में आगे बढ़ें।

सेना की मारक क्षमता ने ऑपरेशन सिंदुर को बनाया



NEW DELHI : शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर की

सफलता के तीन प्रमुख कारण बताए। इच्छाशक्ति उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक से मिली इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी सटीक जानकारी और भारतीय सेना महत्वपर्ण की जबरदस्त मारक भूमिका

क्षमता के तालमेल से संभव हुआ। इन तीनों के एकसाथ आने से देश ने दशकों से चल रहे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का निर्णायक उत्तर दिया। अमित शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में महानिदेशक बीएसएफ दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने बीएसएफ के अलंकरण समारोह 2025 और रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हए

इंडिगो की फ्लाइट को पाकिस्तान ने नहीं दी अपने वायु क्षेत्र में घुसने की इजाजत

कुंवर, मुख्य सचिव अलका महानिदेशक अनुराग गुप्ता, सचिव

तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य मनोज कुमार के अलावा कई

विमान में सवार 220 से ज्यादा यात्रियों की खतरे में पड़ गई थी जान

AGENCY NEW DELHI : नागर (डीजीसीए) ने शुक्रवार को खलासा किया है कि नई दिल?ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की ए321 नियो फ्लाइट को खराब मौसम में फंसने के बावजूद अपने हवाई क्षेत्र में घुसने की इजाजत नहीं दी थी। इसके चलते विमान में सवार 220 से ज्?यादा यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई थी। इस विमान में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 5 सांसद भी सवार थे। हालांकि, राहत की बात रही

कि विमान सुरक्षित रूप से श्रीनगर एयरपोर्ट पर लैंड कर गया। डीजीसीए ने शक्रवार को एक बयान में कहा कि नई दिल्ली से श्रीनगर जा रहे इंडिगो एयरलाइन के चालक दल के सदस्यों ने बुधवार को खराब मौसम से बचने के लिए पाकिस्तान हवाई क्षेत्र में प्रवेश का अनुरोध किया था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए डीजीसीए ने कहा कि विमान में सवार किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई है।

MUMBAI @ PTI : शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा की, जो 2023-24 के लाभांश भुगतान से 27.4 प्रतिशत अधिक है। आरबीआई ने वित्त वर्ष

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावणी

2023-24 के लिए सरकार को 2.1 लाख करोड़ रुपये का लाभांश हस्तांतरित किया था। इसके पहले वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भुगतान वितरण 87,416 करोड़ रुपये रहा था। आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की यहां



रिजर्व बैंक की ओर से सरकार को मिलेगा

केंद्रीय निदेशक मंडल की 616वीं बैटक में सरकार को लाभांश देने का हुआ निर्णय संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचे के आधार पर कियाँ गया है

आयोजित 616वीं बैठक में सरकार को रिकॉर्ड लाभांश

राशि का निर्धारण

भुगतान करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता गवर्नर संजय मल्होत्रा ने की। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने वैश्विक और घरेल आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की, जिसमें परिदृश्य से जुड़े जोखिम भी शामिल हैं। इस दौरान निदेशक मंडल ने अप्रैल 2024 -मार्च 2025 के दौरान रिजर्व बैंक के कामकाज पर भी चर्चा की और वर्ष 2024-25 के लिए रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों को मंजुरी दी।

ध्वस्त हो चुकी है भारत की विदेश नीति : राहुल

NEW DELHI: शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के एक हालिया साक्षात्कार का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने जयशंकर के एक विदेशी पत्रकार को दिए गए साक्षात्कार के कुछ अंश वाला वह वीडियो फिर से पोस्ट किया, जिसे कांग्रेस ने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया था। उन्होंने कहा, क्या जयशंकर बताएंगे कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ा गया है, पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा समर्थन क्यों नहीं किया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत

की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है।

गिरफ्तार आईएएस विनय चौबे की हालत स्थिर, जांच के लिए रिम्स में मेडिकल टीम गठित **PHOTON NEWS RANCHI:**

शराब घोटाला मामले में झारखंड भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा

गिरफ्तार किए गए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनय कमार चौबे की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रांची के रिम्स में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है और फिलहाल उनको स्थिति स्थिर बनी हुई है। रिम्स प्रशासन की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार उन्हें मेडिसिन विभाग के डॉ. ऋषि तुहिन गुड़िया की निगरानी में रखा गया है। इसके साथ ही उनकी जांच के लिए एक विशेष मेडिकल टीम गठित की गई है। इसमें डॉ अजीत डुंगडुंग (मेडिसिन), डॉ प्रज्ञा पंत (नेफ्रोलॉजी) और डॉ मृणाल कुंज (कार्डियोलॉजी) शामिल हैं। डॉ प्रज्ञा पंत द्वारा की गई किडनी जांच के बाद उन्हें पूर्व में दी गई दवाओं का सेवन जारी रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा उनके रक्त और मूत्र की नियमित जांच की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की ट्रीटमेंट में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।



शराब घोटाला मामले में अरेस्ट होने के बाद बिगड़ गई थी तबीयत

मेडिसिन विभाग के डॉ. ऋषि तुहिन गुड़िया की निगरानी में चल रहा इलाज

हाई बीपी और किडनी संबंधी परेशानी

बता दें कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और किडनी संबंधी दिक्कतों की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। गौरतलब है कि विनय चौबे को एसीबी ने एक बड़े भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर पद का दुरुपयोग करने और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं। गिरफ्तारी के बाद वे न्यायिक हिरासत में थे। फिलहाल स्वास्थ्य कारणों से उन्हें अस्पताल में रखा गया है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंगों में विस्फोट

AGENCY JAMMU: जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आज नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जंगल में लगी आग के कारण कई बारूदी सुरंगें फट गई। इनमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नियंत्रण रेखा के पास जंगल में आग लग गई और कृष्णा घाटी सेक्टर के पहाड़ी इलाके के बड़े हिस्से में फैल गई। जंगल में लगी आग के कारण इलाके में कई बारूदी सुरगें फट गईं, लेकिन किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों के साथ सेना और वन विभाग के अधिकारी आग बुझाने के प्रयास कर रहे हैं।

शहरी क्षेत्रों में पेड़-पौधों का अभाव बना जान के लिए खतरा जीवन की सुरक्षा

हरियाली के दम पर गर्मी से होने वाली मौतों में आ सकती है कमी

PHOTON NEWS RESEÔRCH DESK: विकास की जरूरतों और समय के अनुसार शहरीकरण के नाम पर लंबे समय से जंगलीं की कटाई हो रही है। इससे जैव संतुलन में स्वाभाविक रूप से गड़बड़ी आई है। विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों और प्राणियों के आपसी संबंधों से बने पारिस्थितिकी तंत्र के स्वरूप और नेचर में परिवर्तन आया है। पूरी प्रकृति का इस तरीके से दोहन किया गया है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए संकट की स्थिति बन गई है। हरियाली के कारण वातावरण का

तापमान संतुलित बने रहता है और जैसे–जैसे इसमें कमी आती है, वैसे–वैसे गर्मी बढ़ती है। इससे उत्पन्न बीमारियां लोगों की जान को खतरे में डालती हैं। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि यदि हरियाली बढ़ाई जाती है, तो गर्मी के कारण मौतों में कमी लाई जा सकती है। नए अध्ययन से यह पता चला है कि दुनियाभर के शहरों में अगर हरियाली को 30 फीसद तक बढ़ा दिया गया होता तो गर्मी से जुड़ी लगभग 11.6 लाख मौतों को रोका जा सकता था। यह खुलासा एक अध्ययन में सामने आया है।

कार्बन डाडऑक्साडड को अवशोषित कर पर्यावरण की भी रक्षा करती है हरियाली

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न **» विपरीत परिस्थित को**

नियंत्रित करते हैं पेड़-पौधे भविष्य में और गंभीर

हो सकती है मृत्यु दर शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि का पर्याप्त विकास नहीं हुआ तो गर्मी के कारण होने वाली मृत्यु दर की स्थिति और भी

भविष्य में यदि शहरी हरियाली गंभीर हो सकती है। उदाहरण के लिए 2090–99 के दौरान दक्षिण पूर्व एशिया में हीट-रिलेटेड मृत्यु दर 16.7 फीसद तक पहुंचने का अनुमान है।

शहरों में हरियाली को ≫ ३०% बढ़ाकर लाखों जानों की हो सकती है हिफाजत

53 देशों के 830 स्थानों से प्राप्त मौसम व मृत्यु

दर के आंकड़ों का किया गया है विश्लेषण

ऑस्ट्रेलिया की मोनाश **» युनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने** किया है विशेष अध्ययन

शोध के निष्कर्षों को द लैंसेट ≫ प्लैनेटरी हेल्थ नामक जर्नल में किया गया है प्रकाशित

यह तो हम सभी जानते हैं कि हरियाली यानी पेड-पौधे हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये हमें शुद्ध हवा देते हैं, प्रदूषण कम करते हैं और जलवायु को नियंत्रित करते हैं। हरियाली हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है, जिससे हमें तनाव कम होता है और हमारी रचनात्मकता बढ़ती है। हरियाली कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करती है, जिससे जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद मिलती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो हरियाली पर्यटन को बढ़ावा देती है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य की दृष्टि

से हरियाली की कमी का ज्यादा असर पड़ रहा है।

पर्यटन को भी बढ़ावा देती है हरियाली



RAMGARH: रामगढ तालाब बचाओ योजना के तहत बडी पहल की जा रही है। योजना के तहत उपायुक्त के निर्देश पर जिले के अलग-अलग क्षेत्र में तालाबों को चिन्हित कर उनसे अतिक्रमण हटाने और सौन्दर्यीकरण कार्य किया जाना है। शक्रवार को डीसी चंदन कमार ने रामगढ शहर अंतर्गत बंगाली टोला में स्थित धंधार तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने तालाब के वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए तालाब के क्षेत्रफल आदि की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने स्थानीय लोगों से भी तालाब से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां ली। इसके बाद उन्होंने तालाब से अतिक्रमण हटाते हुए तालाब का सौंदर्यीकरण करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि रामगढ़ तालाब बचाओ योजना के तहत जिला प्रशासन की ओर से सभी जिले वासियों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में स्थित तालाबों का विशेष ध्यान रखें, तालाबों पर श्रमदान करें अथवा श्रमदान के समान राशि दान करें। ऐसे दान कताओं के नाम से तालाब परिसर में वृक्षारोपण कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, अंचल अधिकारी रामगढ सहित अन्य उपस्थित थे।

ग्रामीण बैंक ने लगाया वित्तीय साक्षरता शिविर

LOHARDAGA: झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक किस्को शाखा की ओर से



में वितीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाखा प्रबंधक गौरव सिंह ओर बैंक कर्मी छेदु साहू मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को लखनऊ के जादुगर असलम खान की ओर से मैजिक के माध्यम से लोगो को

बैंक की योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न प्रकार के जादू के माध्यम से योजनाओं का लाभ की जानकारी दी गई।मौके पर शाखा प्रबंधक की ओर से भी लोगो को बैंक से जुड़ने और योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई। मौके पर किसान क्रेडिट कार्ड,एम एसएमई ऋण योजना, आवास ऋण, प्रधानमंत्री रोजगार सुजन कार्यक्रम, लाइफ इंश्योरेंस, जेनरल इंश्योरेंस, म्युचुअल फंड निवेश, नई पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

CHATRA: टंडवा के राहम रोड में शुक्रवार को दो बाइक के जबरदस्त टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बौधा उरांव (40) और छट्ट उरांव (23) अपने अपने बाइक से कहीं जा रहे थे। दोनों विपरीत दिशा से आने जाने के कारण दोनों बाइक की जोरदार टक्कर हुई। इसमें दोनों घायल हो गये। राहम पंचायत के पूर्व मुखिया अक्षयवट पांडे ने बताया कि घायलों में बौधा उरांव की नाजुक हालात होने पर उसे बड़कागांव अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। वहीं छट्ट उरांव का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। दोनों बाइक को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

मुठभेड़ में घायल नक्सलियों का इलाज करने वाले 130 डॉक्टर किए गए चिह्नित

पलामू की जिला पुलिस कर रही झोलाछाप डॉक्टरों की पहचान, कार्रवाई की तैयारी

झारखंड के पलाम जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान पुलिस को मिले सुरागों से एक चौंकाने वाली हकीकत सामने आई है। मुठभेड़ों में घायल नक्सलियों का इलाज झोलाछाप डॉक्टर कर रहे हैं। यही नहीं, स्थानीय समर्थक उन्हें भागने के लिए गाड़ियां और संसाधन भी मुहैया करवा रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई से अब इन मददगारों पर भी शिकंजा कसना शुरू हो गया है।

पलाम् पुलिस ने विशेष अभियान के तहत 130 से अधिक झोलाछाप डॉक्टरों की पहचान की है जो नक्सलियों को चिकित्सा सहायता प्रदान कर रहे हैं। पुलिस अब इनके नाम, पते



एसपी रीष्मा रमेशन की अपील : नक्सलियों की मदद करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई पलामू की एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा कि जो भी व्यक्ति किसी भी रूप में

नक्सलियों या उनके स्प्लंटर ग्रुप्स की मृदद करेगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम जनता से अपील है कि ऐसे गतिविधियों से दूर रहें और पुलिस को जानकारी दें।

और नेटवर्क का सत्यापन कर नेटवर्क की मेडिकल चेन का रही है। यह जांच नक्सली

तीन नक्सली संगठनों के लिए अलग-अलग हैं मददगार, सामाजिक समीकरण भी प्रभावी

पलामू जिले में तीन अलग-अलग नक्सली संगठन भाकपा माओवादी, टीएसपीसी और जेजेएमपी सक्रिय हैं। हर संगठन के लिए अलग-अलग स्थानीय सहयोगी और नेटवर्क मौजूद हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इनके बीच प्रभाव क्षेत्र को लेकर संघर्ष भी होता रहा है।

केस स्टडी १ टीएसपीसी कमांडर गौतम

यादव का इलाज वाराणसी में 17 मई 2024 को मनातू थाना क्षेत्र में टीएसपीसी और पुलिस के बीच मुटभेड़ हुई थी, जिसमें जोनल कमांडर गौतम यादव उर्फ मिथिलेश यादव घायल हो गया था। इसके बाद एक झोलाछाप डॉक्टर ने उसका इलाज किया और स्थानीय समर्थकों की मदद से उसे वाराणसी पहुंचा दिया गया। बाद में पुलिस ने गौतम यादव को वाराणसी में गिरफ्तार कर लिया और इलाज नेटवर्क का

केस स्टडी २ नक्सली नंदकिशोर यादव को मुखिया की मदद से इलाज

अप्रैल 2023 में पलामू-चतरा सीमा पर हुई एक मुठभेड़ में पांच लाख का इनामी नक्सली नदिकशोर यादव उर्फ ननकुरिया घायल हुआ। उसे भी एक झोलाछाप डॉक्टर और स्थानीय मुखिया की मदद मिली थी। इलाज के बाद जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया, तब इलाज के पूरे चेन का दूसरा सिरा भी उजागर हुआ। जिला पुलिस उस पूरे चेन को समाप्त करने के साथ ही देंडित करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुठभेड़ में बरामद डायरी से खुली मददगारों की पोल

पलामू में पुलिस और टीएसपीसी के बीच मुठभेड़ों के दौरान बरामद हुई एक डायरी ने नक्सल नेटवर्क की असलियत खोलकर रख दी है। इस डायरी में दर्ज हैं:-

- स्थानीय मददगारों के नाम
- किसके पास कौन सी गाड़ी, जेसीबी या ट्रैक्टर है
- किस डॉक्टर ने कब और कहां इलाज किया

यह एक सुनियोजित मेडिकल और लॉजिस्टिक सपोर्ट सिस्टम की ओर इशारा करता है, जिसे नक्सिलयों ने तैयार कर

रेलवे स्टेशन पर चलाया जा रहा प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त अभियान



रामगढ़ रेलवे स्टेशन पर अभियान चलाते स्काउट-गाइड के कैडेट

RAMGARH: पूरे विश्व में पांच जून को विश्व परिवार पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा। भारतीय रेल ने अभी से ही विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। विभिन्न स्टेशनों पर प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त थीम पर आधारित जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 22 मई से 5 जून तक यह कार्यक्रम आयोजित होगा। धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने इसकी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि शहर और पर्यावरण तथा अपने स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए। अन्य लोगों को भी सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। जब भी बाजार जाए तो साथ में कपड़े या जूट का थैला लेकर जाए । साथ ही शहर को स्वच्छ रखने में पूरा योगदान दें। लोगों में जागरूकता के लिए मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर रेल एवं सफाई कर्मचारियों द्वारा शपथ भी ली गई।

शादी के पांचवें दिन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियर का फंदे पर लटका मिला शव

नावाजयपुर थाना क्षेत्र के धंगरडीहा से सामने आया मामला, 17 मई को हुआ था विवाह

PHOTON NEWS PALAMU: युं तो शादी जन्मोजन्म का रिश्ता होता है लेकिन जब यह रिश्ता शादी के पांच दिन बाद मातम में बदल जाए तो दो परिवारों में टूट पड जाती है। जी हां ऐसा ही कुछ मामला जिले के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के धंगरडीहा से सामने आया है। यहां शादी के पांचवें दिन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियर ऋषिका सिन्हा उर्फ मीणा, पति अनुज कुमार सिन्हा का फंदे से लटका शव बरामद किया गया। नव विवाहिता की शादी 17 मई को

धंगरडीहा के अलख निरंजन प्रसाद के बेटे अनुज कुमार सिन्हा की शादी आलमगंज पटना के महेंद्र प्रसाद की पुत्री ऋषिका सिन्हा



मृतका की फाइल फोटो

उर्फ मीणा के साथ हुई थी। अनुज जबलपुर गन फैक्ट्री में सरकारी नौकरी में है, वही लड़की ऋषिका सिन्हा उर्फ मीणा कंप्यूटर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में दिल्ली में कार्य करती थी।

के साथ अनुज की बारात आलमगंज गई और रात्रि में शादी हुई और बारात 18 मई को घर वापस आयी। तब तक सब ठीक-ठाक था, लेकिन 22 मई की रात्रि में करीबन 10 बजे नव विवाहिता का शव उसके कमरे में लगे पंखे में दुपट्टा के फंदे से झूलता हुआ देखा गया। शुक्रवार को इस घटना की सूचना मायके पक्ष को दी गई। लड़की के पिता महेंद्र प्रसाद ने बताया कि उसकी बेटी रिषिका की निर्मम हत्या कर दी गई है। इस हत्या के पीछे अनुज कुमार सिन्हा व उसके पिता अलख निरंजन प्रसाद, माता सरस्वती देवी, तथा अनुज कुमार के चारो भाई अविनाल कुमार सिन्हा, अनुप कुमार सिन्हा, आनंद कुमार सिन्हा,

अनुराग कुमार सिन्हा का हाथ है। हमलोगों ने उपहार स्वरूप पांच लाख रुपये के सामान दिये थे। बेटी की तिबयत खराब होने के बावजूद लड़का ने शारीरिक शोषण व दहेज के रूप में पैसों की डिमांड कर लड़की को प्रताड़ित किया।

सूचना मिलने पर नावाजयपुर थाना प्रभारी कमल किशोर पांडे दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं शव को परिजनों के समक्ष फंदे से उतारा और पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मेदिनीनगर भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मायके वाले की तरफ से आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। मामले में जांच कर

बासुकीनाथ मंदिर की सख्त की गई सुरक्षा युट्युबर ज्योति मल्होत्रा का वीडियो वायरल

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार हरियाणा की यटयंबर ज्योति मल्होत्रा द्वारा बासुकीनाथ मंदिर का भी वीडियो शूट किया था। इसको लेकर बासुकीनाथ धाम मंदिर की सरक्षा व्यवस्था बढा दी गई है। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मंदिर की सुरक्षा में लगाया गया है। साथ ही मंदिर के इर्द-गिर्द सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है. ताकि मंदिर परिसर की गतिविधियों को देखा जा सके। वर्ष 2023 में युट्यूबर ज्योति मल्होत्रा ने सुल्तानगंज से लेकर देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर और बासुकीनाथ मंदिर का वीडियो शूट किया था। जाससी के आरोप में उसकी गिरफ्तारी के बाद देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर और बासुकीनाथ धाम मंदिर की सुरक्षा



यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के वायरल वीडियो की फोटो

बढा दी गई है और जिला प्रशासन धाम के रास्ते बाबा बासुकीनाथ

अलर्ट है। झारखंड के दुमका से करीब 24 किलोमीटर की दूरी पर दुमका-देवघर मुख्य मार्ग पर बाबा बासकीनाथ धाम का मंदिर है। यं तो यहां सालोंभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है, लेकिन श्रावण माह के दौरान यहां काफी भीड़ उमड़ती है। यहां बिहार के उत्तरवाहिनी अजगैबीनाथ से जल लेकर श्रद्धालु देवघर के बैद्यनाथ • फोटोन न्यूज

तक पहुंचे हैं। पिछले दिनों आईएसआई के लिए काम के आरोप में हरियाणा निवासी यटयबर ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद अचानक से बासुकीनाथ धाम मंदिर और बैद्यनाथ धाम मंदिर सुर्खियों में आ गया है। ज्योति मल्होत्रा ने 2023 में इन धार्मिक स्थलों की यात्रा की थी और मंदिर परिसर में वीडियो

किया था। जिसमें सुल्तानगंज का अजगैबीनाथ मंदिर, बैद्यनाथ धाम मंदिर. बासकीनाथ मंदिर और जसीडीह रेलवे स्टेशन का विस्तार पूर्वक चित्रण किया गया था।

ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद से ही देवघर और बासकीनाथ यात्रा को लेकर बनाई गई वीडियो काफी चर्चा है। लोगों का कहना है कि इस वीडियो को किस दृष्टिकोण से बनाया गया अथवा इसका क्या मकसद था इसको लेकर भी खिफया एजेंसी को जांच करने की जरूरत है। इस संबंध में जरमंडी थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक श्यामानंद मंडल ने बताया कि बासुकीनाथ मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस टीम के साथ-साथ रात्रि गश्त की भी

पत्नी की हत्या कर फरार युवक ने कोर्ट में कर दिया सरेंडर

थाना क्षेत्र के नौडीहा में नवविवाहित पत्नी सिमरन उर्फ सुखू की हत्या कर फरार विनीत सिंह ने शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। केंवल विनीत ने ही आत्मसमर्पण किया है। परिवार के अन्य सदस्य फरार हैं। कोर्ट ने विनीत को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उल्लेखनीय है कि 19 मई सोमवार रात नवविवाहिता सिमरन उर्फ सुखू की गोली लगने से मौत हो गई। अवैध संबंध का विरोध करने पर पति ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। सात् फरवरी २०२५ को सिमरन की शादी हुई थी। घटना के बाद से संसुराल पक्ष के लोग घर का दरवाजा बंद कर फरार चल रहे हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ढिकानों पर छापेमारी कर रही थी। इसी बीच पुलिस के बढ़ते दबाव को देखते हुए आरोपित पति ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सिमरन के परिजनों ने पति के अलावा ससुराल पक्ष के तीन-चार लोगों को आरोपित बनाया है। सदर मेदिनीनगर अनमंडल पलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि आरोपित पति को पूछताछ

PALAMU : पलामू जिले के पाटन

के लिए रिमांड पर लिया जायेगा।

रेलवे यूनियन चुनाव विवाद में मेंस कांग्रेस को बड़ी राहत, अलीपुर फास्ट ट्रैक कोर्ट का आया आदेश

PHOTON NEWS CKP: दक्षिण पूर्व रेलवे में मान्यता के लिए हुए यूनियनों के चुनाव में कथित अनियमितताओं को लेकर मेंस कांग्रेस द्वारा दायर मध्यस्थता याचिका पर शुक्रवार को कोलकाता के अलीपुर फास्ट ट्रैक कोर्ट ने महत्वपर्ण आदेश सनाया है। अदालत ने मेंस कांग्रेस की मध्यस्थता याचिका को स्वीकार कर लिया है और चुनाव से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों की सरक्षित संरक्षित कर जमा करने का निर्देश दिया है। फैसले के अनुसार, मतपत्र, मतपेटियां, सीसीटीवी फुटेज सहित चुनाव प्रक्रिया से संबंधित अन्य सभी दस्तावेजों को संरक्षित रखा जाएगा। यह कार्यवाही कम से कम दो गवाहों की उपस्थिति में की जाएगी, जिनमें से एक गवाह संबंधित रेल प्रशासन और एक-एक प्रतिनिधि चुनाव में भाग लेने

KHUNTI: खूंटी जिले के कर्रा



चक्रधरपुर रेल मंडल का कार्यालय

वाले युनियनों से होंगे। चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर को इन सामग्रियों का संरक्षक नियुक्त किया गया है और तीन दिन पहले सार्वजनिक सूचना के माध्यम से यह प्रक्रिया सभी यनियनों को सचित कर दी जाएगी। संरक्षित दस्तावेजों की सचीकरण की प्रक्रिया अगले 10 कार्यदिवसों के भीतर पूर्ण होनी है और इसकी रिपोर्ट अगले 13 जन तक न्यायालय में पेश की जाएगी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को भी यह निर्देश दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार मध्यस्थता

प्रक्रिया में भाग लें। इस आदेश के बाद मेंस कांग्रेस ने न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है। महासचिव एसआर मिश्रा ने कहा कि कोर्ट का यह फैसला उन सभी चेहरों को बेनकाब करेगा, जो मेंस कांग्रेस को मान्यता से वंचित करने की साजिश में लगे थे और पूरी चुनावी प्रक्रिया को अनियमितता की आग में झोंक दिया था। अब सभी मेंस कांग्रेस के कैडरों को निर्देशित किया गया है कि वे कर्मचारियों के बीच जाकर उनके मुद्दों के समाधान में नई ऊर्जा के साथ लग जाएं।

दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने टाटा-बादामपहाड़ सेक्शन का किया निरीक्षण

रायरंगपुर स्टेशन का विकास ६ महीने में पूरा हो : जीएम

PHOTON NEWS JSR: दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के महाप्रबंधक (जीएम) अनिल कुमार मिश्रा ने शुक्रवार को टाटानगर स्टेशन पर टाटा-बादामपहाड़ सेक्शन का निरीक्षण किया। इसके बाद पत्रकारों से कहा कि अमृत स्टेशन योजना के तहत बन रहे रायरंगपुर और बादामपहाड़ स्टेशन के विकास कार्यों को 6 महीने के अंदर पुरा करने का आदेश निर्माणकर्ता एजेंसी को दिया गया है। दोनों ही स्टेशन से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के गांव जाने के लिए रास्ता निकलता है। ऐसे में रेलवे की प्राथमिकता में ये दोनों स्टेशन हैं। दोनों स्टेशनों पर नया स्टेशन भवन, वेटिंग हॉल, पानी, शौचालय, आरक्षण केंद्र के आधुनिकीकरण जैसे कई कार्य

चल रहे हैं। इसमें काफी प्रगति है,

इसे और तेजी से करने को कहा



• फोटोन न्यूज

जीएम ने कहा कि टाटा-बादामपहाड़ रेल मार्ग का भी दोहरीकरण होना है। इसके साथ ही बादामपहाड़-क्योंझर रेलमार्ग जिसकी स्वीकृति हो चुकी है। इसे ईस्ट कोस्ट रेलवे जोन कर रहा है। इस जोन के अधिकारियों के साथ

समन्वय बनाकर जल्द बादामपहाड़-क्योंझर रेलमार्ग का निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि हल्दीपोखर स्टेशन पर प्लेटफार्म और फुटओवर ब्रिज के निर्माण कार्य की प्रगति भी देखी गई है। जीएम

ने टाटानगर स्टेशन में सैलून के अंदर बैठक कर टाटानगर रेलवे स्टेशन के री-डेवलेपमेंट काम के प्रगति की जानकारी ली। वहीं टाटानगर स्टेशन के लोको अंडर ब्रिज व जुगसलाई फुटओवर ब्रिज की भी जानकारी ली।

सांसद ने जीएम के साथ किया विंडो टेलिंग इंस्पेक्शन

थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरहू स्थित पाईक टोली के पास एक झोपड़ी से बरामद जमशेदपुर के सांसद अज्ञात महिला का शव को पहचानने विद्युतवरण महतो ने वाले को बीस हजार रुपये का नकद रायरंगपुर स्टेशन से ईनाम दिया जायेगा। महिला का शव बादामपहाड़ तक जीएम को पुलिस ने 12 अप्रैल को बरामद अनिल कुमार मिश्रा के किया था। महिला की उम्र लगभग 25 वर्ष आंकी जा रही है, लेकिन अभी साथ ही विंडो ट्रेलिंग तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। इंस्पेक्शन किया। सांसद घटना के संबंध में कर्रा थाने में अज्ञात विद्युतवरण महतो ने के खिलाफ मामला दर्ज किया गया रायरंगपुर और बादामपहाड़ है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। इस बीच, खूंटी का विकास कार्य त्वरित पुलिस प्रशासन ने मृतका की पहचान गति से कराने का आग्रह बताने वाले को बीस हजार रुपये का जीएम से किया। इस दौरान नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। जीएम के पीए मनीष कुमार अगर किसी व्यक्ति को उक्त महिला के पाठक, चक्रधरपुर रेल संबंध में कोई जानकारी है, तो वह इन डिवीजन के डीआरएम संपर्क नंबरों पर सूचना दे सकता है पुलिस अधीक्षक, तरुण हुरिया, सीनियर 9431706116, थाना प्रभारी. कर्री डीसीएम आदित्य कुमार 9122986556, डीसीबी शाखा, खूंटी चौधरी भी साथ थे। 8340655295 I

अज्ञात महिला के शव को मेगा टिकट चेकिंग अभियान में पहचानने वाले को मिलेगा २० हजार रुपये का इनाम यात्रियों से वसूला ₹5.97 लाख



टिकट चेकिंग करते टीटीई

• फोटोन न्यूज

RAMGARH: धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रामगढ़ जिले के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके तहत मंडल के विभिन्न खण्डों के साथ-साथ धनबाद, गोमो, चन्द्रपुरा, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में भी गहन टिकट चेकिंग किया गया। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक मो इकबाल ने शुक्रवार को बताया कि यह मेगा टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन- रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 1021 यात्रियों को पकड़ा गया। इसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे पांच लाख 97 हजार 730 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई। पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल, एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया।





राजधानी रांची में सड़कों और

सार्वजनिक स्थलों पर दुकान

लगाने वाले फुटपाथी दुकानदारों

को अब व्यवस्थित करने की दिशा

को परेशानी का सामना करना

पड़ता है। इस समस्या के स्थायी

समाधान के लिए निगम ने पहले

ही एक व्यापक सर्वे कराया था.

जिसमें यह पता लगाया गया कि







शहर को व्यवस्थित करने के लिए रांची नगर निगम ने की कारगर पहल

राजधानी में बनेंगे तीन नए वेंडर मार्केट

नगर निगम तैयार करा रहा डीपीआर



THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com

Saturday, 24 May 2025

BRIEF NEWS

कल झारखंड आएंगे लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला

RANCHI: लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला का रविवार को सुबह 9:10 बजे दिल्ली से रांची के



का प्रतिनिधिमंडल

RANCHI: शुक्रवार को जमीअतुल मोमिनीन चौरासी

चुनाव 2025 के नवनियुक्त पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल मंत्री हफीजुल हसन अंसारी से मिला। मंत्री ने सबको बधाई दी और कहा कि आप लोग शिक्षा पर ज्यादा ध्यान दें। जो बच्चे

पढ़ने में तेज हैं, उन्हें चिह्नित कर

आप लोग ज्यादा से ज्यादा शिक्षा

कम से कदम मिलाकर चलने को

तैयार हैं। अपनी पंचायत के अंदर

जो लोग भी हैं, उन्हें और बेहतर

चौरासी के सदर मजीद अंसारी ने

कहा परी ईमानदारी और निष्ठा के

काम करने को कहें। मौके पर

मौजद जमीअतल मोमिनीन

साथ हम अपने पंचायत को

पर ध्यान दें। हम आपके साथ

हमसे मिलवाएं। शिक्षा के बिना

सब कुछ अधुरा है, इसीलिए

बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर आगमन होगा। तत्पश्चात वे सुबह 9:20 पर बिरसा चौक स्थित

में रांची नगर निगम ने एक बड़ा कदम उठाया है। निगम शहर में भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति पर माल्यार्पण करेंगे। तीन नए वेंडर मार्केट विकसित इसके बाद दिन के 12:15 से करने जा रहा है। इसके लिए दोपहर 2:00 बजे तक जमशेदपुर डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट के लोयोला स्कूल के फैसी रिपोर्ट) तैयार की जा रही है। नए सभागार में सिंघभूम चैंबर्स ऑफ वंडर मार्केट चुटिया थाना क्षेत्र, लोयला मैदान और दिव्यायन के कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लैटिनम जबली कार्यक्रम में शामिल होंगे। पास बनाए जाएंगे। इन स्थानों पर कार्यक्रम के पश्चात वे वापस वेंडरों को व्यवस्थित रूप से दोपहर 3:15 बजे जमशेदपुर के बसाया जाएगा। जिससे कि दुकानें व्यवस्थित तरीके से लगेगी। वहीं सोनारी हवाई अड्डे से रांची के लिए लौटेंगे। रांची में शाम 5:45 बजे से इनकी वजह से जाम की समस्या 7:40 बजे तक डांगरटोली के नहीं होगी। नगर निगम का उद्देश्य स्वर्ण भिम में विभिन्न समहों द्वारा है कि शहर के सौंदर्यीकरण और आयोजित नागरिक अभिनंदन ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाया कार्यक्रम में शामिल होंगे। जाए। सड़कों पर अव्यवस्थित रूप से दुकान लगाने से यातायात मंत्री हफीजुल हसन से बाधित होता है और आम जनता मिला जमीअतूल मोमिनीन

चुटिया थाना, लोयला मैदान और र्देव्यायन के पास बसाए जाएंगे वेंडर

नागा बाबा खटाल और डिस्टिलरी मार्केट में सैंकड़ों दुकानदारों को मिली जगह

जल्द शिफ्ट किए जाएंगे वेंडर

जल्द चालु होगा मोरहाबादी वेंडर मार्केट

अब निगम की अगली योजना मोरहाबादी वेंडर मार्केट को चाल कर वेंडरों

को वहां शिफ्ट करने की है। मोरहाबादी मैदान के आसपास बड़ी संख्या में

फुटपाथी दुकानदार सड़कों पर बैढते हैं, जिससे क्षेत्र में जाम लगता है और

ु सफाई की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। नए वेंडर मार्केट से न केवल इन

शहर में लगातार बढ़ रही वेंडरों की तादाद

में वेंडरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यदि इन्हें व्यवस्थित नहीं

बता दें कि पिछले दिनों रांची नगर निगम के अधिकारियों ने प्रस्तावित

वेंडर मार्केट के स्थलों का निरीक्षण किया था। बताया गया था कि शहर

किया गया तो आने वाले समय में शहर की यातायात और सौंदर्यीकरण

व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा सकती है। इसीलिए निगम पूरी गंभीरता

से इस योजना पर कार्य कर रहे हैं। नए वेंडर मार्केट का डीपीआर

तैयार होने के बाद राज्य सरकार से अनुमोदन लिया जाएगा और

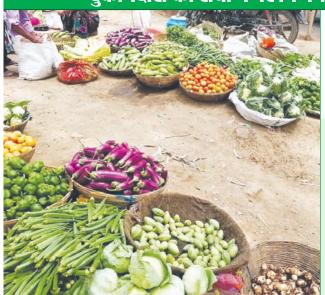
सुनिश्चित करेगा कि नए मार्केट में दुकानदारों को उचित किराया पर

उसके बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। निगम यह भी

दुकानें मिलें और वे नियमों का पालन करें।

दुकानदारों को स्थान मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों को भी राहत मिलेगी।

दुकानदारों का रांची नगर निगम ने पहले ही कराया था सर्वे



किन-किन इलाकों में कितने वेंडर मौजद हैं। अब उन्हें मार्केट बनाकर उस स्थान पर स्थानांतरित करने की योजना है।

वेंडरों को मिला स्थायी ठिकाना

तहत इससे पहले नागा बाबा खटाल और कोकर के डिस्टिलरी मार्केट में पहले ही सैंकडों

जगह दी जा चुकी है। इन क्षेत्रों में बनाए गए वेंडर मार्केट्स में दुकानदारों को बिजली, पानी और छत जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया दुकानदारों को व्यवस्थित रूप से

टॉयलेट की भी सविधा दी जाएगी। इससे न केवल वेंडरों को स्थायी ठिकाना मिला है। बल्कि सफाई और स्वच्छता का भी ध्यान रखा

सदर अस्पताल में मरीज को इमरजेंसी से निकाला, डीएस के पास की गई शिकायत



सदर अस्पताल वैसे तो बेहतर सुविधाओं के जाना जाता है। ऐसे में मरीज भी इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। लेकिन, सदर हॉस्पिटल में स्टाफ मरीजों के साथ मिसबिहेव पर उतर आए हैं। वहीं मरीजों को खरी-खोटी सुनाने से भी बाज नहीं आ रहे। इतना ही नहीं देर रात एक मरीज को ड्यूटी में तैनात डॉक्टर व स्टाफ ने इमरजेंसी से बाहर निकाल दिया। मरीज को पूरी उसका टेस्ट भी कराया गया। रात बाहर गुजारनी पड़ी। इस मामले में मरीज ने डिप्टी सुपरिटेंडेंट (डीएस) के पास शिकायत दर्ज कराई है। डीएस डॉ. बिमलेश सिंह ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हुए

अपर बाजार के रहने वाले संजय कुमार को सिर में तेज दर्द और बुखार के बाद सदर इमरजेंसी में एंडमिट कराया गया। जहां उसका ड्यूटी में तैनात डॉक्टरों ने इलाज करने के बाद बेड पर शिफ्ट किया थोडी देर बाद डॉक्टर ने उसे स्टेबल बताया, जबिक स्टाफ ने उसे बेड खाली करने को कहा। साथ ही कह कि कही और जाकर आराम करें। सुबह तक वह इमरजेंसी के बाहर पड़ा परिजनों ने इसकी शिकायत की तो मरीज को डॉक्टरों ने देखा और

यह भी की गई है कंप्लेन

मरीज के साथ आए अटेंडेंट ने बताया कि हाउस कीपिंग का स्टाफ मरीजों का रजिस्ट्रेशन कर रहा था। वहीं ड्यूटी में तैनात डॉक्टर व स्टाफ ने आई कार्ड भी नहीं लगाय था, ताकि उनकी पहचान हो सके। इसपर डीएस ने सभी को आई कार्ड लगाने का आदेश दिया है। वहीं सिविल सर्जन डॉ . प्रभात कुमार ने गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि इसकी जांच कराएंगे।

ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते एक युवती समेत चार तस्करों को पुलिस ने खदेड़कर दबोचा

शुक्रवार को रांची जिले के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस उप-महानिरीक्षक सह वरीय पुलिस अधीक्षक को प्राप्त सूचना के बाद एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें नगर पुलिस अधीक्षक और कोतवाली डीएसपी के नेतत्व में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान बिडला मैदान क्षेत्र में दो संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे। जिन्हें पलिस ने खदेडकर पकड

लिया। गिरफ्तार किए गए



पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत दोनों की विधिवत तलाशी ली गई, जिसमें विशाल के पास से 1.63 ग्राम ब्राउन शुगर जैसी सामग्री और एक सेलकोर कंपनी का मोबाइल बरामद हुआ। वहीं, आरिफ के पास से 1.23 ग्राम ब्राउन शुगर, एक रियलमी और एक एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन, तथा एक यामाहा एफजेड एस मोटरसाइकिल जब्त की गई। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ब्राउन शुगर सासाराम से लाकर रांची के विभिन्न इलाकों जैसे हिन्दपीढ़ी, हरमू, मधुकम और विधानगर में बेचते हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर सुखदेवनगर थाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ए)/22 और भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 111(2)(बी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

अभियुक्तों की पहचान विशाल आरिफ इकबाल के रूप में हुई है। एक युवक और युवती को ब्राउन मित्तल उर्फ हेमन्त मित्तल और वहीं पुरानी रांची से भी पुलिस ने शुगर के साथ गिरफ्तार किया है।

मख्यमंत्री हेमंत सोरेन से दो मेजर जनरल ने की मलाकात

संबंधित डॉक्टर व स्टाफ से

पूछताछ करने का निर्देश दिया

है। साथ ही ये भी कहा कि

डॉक्टर हो या स्टाफ सभी मरीजों

के साथ ढंग से पेश आए।

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में दो मेजर जनरल ने मुलाकात की। मेजर जनरल अरुण राजेश मोगे (विशिष्ट सेवा मेंडल) ईस्टर्न कमांड हेडक्वार्टर- सह-डरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता कमिटी के वाइस चेयरमैन और मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर (विशिष्ट सेवा मेडल) जीओसी –23 इन्फेंट्री डिवीजन ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मेजर जनरल ने मुख्यमंत्री को जमशेदपुर में जुलाई में आयोजित होने वाले डूरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया।

PHOTON NEWS RANCHI:

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और

नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने

शुक्रवार को राज्य सरकार पर

जमकर निशाना साधा है। उन्होंने

कहा कि राज्य की ऐसी सारी

संवैधानिक संस्थाएं जो राज्य

सरकार के काम काज,

गड़बड़ियों, भ्रष्टाचार पर नजर

रखती है, जनता की शिकायत

पर सुनवाई और कार्रवाई करती

है उन्हें राज्य सरकार ने पंगु

मरांडी शुक्रवार को प्रदेश

कार्यालय में प्रेसवार्ता को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने

कहा कि राज्य में लोकायुक्त,

महिला आयोग, सूचना आयोग,

उपभोक्ता फोरम जैसी महत्वपूर्ण

संवैधानिक संस्थाओं में वर्षों से

अध्यक्ष- सदस्य के पद खाली

हैं। कहीं अध्यक्ष हैं तो सदस्य

नहीं, कही न अध्यक्ष हैं न

सदस्य। संस्थान सिर्फ नाममात्र

का रह गया है। ये संवैधानिक

संस्थाएं जनता को न्याय दिलाने

में सहायक होती हैं, सरकार को

पारदर्शी और जवाबदेह बनाती

है। लेकिन इनका पंगु रहना

लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर

राज्य सरकार नेता प्रतिपक्ष नहीं

होने का बहाना बनाती थी

जबिक सच्चाई है कि भाजपा

ने समय पर नेता चुनकर दिया

बनाकर रखा है।

जान-बुझकर हेमंत सरकार ने

राज्य में सवैधानिक संस्थाओं को

बना रखा है पंगु : बाबूलाल मरांडी

रखण्ड प्रदेश

सुहागिन महिलाएं 26 को करेंगी वट सावित्री का व्रत

RANCHI: राज्य भर में सुहागिन महिलाएं 26 मई को सावित्री पर्व का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। यह पर्व हर की चतुर्दशी अमावस्या तिथि मनाया जाता है। इस बार कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी अमावस्या की तिथि 26 मई को 12 बजकर 11 मिनट से शुरू होगी और बजकर 31 मिनट पर तिथि को विवाहित महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, जो पति की लंबी उम्र और सुखमय

वट सावित्री का व्रत करेंगी। वट वर्ष के ज्येष्ठ महीने के कृष्ण पक्ष अगले दिन 27 मई को सुबह 8 समाप्त होगी। इसी दिन सोमवती अमावस्या भी मनाई जाएगी। वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति में दांपत्य जीवन की कामना से जुड़ा हुआ है।

रक्तदाताओं को रिफ्रेशमेंट के साथ रिम्स में पेयजल संकट को लेकर निदेशक ने अब मिलेगी पानी की एक बोतल

सदर अस्पताल के ब्लंड बैंक द्वारा रक्तदाताओं को दी जाने वाली रिफ्रेशमेंट राशि में राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा बदलाव किया है। अब रक्तदान के बाद मिलने वाली राशि 25 रुपये से बढाकर 50 रुपये कर दी गई है। इस निर्णय का स्वागत रक्तदाताओं और रक्तदान से जुड़ी संस्थाओं ने गर्मजोशी से किया है। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि यह बदलाव रक्तदाताओं के अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पहले 25 रुपये की राशि में केवल एक फ्रूटी, केक

और चॉकलेट दिया जाता थी,

की व्यवस्था संभव नहीं हो पाती थी. जबकि रक्तदान के बाद शरीर को हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी होता है। अब 50 रुपये की नई व्यवस्था में न केवल बेहतर गुणवत्ता का रिफ्रेशमेंट दिया जा सकेगा, बल्कि एक लीटर पानी की बोतल भी शामिल की जाएगी। इससे न केवल रक्तदाताओं की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि शिविरों में भाग लेने का अनुभव भी बेहतर होगा। लाइफ सेवर्स संस्था के संस्थापक अतुल गेरा ने इस फैसले के लिए राज्य सरकार, स्वास्थ्य विभाग और सिविल सर्जन को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह छोटा लेकिन प्रभावशाली

किया निरीक्षण, लगेंगे ११ नए वाटर प्यूरीफायर

शुक्रवार को रिम्स में मरीजों को हो रही पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल प्रशासन और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विशेष रूप से खराब पड़े वाटर प्यूरीफायर को जल्द से जल्द दुरुस्त करने और जहां आवश्यक हो वहां नए वाटर प्यूरीफायर इंस्टॉल करने के निर्देश दिए गए। डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट-2 सह जनसंपर्क अधिकारी डॉ राजीव रंजन ने बताया कि रिम्स में पानी की समस्या से इनकार नहीं किया जा



सकता। इसे ध्यान में रखते हुए प्रबंधन ने ओपीडी कॉम्प्लेक्स, मेडिसिन ओपीडी, गायनी ओपीडी, न्यू ट्रॉमा सेंटर, सेंट्रल इमरजेंसी,

स्पेशियलिटी ब्लॉक (कार्डियोलॉजी) समेत विभिन्न स्थानों पर कुल 11 वाटर प्यूरीफायर लगाने का निर्णय लिया है। इनमें से कुछ इंस्टॉल किए जा चुके हैं, जबिक शेष कार्य प्रगति

पर है। प्यरीफायर की होगी निगरानी : डॉ. राजकुमार ने यह भी बताया कि कुछ असामाजिक तत्व वाटर प्यूरीफायर के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं, जिससे मरीजों को परेशानी हो रही है। इस पर रोक लगाने के लिए सख्त निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की बात कही गई है। साथ ही पीएचईडी विभाग को भी त्वरित कार्यवाही के लिए

रानी अहिल्या होलकर की जयंती मनाने के लिए

निर्देशित किया गया है।



RANCHI: भाजपा रांची महानगर अंतर्गत सुखदेव नगर मंडल दक्षिणी भाग के अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा के नेतृत्व में दक्षिणी मंडल के 12 शक्ति केंद्र पर लोकमाता रानी अहिल्या होलकर की 300 वी जयंती 31 मई को कार्निवल विकेट्स हाल मे मनाई जाएगी। उसने लेकर शुक्रवार को बैठक हुई। मुख्य अतिथि रांची के विधायक सीपी सिंह जी ने लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर जी की जीवनी पर विस्तृत जानकारी साझा की। साथ में रांची महानगर के वरीय उपाध्यक्ष राजू सिंह, संकेत तिवारी, चंद्रकांत मणि तिवारी और रवि कुमार वह अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड की धोती साड़ी योजना चढ़ गई भ्रष्टाचार की भेंट

RANCHI: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने

झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को लिखा कि झारखंड सरकार ने गरीबों को 10 रुपये में धोती–साड़ी देने की योजना बनायी थी, लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार इसे गरीबों तक पहुंचाने के बजाय दलालों के माध्यम से खुले बाजार में बेच रही है। बाबूलाल ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन ने इस योजना को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया और जनता को भ्रमित किया, लेकिन असलियत में सरकारी बजट से खरीदे गए कपड़े खुले बाजार में बेचकर अपनी जेबें भर रही हैं। उन्होंने बताया कि इन धोती-साड़ियों पर साफ लिखा है कि यह धोती विशेष रूप से झारखंड सरकार के लिए बनी है और यह बेचने के लिए नहीं है। बावजूद इसके यह खुलेआम बाजार में मिल रही हैं। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे अपने 'दिहाड़ी डीजीपी' को निर्देश दें ताकि एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) तुरंत भ्रष्टाचार में शामिल छोटे-मोटे बिचौलियों की गिरफ्तारी करे।

है। पिछले टर्म में दो बार नेता का चयन किया गया लेकिन परिणाम शून्य रहा।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस प्रवक्ताओं की कार्यशाला में कहा-

जनसंख्या आधारित परिसीमन से घट जाएंगी आरक्षित सीटें

कांग्रेस प्रवक्ताओं की कार्यशाला में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जनसंख्या आधारित परिसीमन को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यशाला में उन्होंने कहा कि अगर पांचवीं अनुसूची वाले राज्यों में आरक्षित सीटों के निर्धारण का आधार जनसंख्या को बनाया गया, तो इससे आदिवासी समाज को आरक्षण में नुकसान होगा। वहीं उनके राजनीतिक अधिकारों में कटौती होगी।

शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड जैसे राज्यों में समय के साथ बाहरी लोगों की आबादी बढ़ी है, जबिक आदिवासी समाज



की जनसंख्या स्थिर रही है या घटी संरक्षण को गहरी चोट पहुंचेगी। है। ऐसे में परिसीमन का आधार

चुनौतियों को लेकर हुई चर्चा जनसंख्या बनने से अनुसूचित इस कार्यशाला में जातिगत जनजातियों के लिए सुरक्षित सीटों जनगणना से देश के आदिवासी की संख्या घट सकती है, जिससे समाज पर पड़ने वाले प्रभाव, उनके सामाजिक और राजनीतिक चुनौती और समाधान विषय पर

सामाजिक एकता को पहुंचेगा नुकसान तिर्की ने इस बात पर बल दिया कि आदिवासी समाज की कोई जातीय

व्यवस्था नहीं रही है और जनगणना में उनकी पहचान को मूल और एकीकृत रूप में ही दर्ज किया जाना चाहिए। उप–वर्गों में बांटने से उनकी सांस्कृतिक और सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने यह भी मांग की कि जनगणना में सरना धर्म के लिए अलग कॉलम दिया जाए, जिससे आदिवासियों की धार्मिक पहचान को मान्यता मिल सके। शिल्पी तिर्की ने यह भी कहा कि आदिवासी समाज केवल सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बिल्क दिल और आत्मा से भी एकजुट है, चाहे वह झारखंड हो, मणिपुर, ओडिशा या छत्तीसगढ़। देश के किसी भी हिस्से में आदिवासी समुदाय पर हमला पूरे देश के आदिवासी समाज की पीड़ा बन जाती है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी विशेष संबोधन दिया। शिल्पी तिर्की ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस जातीय जनगणना को सामाजिक न्याय के औजार के

चर्चा की गई। इस अवसर पर रूप में देखती है और इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। जबकि केंद्र की भाजपा सरकार और संघ इस को उलझाने और आदिवासी समाज को विभाजित

मृतकों के परिजनों को दी गई आर्थिक सहायता

JAMSHEDPUR: साकची कोर्ट गोलचक्कर के समीप 11 मई को एक



घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही भाजयुमों के जिला अध्यक्ष नितीश कुशवाहा ने संज्ञान लिया और पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए प्रयास शुरू किए। शुक्रवार को

भाजपा के जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, भाजयुमो जिला अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा तथा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री सोनू ठाकुर के संयुक्त प्रयास से मृतक मोहित सोरेन की दो पित्रयों को 50,000 व 65,000 और सुबेदार प्रसाद के परिजनों को 1,00,000 की राहत राशि दी गई।

अरुणाचल की टीम ने किया पाथरा पंचायत का भ्रमण



पूर्वी सिंहभूम जिले के सुपोषित ग्राम पंचायत-पाथरा, बहरागोड़ा प्रखंड के

किया। टीम के सदस्यों ने आंगनबाड़ी केंद्रों में वृद्धि निगरानी सत्यापन, केंद्रों की आधारभूत संरचना का सत्यापन, खाद्य विविधता एवं केंद्र में साफ-सफाई का अवलोकन किया। इस मौके पर अरुणाचल प्रदेश के आईसीडीएस की डिप्टी डायरेक्टर चादन तांगबेज, स्टेट को-ऑर्डिनेटर अमित कमार सिंह, कंसल्टेंट सशील कमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संध्या रानी, अंचल अधिकारी राजाराम सिंह मंडा, पाथरा पंचायत की मुखिया राधी मुर्मू, पंचायत समिति सदस्य गौतम कुमार मन्ना व महिला पर्यवेक्षिका भी उपस्थित थीं।

जमशेदपुर के रंगमंच को हावडा में मिला सम्मान

JAMSHEDPUR: हावड़ा के रामराजतला स्थित बानी निकेतन में गत फेस्टिवल का आयोजन द्वारा निकेतन हॉल, हावड़ा में देश

प्रस्तुतियां मंचित की गईं। इसमें जमशेदपुर की संस्था कलाकृति नाट्य मंच की प्रस्तुति म्युजियम ऑफ स्पीशीज इन डेंजर को निर्णायकों ने तीन महत्त्वपूर्ण श्रेणियों में पुरस्कृत किया। इनमें सर्वश्रेष्ठ पार्श्व संगीत के लिए नीतीश राय, लक्ष्मीकांत फिल्म्स एंड म्यूज़िक प्रा. लि. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पूजा मुखी और सर्वश्रेष्ठ नाटक का (द्वितीय पुरस्कार) को मिला, जिसका निर्देशन प्रिया यादव ने किया। एक संग्रहालय की अवधारणा पर आधारित इस नाटक में समाज की वे स्त्रियां लुप्तप्राय प्रजातियों के रूप में प्रस्तुत की गईं, जिन्हें पीढ़ियों से दबाया, कुचला और भुलाया गया।

जिला कांग्रेस कार्यालय में बनाई जा रही दुकानें, शिकायत

JAMSHEDPUR: बिष्टुपुर रिटेल शॉप कीपर्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को



उपायुक्त अनन्य मित्तल को ज्ञापन सौंपा, जिसमें शिकायत की गई है कि बिष्टुपुर में जिला कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) सड़क और पार्किंग एरिया की ओर

दुकानें बनाई जा रही हैं, जो अनाधिकृत है। उपायुक्त से आग्रह किया गया कि इसे संज्ञान में लेकर यथोचित कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में विपिन आडेसरा, सुरेश सोंथालिया व भरत वसानी शामिल थे।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली कल

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से 25 मई को दोपहर 3 बजे साकची में पोस्टऑफिस के

हुई, जिसमें जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दबे ने कहा कि जिलास्तरीय संविधान बचाओ रैली को मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी के. राजू के अलावा सहप्रभारी सिरीबेला प्रसाद, सांसद गुरमीत सिंह सप्पल, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री राधाकृष्णन किशोर, विधायक राजेश कच्छप, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्यसभा के पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बलमुचू व पूर्व प्रदेश

अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार भी संबोधित करेंगे। रोजगार मेला में 64 उम्मीदवार किए गए शॉटेलिस्ट



खरसावां के सौजन्य से राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, गम्हरिया में 22 और 23 मई को जिला नियोजनालय परिसर में रोजगार शिविर लगा था। इसमें विभिन्न पदों पर 64 उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट किए गए। जिला

नियोजन पदाधिकारी आलोक कुमार टोपनो ने बताया कि शिविर में रामकृष्णा फोर्जिंगस लिमिटेड, फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड, टैलेंटनेक्सा प्राइवेट लिमिटेड एवं युवा शक्ति फाउंडेशन के अधिकारियों ने साक्षात्कार के माध्यम से रिलेशनशिप ऑफिसर, ट्रेनी, वेल्डर, मशीन ऑपरेटर, प्रोडक्शन असिस्टेंट व डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए चयन किया।

पड़ोसी ने जमीन विवाद में 12 साल के बच्चे की गला रेतकर की हत्या

चाईबासा में घटना के बाद बढ़ा तनाव, आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA:

पश्चिमी सिंहभूम जिले में जमीन विवाद के कारण पड़ोसी ने 12 साल के बच्चे की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। यह घटना मुफस्सिल थाना अंतर्गत जुगीदार गांव की है। इस घटना से गांव में तनाव है। मृतक की पहचान जुगीदारु गांव निवासी सिकुर बानसिंह के 12 वर्षीय पुत्र अर्जुन बानसिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि सिकुर बानसिंह का अपने पड़ोसी चंद्रमोहन बानसिंह के परिवार से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस जमीन को लेकर दोनों पक्ष में कई बार विवाद हुआ है। मृतक के पिता सिकुर बानसिंह ने बताया कि गरुवार शाम पत्नी के साथ बड़ालगिया हाट में समान खरीदने गया था। घर में



पोस्टमॉर्टम हाउस में बैठे मृतक के परिजन व गिरफ्त में आरोपी

बानसिंह और भाई अर्जुन बानसिंह था। इसी दौरान आरोपी चंद्रमोहन बानसिंह चाकू लेकर घर में घुसा और बेटे अर्जुन की गला रेतकर हत्या कर दी। इधर घटना के बाद से आरोपी फरार है। जब वह घर आया तो देखा कि उसका बेटा लहूलुहान पड़ा हुआ है। मृतक के पिता के बयान पर मामला दर्ज करके पुलिस पुरे मामले की जांच-

पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जुगीदारु गांव निवासी चंद्रमोहन बानसिंह को हिरासत में ले लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया हुआ चाक भी बरामद कर लिया।

पुलिस ने शांत कराया बवाल हत्या की सचना मिलते ही

पुलिस अवर निरीक्षक मिथुन कुमार, यदुनंदन महतो ,दशरथ टुडू सहित पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। फिर, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

• फोटोन न्यूज

'एक देश, एक चुनाव' पर संगोष्टी आज

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन सभागार में शनिवार को 'एक देश, एक चुनाव' विषय पर संगोष्ठी होगी। सांसद बिद्युत बरण महूतो के नेतृत्व में होने वाली संगोष्ठी की शरूआत शाम ४.३० बजे होगी। सँगोष्ठी में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। सांसद की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि इस संगोष्टी का उद्देश्य 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा पर व्यापक विचार-विमर्श करना और इसके महत्व, चुनौतियों और संभावनाओं पर व्यापक चर्चा करना है। इस आयोजन में शामिल होने के लिए शहर के सभी सामाजिक संगढन गैर-सरकारी संगढन (एनजीओ) अधिवक्ता संघ, विभिन्न व्यवसायी संघ और प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया गया है। संगोष्ठी को लेकर भाजपा जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष समेत विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय हैं। सांसद ने शहर के सभी प्रबुद्धजनों, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों से इस संगोष्ठी में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' समय और

संसाधनों की बचत करने के साथ देश

करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

की शासन व्यवस्था को और सुदृढ़

दुष्कर्म के आरोपी को हुई 12 वर्ष की सजा

CHAIBASA: नाबालिंग के साथ दुष्कर्म करने के एक मामले की सुनवाई करते हुए द्वितीय अपर जिला

पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी मानसिंह पुरती उर्फ पानटुंस (पिता स्व मागेया मानसिंह) गांव बांसपाई, थाना जगन्नाथपुर

को 12 वर्ष की सजा सुनाई है। आरोपी को एक मामले में 12 और दूसरे मामले में 7 साल सश्रम साथ ही २० और १० हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया.गया है। को बहला-फुसला कर ले गया। उसके साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी कि किसी को बताया तो जान से मार देंगे। इसके बावजूद उसने परिजनों को घटना की

JAMSHEDPUR : उपायुक्त के व्यवहार न्यायालय में शुक्रवार को बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना पर सुनवाई पूरी हो गई। अब अगली तारीख पर फैसला सुनाया जाएगा। इस मामले में सुबोध झा ने झारखंड हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने आदेश देते हुए मात्र 30 दिनों के अंदर उपायक्त के व्यवहार न्यायालय को कार्रवाई कर रिपोर्ट सबमिट करने को कहा था। हाई कोर्ट के आदेश पर स्वच्छ पेयजल पिलाने के लिए नए फिल्टर प्लांट के नव निर्माण के लिए, जल जीवन मिशन भारत सरकार के तहत झारखंड सरकार को एक करोड़ 88 लाख 69,710 रुपये का फंड स्वीकृत हुआ था। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता ने फिल्टर

बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी

जलापूर्ति योजना मामले

की सुनवाई हुई पुरी

कारावास की सजा सुनाई है। इसके प्लांट का निर्माण कार्य 15 महीने में पूरा कर 26 जुलाई 2024 से जानकारी के अनुसार, आरोपी ने 27 स्वच्छ पेयजल पीने योग्य पानी मई 2021 को एक नाबालिग लडकी बागबेडा हाउसिंग कॉलोनी के 1140 घरों को उपलब्ध कराने के लिए न्यायालय में अपनी रिपोर्ट सबमिट की थी, जो आज तक पूरा नहीं हुआ। आज भी फिल्टर प्लांट जानकारी दे दी। का कम आधा अधरा है।

चाईबासा में मुख्यमंत्री व टीएसी मेंबरों का किया गया पुतला दहन



विरोध प्रदर्शन करते आदिवासी संगठनों के सदस्य

CHAIBASA: झारखंड सरकार के ग्रामीण इलाकों में शराब बिक्री नीति और ईचा खरकाई बांध निर्माण के फैसले पर ईचा खरकाई बांध विरोधी संघ और आदिवासी सामाजिक संगठनों में उबाल देखने को मिल रहा है। दोनों सामाजिक संगठनों ने जनजातीय परामर्शदात्री परिषद अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेंन, मंत्री दीपक विरूबा, मंत्री चमरा लिंडा, सांसद जोबा मांझी, विधायक निरल पूर्ति सहित टीएसी मेंबरों का पुतला दहन किया। दोनों संगठनों ने पुतला दहन के दौरान झारखंड सरकार होश में आओ और हेमंत सोरेन मुदार्बाद के नारे भी लगाए। संगठन के प्रमुख सुरेश सोय ने कहा कि मुख्यमंत्री के फैसले का कोल्हान वासी पुरजोर विरोध करते हैं। हेमंत सोरेन संथाल परगना या छोटा नागपुर का मूल निवासी नहीं हैं। संथाली मुख्यमंत्री सीएनटी में संशोधन कर कोल्हान में संथाल की संख्या बढ़ाना चाहते हैं। शराब नीति से पश्चिमी सिंहभूम बर्बाद हो जाएगा। अपराध बढेंगे। ग्रामीण आदिवासियों का विकास रुक जाएगा।

घाटशिला में निकली तिरंगा यात्रा सेना के सम्मान में खूब लगे नारे

ऑपरेशन सिंदर की सफलता पर

शुक्रवार को भाजपा कार्यकताओं ने तिरंगा यात्रा निकाला, जिसमें सेना के सम्मान में खूब नारे लगाए गए। भाजपा-ग्रामीण के जिला अध्यक्ष चंडीचरण साव के नेतृत्व में निकली यात्रा गोपालपुर फाटक से शुरू होकर घाटशिला मुख्य पथ होते हुए राम मंदिर तक गई। इस भाजपाई पाकिस्तान मुदार्बाद, आतंकवाद मुदार्बाद, नरेंद्र मोदी जिदांबाद... के नारे लगाते हुए हाथ में नारे लिखे तख्ती लेकर चल रहे थे। कार्यक्रम में सांसद बिद्युत बरण महतो भी शामिल हुए। सांसद ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पनाहगार बन गया है, उसी के इशारे पर पहलगाम में हमारे निर्दोश



हत्या की गई। लेकिन इसके बाद हमारे वीर सैनिकों ने जिस प्रकार पाकिस्तान में घुसकर उसके आतंकी ठिकानों को तबाह किया, उसे पाकिस्तान के साथ साथ कभी आतंकी संगठन भी भूल

इस मौके पर भाजपा नेता बाबुलाल सोरेन, लखन मार्डी, गीता मुर्मू, मनोज प्रताप सिंह, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू,

मईयां योजना की राशि के लिए

महिलाएं पहुंचीं प्रखंड मुख्यालय

GHATSILA: पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत

आसना पंचायत के रावताड़ा गांव के झाड़बेड़ा टोला की दर्जनों महिलाएं

शुक्रवार को 25 किलोमीटर की दूर तय कर घाटशिला प्रखंड मुख्यालय

पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री मुईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली

सहायता राशि लंबे समय से नहीं मिलने की शिकायत करते हुए बीडीओ

के नाम ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने बताया कि प्रारंभ में योजना की राशि

दो बार प्राप्त हुई थी, लेकिन उसके बाद से राशि नहीं मिली। कहा कि

वर्तमान में जो सूची बनी है, उसमें उनका नाम भी नहीं हैं। इसे लेकर

महिलाओं ने नाराजगी जताई और नाम जोड़ने की मांग की. महिलाओं ने

कांग्रेस प्रखंड कमेटी घाटशिला के कार्यकारी अध्यक्ष बुढान मुर्मू नेतृत्व

में बीडीओ की अनुपस्थिति में कार्यालय के प्रधान सहायक को ज्ञापन

सौंपा। मौके पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव तापस चटर्जी, राजन बजराय,

सुकुलमुनी मुर्मू, पानमुनी हेंब्रम समेत कई महिलाएं उपस्थित थीं।

प्रखंड कार्यालय में विरोध जताने पहुंचीं महिलाएं

सत्या तिवारी, हराधन सिंह, राहुल पांडेय, सुजन मान्ना, कमल किशोर प्रसाद, शिवरतन अग्रवाल, कृष्ण शर्मा, सिद्धार्थ राय, कौशिक कुमार, मंटू प्रजापति, अमरजीत शर्मा, सुबोध सिंह, हेमंत नारायण देव. अनुप दास, संजय महाकुड, श्रुति देवगम, विवेक महापात्र, पिंटू साब, साकेत अग्रवाल, सुखेंद्र दास सहित काफी संख्या में आम नागरिक भी शामिल थे।

आरटीआई कार्यकर्ता को धमकी देने से आक्रोश



JAMSHEDPUR : आरटीआई कार्यकर्ता संघ की उच्चस्तरीय बैठक शुक्रवार को संघ के उपाध्यक्ष सदन कुमार टाकुर की अध्यक्षता में हुई। साकची के पुराना कोर्ट परिसर स्थित बाल मजदूर सेवा संस्थान के कार्यालय में हुई बैठक में संघ के केंद्रीय महासचिव कृतिवास मंडल को फोन पर धमकी देने और प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से आक्रोश व्यक्त किया गया। ठाकुर ने कहा कि इस मामले में पोटका प्रखंड कार्यालय की संलिप्तता की जांच भी की जानी चाहिए, क्योंकि धमकी देने वाले ने पोटका प्रखंड से मांगी गई सूचना का जिक्र किया है। तय हुआ कि 27 मई को संघ का प्रतिनिधमंडल डीसी व एसएसपी से मिलेगा। बैठक में संघ के उपाध्यक्ष सह झारखंड मानव अधिकार संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार किनू, सचिव दिनेश कर्मकार, फौजी सत्येंद्र सिंह व कोषाध्यक्ष ऋषेंदु केशरी भी

छह सूत्री मांग को लेकर पूर्व सैनिक ने एसडीओ ऑफिस पर शुरू किया अनशन

धार्मिक स्थल पर प्रतिबंधित मांस फेंकने के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

PHOTON NEWS GHATSILA: धार्मिक स्थल में प्रतिबंधित पदार्थ फेकने के आरोपी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने समेत अन्य 6 सूत्री मांग को लेकर शुक्रवार को बीएसएफ के सेवानिवृत्त जवान सह जिला सर्तकता एवं निगरानी समिति के सदस्य बिमल सिंह मुंडा ने अनुमंडल कार्यालय के समक्ष अनशन शुरू किया है। बिमल सिंह मुंडा ने कहा कि धालभूमगढ़ के नरसिंहगढ़ में धार्मिक स्थल पर असामाजिक तत्वों द्वारा दो-दो बार प्रतिबंधित मांस फेंककर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया था। इस दौरान जमकर बवाल भी हुआ। लोगों के आक्रोश को कम करने के लिए प्रशासनिक अधिकारी ने 48 घंटा के अंदर दोषियों को पकड़ने का



अनुमंडल कार्यालय के बाहर धरना पर बैठे पूर्व सैनिक

आश्वासन दिया था, लेकिन घटना के एक साल बाद भी एक भी अपराधी को पलिस पकड नही पाई। उनकी अन्य मांगों में मह्लीशोल पंचायत अंतर्गत विहिन्दा गांव निवासी समाय मुर्मू ने जमीन ऑनलाइन एंट्री कराने के लिए छह साल पहले आवेदन दिया था. लेकिन आज तक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि बैंक में विथड्रॉल व डिपोजिट फार्म पर

हस्ताक्षर कराना बंद किया जाए. बैंक से लाभुकों का पैसा अपने आप निकासी हो रहा है, उसे बंद किया जाए। बुजुर्गों को हर माह पेंशन का नियमित भुगतान किया जाए। इन सभी मांगों को प्रशासन जब तक पूरा नहीं करेगा, उनका अनशन जारी रहेगा। अनशन स्थल पर पूजा-अर्चना करने के बाद तीर-धनुष लेकर वह अनशन पर बैठे हैं।

केयू की लापरवाही वर्ड 2024 में शुरू होनी थी दाखिले की प्रक्रिया, लेकिन 2025 में भी विवि नहीं घोषित कर सका एडमिशन की तिथि

कोल्हान के लॉ कॉलेज में एक साल बाद भी नहीं शुरू हुई एडमिशन प्रक्रिया

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में एलएलबी कोर्स के एडिमशन का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। सत्र 2024-27 का एक साल बीत चुका है। अब तक कोल्हान विश्वविद्यालय ने एडमिशन प्रक्रिया शुरू नहीं की है। पहले बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता मिलने में देर हुई। बीसीआई ने 4 फरवरी को मान्यता दे दी थी। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने कोल्हान विश्वविद्यालय को चार बार पत्र भेजा। हर बार एडमिशन प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई। अब बीसीआई की मान्यता मिलने के बाद भी विश्वविद्यालय चुप है। न एडिमशन की तारीख घोषित की गई, ना कोई नोटिफिकेशन जारी हुआ। एलएलबी में दाखिला प्रवेश



परीक्षा के जरिए होता है। यह परीक्षा कोल्हान विश्वविद्यालय ही लेता है। ऐसे में एडिमशन की पूरी प्रक्रिया उसी के जिम्मे है। परीक्षा विभाग कोई फैसला नहीं ले रहा। इससे छात्र परेशान हैं। पहले ही सत्र 2024-27 करीब एक साल लेट हो चुका है। अब और देरी से छात्रों का भविष्य खराब होगा। वहीं विवि की लापरवाही की वजह से यह झारखंड का ऐसा पहला कॉलेज बन गया है, जहां किसी कोर्स के एडिमशन में इतनी देरी हो

तीन साल का कोर्स पूरा करने में लग रहे पांच साल

• फोटोन न्यूज

कोल्हान युनिवर्सिटी के तहत संचालित एलएलबी कोर्स में इस बार एडिमशन प्राक्रिया एक साल से ज्यादा की देरी से चल रही है। पिछले तीन सत्रों से दाखिले में 6 से 8 महीने की देरी हो रही थी। लेकिन इस बार अब तक नामांकन शुरू नहीं हो सका है। अगर विवि इस महीने प्रक्रिया शुरू भी करता है, तो एडिमशन पूरा होने में जुलाई से अगस्त तक का समय लग जाएगा। समय पर सत्र चलता तो दाखिला जून-जुलाई 2024 में पूरा हो जाना चाहिए था। अब जो छात्र इस सत्र में दाखिला लेंगे, उनका सत्र एक साल की देरी से शुरू होगा। इसी तरह देरी होती रही तो तीन साल का एलएलबी कोर्स पूरा करने में छात्रों को 5 साल लग सकते हैं। को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज कोल्हान का एकमात्र सरकारी कॉलेज है, जहां लॉ की पढ़ाई होती है। यहां एलएलबी की कुल 120 सीटें हैं। फीस कम होने के कारण हर साल सैकड़ों छात्र प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं।

कॉलेज ने पांच बार लिखा पत्र, हर बार मिला आश्वासन

को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज ने एलएलबी में दाखिले के लिए कोल्हान यनिवर्सिटी को अब तक पांच बार पत्र लिखा है। हर बार यूनिवर्सिटी ने जिल्द एडिमशन प्रक्रिया शुरू करने की बात कही। लेकिन अब तक आवेदन फॉर्म भरने की तारीख घोषित नहीं की गई है। यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अजय कुमार चौधरी ने कहा कि प्रवेश परीक्षा की तैयारी चल रही है। जल्द ही नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया से एफिलिएशन मिलने में देरी हुई। इसी कारण एडमिशन प्रक्रिया में देर हो रही है। डॉ . चौधरी ने कहा कि किसी भी परीक्षा के आयोजन के लिए पहले से तैयारी जरूरी होती है। एलएलबी प्रवेश परीक्षा की तैयारी अंतिम चरण में है।

लॉ कॉलेज में एडमिशन के लिए हमने कोल्हान विवि के परीक्षा विभाग को कई बार पत्र लिखा है। प्रवेश परीक्षा विवि की ओर से ही आयोजित की जाती है। ऐसे में एडमिशन का नोटिफिकेशन भी केयू ही जारी करेगा। हम अपने स्तर से जल्द से जल्द प्रक्रिया शरू करने की मांग कर सकते हैं और वह लगातार कर रहे हैं। अब देखना है कि विवि प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि कब घोषित

– डॉ. जितेंद्र कुमार, प्रिंसिपल, को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज

बिना किसी वजह के एडिमशन में इतनी देरी करना एक अपराध है। इससे कॉलेज की साख को नकसान होता है, क्योंकि कोई भी छात्र ऐसे कॉलेज में दाखिला नहीं लेना चाहेगा, जहां एडमिशन से लेकर सत्र तक लेट हो। लेकिन को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में पिछले तीन-चार साल से ऐसा हो रहा है। यही वजह है कि एक समय इस कॉलेज में एडमिशन के लिए मारामारी होती थी। अब वही छात्र दाखिला लेने आते हैं. जिनका कहीं एडमिशन नहीं होता है या वे बाहर एडमिशन नहीं

- अमर तिवारी, छात्र

चक्रधरपुर में दूसरे दिन भी चला अतिक्रमण हटाओ अभियान



दुकानों का छज्जा तोड़ता बुलडोजर

हटाओ अभियान चलाया। इस

दौरान सड़क के किनारे अस्थायी

दुकानों को हटाया गया, वहीं

सरकारी नाली का अतिक्रमण कर

निकाले गए छज्जों को भी

बुलडोजर से तोड़ा गया। बुलडोजर

बाटा रोड, पोस्टआफिस रोड,

• फोटोन न्यूज **CHAKRADHARPUR**

राजबाड़ी रोड, कपड़ा पट्टी, पुराना चक्रधरपुर में सड़क सीमांकन को लेकर नगर परिषद ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी अतिक्रमण

रांची रोड में चला। अभियान के दूसरे दिन शुक्रवार को पोड़ाहाट अनुमंडल के कार्यपालक दंडाधिकारी जितेंद्र गुप्ता की मौजूदगी कार्रवाई हुई। वहीं मौके पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल यादव, सिटी मैनेजर राहुल अभिषेक समेत काफी संख्या में नगर परिषद के कर्मी और पुलिस जवान मौजूद थे।



भारत सरकार द्वारा वर्ष २०२२ तक देश के किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। खाद्य के मूल्यों में अत्यधिक उतार - चढ़ाव, मौसमी और कम समय के लिए मूल्य वृद्धि और अनियमित मानसून को देखते हुए कृषि क्षेत्र में शामिल सभी हितधारकों के लिए एह एक कठिन चुनौती है। इसके बावजूद किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को अवश्य हासिल किया जा सकता है। खेत उत्पादकता में सुधार लाने, खेती की लागत को कम करने, अखिल भारतीय स्तर पर बाजार पहुँच को सुनिश्चित करने आदि की दिशा में सामूहिक प्रयास से इस लक्ष्य की प्राप्ति में काफी आंसानी हो सकती है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। की इस लक्ष्य को हासिल करने में कंदीय फसलों की मुख्य भूमिका होगी।



क्टाप्रसला से भरपूर अस्ति स्व

बागवानी से भरपूर आय

बागवानी क्षेत्रों में किसानों की आय को बढ़ाने की भरपूर क्षमता है। इसलिए पारंपरिक अनाजीय फसलों से उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बदलाव करने से से भारत में किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में व्यापक पैमाने पर योगदान किया जा सकेगा। बागवानी फसलों में भी विशेषत-कंदीय फसलें इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनमें अभूतपूर्व उच्च प्रति इकाई उत्पादकता पाई जाती है। हालाँकि एक सम्यक रीति में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उत्पादन क्लस्टरों को इनपुट के साथ - साथ उपभोक्ता बाजारों से अच्छी तरह से जोड़ने की जरूरत है यह संदेह से परे है कि कृषि इनपुट और उत्पादन से जुड़े सुक्ष्म - लघु - छोटे तथा माध्यम स्तरीय उद्यमों की स्थापना से ग्रामीण भारत की आजीविका सुरक्षा में प्रभावी तरीके से सुधार किया जा सकता है। कंदीय फसलें ग्राम स्तर पर ही ऐसे उद्यमों को स्थापित करने के भरपूर अवसर प्रदान करती हैं। कंदीय फसल अनुसंधान पर कहीं अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें शामिल है- गैर- पारंपरिक क्षेत्रों में इनकी खेती का विस्तार करना, कंदीय फसलों की पोषणिक एवं खाद्य सुरक्षा भूमिका का पूर्वानुमान करना, मूल्यवधित खाद्य, आहार एव औद्योगिक उत्पादों का विकास करके उपयोगिता संभावनाओं को बढ़ाना, अमंग आकलन रण नीतियाँ विकसित करना, नये बाजार विकल्पों की तलाश करना, औषधीय प्रभावों वाले हर्बल उत्पादों, जैव कीटनाशकों, प्राकृतिक खाद्य रंगों का विकास करना जैसे अल्प दोहित क्षेत्रों की खोज करना आदि। प्रौद्योगिकीय प्रगति का प्रभावी तरीके सेड प्रदर्शन और प्रसार करने. उत्पादकता में और सुधार करने और ग्रामीण जनसंख्या तक लाभ पहुँचाने के लिए इन फसलों की उपयोगिता संभावनाओं का खुलासा करने में काफी मदद मिल सकती है।

कंदीय फसलों में मूल्यवर्धन

उष्णकटिबंधीय कंदीय फसलों में न केवल खाद्य फसलों के रूप में महत्ता हासिल की है वरन इनकी आहार और कृषि आधारित उद्योगों में भी व्यापक संभावनाएं हैं। खाने - पीने की आदतों में तेजी से हो रह बदलाव और प्रति व्यक्ति आमदनी में अनुमानित बढ़ोतरी के साथ शहरी क्षेत्रों की ओर बढ़ते देशांतर से अगले 30 - 40 वर्षों में प्रसंस्करित और रेडी टू ईट (खाने के लिए तुरंत तैयार) सुविधाजनक खाद्य में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। उस परिदृश्य में कंदीय फसलों से रोग - निरोधी और चिकित्सीय कार्यशील खाद्य विकसित करने की व्यापक संभावना विद्यमान है।

आलू, कसावा, शकरकंद, जिमीकंद, कचालू, टेनिया, याम (रतालू), याम बीन, अरारोट आदि जैसी कंदीय फसलें स्टार्चयुक्त भंडारण अवयव के रूप में संशोधित जड़ अथवा तने के साथ पौधों का एक समूह बनाती हैं। इनमें कहीं अधिक जड़ें, घनकंद, राइजोम्स होते है और इनके कंदों की खुदाई आमतौर पर जमीन से नीचे की जाती है। ये फसलें अनाज एवं दाना फसली के उपरांत तीसरी सर्वाधिक महत्वपूर्ण खाद्य फसलें हैं और प्रति इकाई समय में प्रति इकाई क्षेत्रफल में उच्च शुष्क सामग्री उत्पादन के साथ खाद्य उत्पादक रूप में अपनी जैविक प्रभावशीलता के आधार पर ये फसलें अनूठी हैं। ऊर्जा उत्पादन में आलू सबसे आगे (216 मेगाजूल/हे./दिन) एवं इसके बाद क्रमशः रतालू (181 मेगाजूल/हे./दिन), शकरकंद (152 मेगाजूल/हे./दिन), तथा कसावा (121 मेगाजूल/हे./दिन) का स्थान है। कंदीय फसलें विश्व की 1/5 आबादी के लिए मुख्य अथवा सहायक खाद्य के



खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उपयोगी प्रौद्योगिकियां

ऐसे किसान जो आलू और अन्य कंदीय फसलों की खेती करते हैं, वे उपयुक्त फसल किस्म, आधुनिक उत्पादन एवं संरक्षण तकनीकें अथवा बचाव प्रौद्योगिकियों को अपनाकर अपनी फार्म आमदनी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। भाकृअनुप -केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम जैसे शोध संस्थानों द्वारा आलू और अन्य कंदीय फसलों की अधिक पैदवार देने वाली अनेक किस्में और प्रौद्योगिकियां विकसित की गई है। कुछ प्रौद्योगिकियां राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा भी विकसित की गई हैं और वे किसानों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। इन प्रौद्योगिकियों की पहुँच अभी बहुत सीमित हैं। इन्हें किसान समुदाय के बीच लोकप्रिय बनाये जाने की जरूरत है ताकि कंदीय फसलों में वर्तमान पैदावार अंतराल को कम किया जा सके। आलू और अन्य कंदीय फसलों की उत्पदकता को बढ़ाने के लिए यहाँ प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों पर जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री

अधिकांश कंदीय फसलों को तने के टूकड़ों अथवा कंद का उपयोग करके शाकीय रूप से प्रवर्धित किया जाता है। इसलिए बीज की गुणवत्ता को बनाये रखना विशेषकर इसे वायरस तथा अन्य रोगजनकों से मुक्त रखना बहुत आवश्यक होता है। भारत में आलू उत्पादकों के समक्ष गुणवत्ता आलू बीज की उपलब्धता अभी भी एक प्रमुख समस्या है। इसीलिए यह जरूरी है कि किसानों को सस्ते दामों पर अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों की आपूर्ति की जाये। किसान स्वयं भी भाकृअनुप - केंद्रीय फसल अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा विकसित की गई बीज प्लाट तकनीक का उपयोग आलू बीज उगा सकते हैं। यह प्रौद्योगिकी पिछले 50 वर्षों से भारत में आलू के उत्पादन और उत्पादकता क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी में मुख्य भोमिका निभा रही है। वायरस की पहचान करने वाली उन्नत तकनीकों, पौध बचाव उपायों और सस्यविज्ञान रीतियों के साथ बीज प्लाट तकनीक का एकीकरण करने से भारत में प्रजनक बीज उत्पादन कार्यक्रम की मजबूत बुनियाद रखने को बढ़ावा मिला है। हाल ही में हाइटेक बीज उत्पादन प्रौद्योगिकियां जैसे कि ऊतक संवर्धन से तैयार लघु कंद के साथ - साथ ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी द्वारा तैयार लघु कंद का विकास किया उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियां

भारत में कृषि केवल लाभ अर्जित करने वाला व्यवसाय नहीं है बल्कि यह 138 मिलियन से भी अधिक कृषिजोत पर काम करने वाले परिवारों के लिए परंपरा का हिस्सा है इनमें से 85 प्रतिशत परिवारों के पास 2 हे. से भी कम आकार वाली कृषिजोत हैं। इनमें से अधिकांश कृषिजोत का उपयोग बहु कृषि गतिविधियों यथा कृषि/बागवानी, पोल्ट्री एवं पशु पालन, मिस्यिकी, मधुमक्खी पालन रेशमा पालन तथा वानिकी में किया जाता है। इन छोटी तथा सीमांत कृषिजोत में फसलचक्र सघनता बहुत अधिक होती है। यहाँ तक कि प्राय-यह 300 प्रतिशत तक भी पहुँच जाती है।

फायदे का सौदा आलु

भारतीय समाज में आलू सर्वाधिक प्रचलित सब्जी है। देश में सब्जियों के तहत कूल कृषि में यह 21 प्रतिशत क्षेत्र में बोई जाती है और कुल सब्जी उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी 25.50 प्रतिशत है। चीन के बाद भारत आलू का सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और पंजाब राज्यों को शामिल करते हुए भारत के गंगा के मैदानी इलाकों में देश के कुल आलू उत्पादन का 85 प्रतिशत से भी अधिक उत्पादन होता है। वर्ष 2014 - 15 में भारत में 23.1 टन/हे. की औसत उत्पादन हुआ। लगातर बढ़ रही जनसंख्या के साथ भविष्य में भारत में आलू की खपत कई गुना बढ़ने का अनुमान है।

जल बचत

आलू सहित किसी भी फसल की खेती के लिए सिंचाई जल इ=की म=कमी प्रमुख समस्या है। आधुनिक आलू किस्में जल की कमी वाली मृदाओं के प्रति संवेदनशील होती है और उनमें बार - बार उथली सिंचाई करने की जरूरत होती है। आमतौर पर पानी की कमी फसल की बढ़वार अवधि के मध्य से पिछेती भाग में भूस्तारी अथव स्टोलन गठन और कंद की शुरूआत तथा बल्किंग के दौरान होती है। इससे पैदावार में कमी होने की आशंका रहती है। अगेती फसलें शाकीय वृद्धि के दौरान कम संवेदनशील होती हैं। फसल पकने वाले अवधि की ओर उच्चतर रिक्तिकरण को अपनाकर भी जल की बचत की जा सकती है ताकि फसल द्वारा अपने जड़ क्षेत्र में भंडारित उपलब्ध पूरे जल का उपयोग किया जा सके। इस क्रियाविधि अथवा रीति से परिपक्वता को भी जल्दी किया जा सकता है और शुष्क पदार्थ सामग्री को बढ़ाया जा सकता है। कुछ किस्में कंद बल्किंग के अगेती भाग में सिंचाई के प्रति कहीं बेहतर प्रतिक्रिया देती हैं, जबकि अन्य बाद वाले हिस्से में कहीं बेहतर प्रतिक्रिया को दर्शाती हैं। कम कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनके कंदों वाली किस्में आमतौर पर अनेक कंदों वाली किस्मों की तुलना में जल की कमी के प्रति कम संवेदनशील होती हैं। सिंचाई के लिए सही समय का चयन करके और पौधा वृद्धि चक्र की विशिष्ट अवस्था में जल प्रयोग की उपयुक्त गहराई का प्रयोग करके आलू की फसल में जल की जरूरत को किफायती बनाया जा सकता है। अब जलमग्न अथवा बाढ़ जैसे सिंचाई की तुलना में ड्रिप एवं स्प्रिकलर विधियों के माध्यम से सटीक रूप से सिंचाई करने के लिए प्रौद्योगिकियां मौजूद हैं, जो न केवल पानी की बचत करती हैं वरन साथ ही उत्पादकता को भी बढाती हैं।



एक बंद अथवा संरक्षित वातावरण में उगाया जाता है

और मदा अथवा किसी अन्य समच्य मीडियम का

उपयोग किये बिना पोषण से भरपूर घोल का साथ

समय - समय पर जड़ों पर छिड़काव किया

जाता है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाली रोपण

सामग्री का तेजी से गुणन होता है, जिसमें प्रति

ऊतक संवर्धन पादप ३५ - ६० लघुकंद उत्पन्न

होते हैं। इसमें अनेक मृदा जनित रोगजनकों के

आलू कंदों के साथ सम्पर्क में कमी आती है।

इसके अलावा इसे ऑपरेट करना भी आसान होता

है। इस प्रणाली को गौरवायविय तथा पानी की कमी

वाले इलाकों में स्थापित किया जा सकता है। यह

प्रौद्योगिकी अत्यधिक लागत प्रभावी है, जिसमें 10 लाख कंदों

के उत्पादन के लिए 100 लाख रूपये का निवेश करने की जरूरत होती है और

कोई भी उद्यमी इससे प्रति वर्ष 52 लाख रूपये तक कमा सकता है। अत-

ऊतक संवर्धन और ऐरोपॉनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत में पारंपरिक

बीज उत्पादन प्रणाली में क्रन्तिकारी बदलाव लाने की क्षमता है। भाकअनप -

केंद्रीय कंदीय फसल अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम द्वारा मानकीकृत मिनी

चावल, गेंहू और मक्का जैसे पारंपरिक अनाज फसलों की तुलना में फल व सब्जियों जैसे बागवानी फसलें कहीं अधिक लाभ प्रदान करती हैं। उच्च मूल्य वाली फसलों और उद्यमों की दिशा में कृषि गतिविधियों का विविधीकरण करना किसानों की आय को बढ़ाने में एक प्रमुख चालक बन सकता है। भारत के तीन मुख्य राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के लिए चावल व गेहूं जैसे अनाज फसलों और प्रमुख कंदीय फसल आलू में खेत की लागत और शुद्ध आय के तुलनात्मक अध्ययन को सरणी - 1 में दर्शाया गया है। यह देखा जा सकता है कि सभी चयनित राज्यों के लिए आलू की खेती की लागत चावल और गेहूं से कहीं ज्यादा है, जो कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा रूपये 1,08,860,30 प्रति हे. है। उत्तर प्रदेश में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय चावल और के मुकाबले दोगुनी से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में आलू से मिलने वाली प्रति हे. शुद्ध आय रूपये 36,519,70 है, जो कि चावल तथा गेहं की तुलना में लगभग तीन गुना है। बिहार में गेहूं (प्रति हे. रूपये 26,835,70) के मुकाबले आलू (प्रति हे. रूपये 32,787,00) में कहीं अधिक लाभ मिला। बिहार में किसानों के लिए धान की खेती आलू की ही तरह लाभप्रद नहीं है, क्योंकि इससे उन्हें प्रति हे. केवल रूपये 6,277,70 का कम लाभ ही मिल रहा है। अत~यह देखा जा सकता है कि पारंपरिक अनाज फसलों

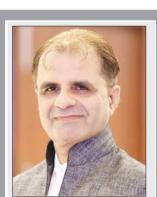
> के मुकाबले आलू जैसी कंदीय फसल की खेती करके किसान कहीं अधिक लाभ कमा सकते हैं।

खुदाई अथवा तुड़ाई करने के उपरांत, छिलकों के उपचार हेत् कंदों को 10 - 15 दिनों तक ढेर में रखा जाना चाहिए। यह जरूरी है की सभी क्षतिग्रस्त और सड़े हुए कंदों को हटा दिया अच्छा लाभ कमाने के लिए उत्पाद अर्थात कंदों की छटाई की जाये और उन्हें ग्रेडिंग के अनुसार जूट के थैलों में पैक किया जाए। किसान अधिक लाभ कम सकते है यदि अपने आलू को शीत भंडार में भंडारित किया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए भंडारित किये गये आलू स्वाद में मीठे नहीं होंगे और इस प्रकार इनसे कहीं अधिक मूला हासिल किये जा सकता है। यह ध्यान दिया जाये कि बीज आलू को केवल 0 - 20 सेल्सियस तापमान पर ही भंडारित किया जाये। चिप्स, फेंच फेंचाइज, लच्छा आदि जैसे निर्जलीकृत आलू उत्पादों को तैयार करके आलू में मूल्यवर्धन करने से भी किसानों को आकर्षक लाभ मिल सकता है। भाकृअनुप - केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला में घरेलू स्तर पर मूल्य वर्धन करने की प्रौद्योगिकियां उपलब्ध हैं।





आतंकवाद के जो साथ रहेगा, भारत उसका विरोध करेगा



किशन सनमुखदास भावनानीं आतंकवाद के जो साथ रहेगा,भारत उसका विरोध करेगा - भारत के ७ डेलिगेशन बनाम पाक का १ शांति दूत।चीन, तुर्कीए, अजरबैजान...पाक के भार्डजान की बंद होगी भारत में दुकान-बॉयकॉट,ट्रेड, ट्रेवल्स व सामानवैश्विक स्तरपर अब भारत की आतंकवाद के खिलाफ स्ट्राइक-७ डेलिगेशन से घेराबंदी,समर्थक देश की आर्थिक पाबंदी,न झुकेंगे न रुकेंगे की

ँनीति सराहनीय।

श्विक स्तरपर भारत की विदेश नीति कूटनीति की सराहना विश्व में तो ही रही है,यहां तक कि पाक के पूर्व पीएम ने भी इसकी तारीफ की थी,विकसित देश भी भारतीय कूटनीति की तारीफ के पुल बांध चुके हैं। अब भारत इसमें और एक अध्याय जोड़ने जा रहा है वह यह है कि हथियारों की लड़ाई में तो भारत ने झंडे गाढ़ दिए हैं अब बौद्धिक क्षमता से पूरे विश्व को कन्वेंस कर आतंकवाद के खिलाफ वातार्लाप कर अपनी वाणी से उन्हें कन्वेंस कर उन्हें सबूत तर्क देकर कूटनीति से अपनी विजय का ठप्पा लगवा कर आतंकवाद के खिलाफ विश्व के सभी देशों को एक मंच पर लाने की रणनीति को क्रियान्वयन किया जा रहा है,ताकि आतंक वाद का उनको पोषण करने वाले देश व उनका सहयोग कर उन्हें वित्त हथियार, ताकत व प्रोत्साहन देकर पोषित करने वाले देशों पर भी शाब्दिक, आर्थिक स्ट्राइक को क्रियान्वयन किया जा रहा है,उन देशों को यह एहसास कराया जा रहा है कि भारत अब पहले जैसा भारत नहीं रहा अब भारत आज का नया भारत है, इसीलिए ही 7 सर्वदलीय डेलिगेशन, चीन तुर्की अजरबैजान पर भारत के नागरिकों द्वारा आर्थिक स्ट्राइक का फैसला लेना रेखांकित करने वाली बात है।चूँकि वैश्विक स्तरपर अब भारत की आतंकवाद के खिलाफ स्ट्राइक,7 डेलिगेशन से घेराबंदी, समर्थक देश की आर्थिक पाबंदी,न झुकेंगे ना रुकेंगे नीति सराहनीय है, इसीलिए चीन तुर्कीए व अजरबैजान..पाक के भाईजान की बंद होगी भारत में दुकान,बॉयकॉट ट्रेड ट्रेवल्स व सामान, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आतंक वाद के जो साथ रहेगा,भारत उसका विरोध करेगा,भारत के 7 डेलिगेशन बनाम पाक का 1 शांति दूत।

साथियों बात अगर हम आतंकवाद के बादशाह पाक की भारतके खिलाफ मदद करने वालों पर भारतीय नागरिकों द्वारा आर्थिक स्ट्राइक की करें तो, भारत के ऑपरेशन सिंदुर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का असली चेहरा पूरी दुनियाँ के सामने आ गया,पाक ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो मेड इन चाइना और तुर्किए थे, पाक ने जो चीन की फुस्सा मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में इस्तीमाल किये, उनके अवशेष नई दिल्लीर के पास मौजूद हैं, चीन और तुर्किए अब इन सबूतों को नकार नहीं सकता है। भारत ने जवाबी कार्रवाई में पाक को ऑपरेशन सिंदुर में ऐसी चोट दी कि वो घटनों पर आ गया और सीजफायर के लिए कहा पाक को सबक सिखा दिया गया है, अब उसके भाईजान चीन, तुर्किए और अजरबैजान की दुकान भारत में बंद करने की तैयारी हो रही है। साल 2023 से 20.7 पेसेंट ज्यादा पर्यटक तुर्किए में पहुंचे थे, पर्यटकों से तुर्किए का राजस्व लगभग 61.1 बिलियन डॉलर रहा, भारतीय पर्यटकों का औसत खर्च इसमें लगभग 972 डॉलर है,भारतीय पर्यटकों के बहिष्कार से तुर्किए को करीब 291.6 मिलियन डॉलर का नुकसान



होने का अनुमान है,ये तो वो नुकसान नजर आ रहा है, लेकिन तुर्किए को भारत के खिलाफ जाने का अप्रत्यतक्ष रूप से भी आर्थिक नुकसान होगा। तुर्किए एवं अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार के संबंध में कैट ट्रैवल एंड ट्रर ऑपरेटर्स संगठनों सहित विभिन्न अन्य संबंधित वर्गों से सम्पर्क कर इस अभियान को तेज करेगा, उधर दूसरी ओर तुर्की और अजरबेजान के साथ व्यापार बंद करने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय आगामी 16 मई को कैट द्वारा नई दिल्ली में आयोजित देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया गया है। अजरबैजान में भी काफी भारतीय पर्यटक पहुंचते हैं, जिससे वहां की अर्थव्यीवस्थार को काफी समर्थन मिलता है, उन्होंाने बताया कि साल 2024 में कुल विदेशी आगमन लगभग 2.6 मिलियन पर्यटक था,जिसमें भारतीय पर्यटकों की संख्या लगभग 2.5 लाख थी और प्रति भारतीय पर्यटक औसत खर्चः 2.170 एजेडएन था, जो लगभग 1,276 डॉलर होता है, इस लिहाज से भारतीय पर्यटकों का खर्च 308.6 मिलियन डॉलर के लगभग अजरबैजान में होता है, भारत अगर तुर्किए और अजरबैजान की इन दुकानों को बंद कर देता हैं, तो आर्थिक नुकसान होने से इन्हेंज अपनी नीतियों पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, इन देशों के होटल, रेस्तरां, टूर ऑपरेटर, और अन्य संबंधित व्यवसायों को भी नुकसान होगा। व्यापारियों के संगठन, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने भी ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर पाकिस्तान के लिए तुर्की और अजरबैजान के हालिया समर्थन का हवाला देते हुए, उनके साथ सभी व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों का बहिष्कार करने का फैसला किया है।सीएआईटी ने शुक्रवार को कहा कि इस निर्णय में तुर्की और अजरबैजानी वस्तुओं का राष्ट्रव्यापी बहिष्कार शामिल है, और भारत भर के व्यापारी इन देशों से आयात रोक रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत पाक तनाव व युद्ध में पाक

के बाद बदलते हालात के बीच तुर्की ने पाक के समर्थन का ऐलान किया था। तुर्की के राष्ट्रपति ने पाक पीएम से बात कर उन्हें हर तरह की मदद की बात कही थी। ऐसी भी खबरें हैं कि तुर्की ने मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमानों के जरिए पाक को हथियारों की बड़ी खेप भेजी है। हालांकि, तुर्की ने इसका खंडन किया है। इतना ही नहीं, भारत से तनाव के बीच तुर्की के एयरफोर्स के कमांडर और खुफिया एजेंसी के प्रमुख ने पाक का दौरा भी किया था।भारत से तनाव के बीच चीन ने खुलकर पाक का समर्थन किया था। चीन ने कहा था कि वह पाकिस्तान की संप्रभुता का समर्थन करेगा और उसके साथ दोस्ती को कायम रखेगा। उसने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की पाक की मांग का समर्थन भी किया था। गुरुवार को चीनी राजदूत ने पाक पीएम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ने चीनी राजदूत को भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए तनाव के बारे में जानकारी दी। इस दौरान राजदत ने कहा कि चीन पाक की वैध सुरक्षा चिंताओं को समझता है और राष्ट्रीय संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए उसके प्रयासों का समर्थन करता है। अजरबैजान और पाक की दोस्ती जगजाहिर है। दोनों देश इस्लाम के नाम पर एक दूसरे का समर्थन करते हैं। अजरबैजान ने भी भारत से तनाव के बीच पाक का समर्थन किया। उसने कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का राग अलापा और शांति की अपील की। अजरबैजान ने पहलगाम हमले की पाक की अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है और यद्ध की जगह वार्ता के जरिए समाधान तलाशने पर जोर दिया है।

साथियों बात अगर हम दोनों देशों के तनाव में भारत को समर्थन करने करने वाले देशों की करें तो, इजरायल ने पाक के साथ तनाव के बीच खुलकर भारत के समर्थन का इजहार किया है। पहलगाम हमले के तुरंत बाद इजरायल के पीएम भारत में इजरायली दूतावास, राजदूत और दूसरे वरिष्ठ इजरायली नेताओं ने इसकी निंदा की।उन्होंने भारतीय पीएम से बात कर अपनी संवेदना और समर्थन का इजहार भी

किया। गाजा पट्टी में हमास के साथ युद्ध में उलझने के बावजूद इजरायल ने भारत को हर तरह की मदद का भरोसा दिया है।पहलगाम हमले के बाद इटली ने भी भारत का समर्थन किया है। इटली की पीएम ने इस घटना पर दुख जताया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इटली ने भारत को हर तरह के समर्थन का ऐलान भी किया है। जॉर्जिया मेलोनी के कार्यकाल में भारत और इटली के द्विपक्षीय संबंध काफी मजबूत हुए हैं। इटली यूरोपीय यूनियन का एक प्रमुख देश है। फ्रांस ने भी पहलगाम हमले के बाद भारत का समर्थन किया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने पहलगाम हमले पर दुख जताया था और भारत को हर संभव मदद का ऐलान किया था। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही थी। फ्रांस दुनियाँ की महाशक्तियों में से एक होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य भी है। वह भारत का एक प्रमुख रक्षा साझेदार भी है।

साथियों बात अगर हम भारत के खिलाफ चीन के हवाई सुरक्षा सैटेलाइट व खुफिया जानकारी पाक को साझा करने की करें तो, जब भारत और पाकिस्तान की सेनाएं एक-दूसरे पर भारी पड़ने की जुगत में थीं, तब कोई तीसरा खिलाड़ी चुपके से मैदान में उतर आया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली के सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज ने खुलासा किया कि चीन ने पाक को हवाई सुरक्षा, सैटेलाइट सपोर्ट और खुफिया जानकारी देकर इस जंग में उसका साथ दिया। चीन के सैटेलाइट के बदौलत पाक भारत के शहरों में ड्रोन और मिसाइल अटैक कर रहा था।

साथियों बात अगर हम भारत के विरोध के कारण आईएमएफ द्वारा 18 मई 2025 को पाक के खिलाफ और 11 शर्तें लागु करने की करें तो भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच पाक को भारी-भरकम कर्ज देने के बाद अब अंतरराष्ट्रीय मद्रा कोष (आईएमफ) को अब शायद अपना पैसा डुबने का खतरा महसुस होने लगा है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक,इसके चलते आईएम एफ ने अपने बेलआउट पैकेज की अगली किस्त जारी करने के लिए पाकिस्तान पर 11 नई शर्तें लगाई हैं और इसके बाद ढं' पर कुल शर्तें बढ़कर 50 हो गई हैं। आईएमएफ की ओर से पाक को दो टूक कह दिया गया है कि अगर ये शर्तें पूरी नहीं होती हैं, तो फिर उसे अगली किश्त जारी नहीं हो

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेष विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किआतंकवाद के जो साथ रहेगा,भारत उसका विरोध करेगा - भारत के 7 डेलिगेशन बनाम पाक का 1 शांति दूत।चीन, तुर्कीए अजरबैजान...पाक के भाईजान की बंद होगी भारत में दुकान-बॉयकॉट,ट्रेड, ट्रेवल्स व सामानवैश्विक स्तरपर अब भारत की आतंकवाद के खिलाफ स्ट्राइक-7 डेलिगेशन से घेराबंदी,समर्थक देश की आर्थिक पाबंदी,न झुकेंगे न रुकेंगे

संपादकीय

अंतिम चरण में माओवाद

छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षाबलों ने सत्ताइस माओवादियों को मार गिराया। पुलिस के अनुसार ये माओवादी बस्तर के नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़क्ष जिलों की सीमा पर हुई मुठभेड़. में मारे गए। इसमें एक जवान शहीद हुआ, जबिक कई अन्य घायल हैं। पिछले कई दिनों से जारी अभियान के दौरान कई वरिष्ठ स्तर के माओवादी कैड़र मारे गए, जिनमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का महासचिव बसवराजू भी मारा गया। हालांकि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'नस्लवाद की लड़ाई में एतिहासिक उपलब्धि। एक ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को मारा है। जिनमें बसवराजू भी शामिल है।' शाह ने एजेंसियों की तारीफ करते हुए 54 नक्सलियों के गिरफ्तारी की बात भी की, परंतु विशेषज्ञों का दावा है, इसे माओवाद के खात्में के रूप में देखना जल्दबाजी होगा। भाजपा सरकार छत्तीसगढ बिहार, तेलंगाना से लेकर महाराष्ट तक नक्सिलयों का सफाया करने के लिए कमर कस चुकी है। बीते पंद्रह महीनों में माओवादियों के खिलाफ चल रहे सघन ऑपरेशन में चार सौ से ज्यादा संदिग्ध नक्सलियों के मारे जाने का भी दावा किया जा रहा है। इससे पहले सुरक्षा बलों ने दावा किया था कि माओवादियों के 214 बंकर व ठिकाने नष्ट किए जा चुके हैं। जहां से भारी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद किया गया। दरअसल, मौजूदा वक्त में यह आंदोलन अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। राज्य सरकार द्वारा शांति वार्ता की बात बार-बार की जा रही है। मगर साथ ही सुरक्षा बलों के ऑपरेशन भी तेज कर दिए जाते हैं। इसी साल जनवरी में छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुए विस्फोट में आठ सुरक्षाकर्मी व एक आम आदमी मारा गया था। सरकार की कड़ाई के चलते नक्सलियों का संगठन जरूर कमजोर पड. रहा है। उनको मिलने वाली आर्थिक मदद भी चरमराई है. मगर उनका ढांचा काफी मजबत है। नौजवानों का नक्सलवाद के प्रति आकर्षण भी तेजी से कमजोर पड़ा है। अब उन्हें नई पीढ़ी के स्थानीय नौजवानों को प्रशिक्षण के लिए राजी करना मुश्किल होता जा रहा है। जो पढ़-लिखकर कर नौकरियां तलाशते हैं और अपने जीवन स्तर को सुधारने के प्रति सजग हो रहे हैं।

चिंतन-मनन

प्रतिभा और ज्ञान

एक संत को जंगल में एक नवजात शिशु मिला। वह उसे अपने घर जे आए। उन्होंने उसका नाम जीवक रखा। उन्होंने जीवक को अच्छी शिक्षा-दीक्षा प्रदान की। जब वह बड़ा हुआ तो उसने संत से पूछा, गुरुजी, मेरे माता-पिता कौन हैं? संत को जीवक के मुंह से यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ लेकिन उन्होंने उसे सच बताने का निश्चय किया और बोले, पुत्र, तुम मुझे घने जंगलों में मिले थे। मुझे नहीं मालूम कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं और कहां हैं? जीवक अत्यंत उदास होकर बोला, गुरुजी, अब आत्महीनता का भार लेकर मैं कहां जाऊं? इस पर संत उसे सांत्वना देते हुए बोले, पुत्र, इस बात से दुखी होने के बजाय तुम तक्षशिला जाओ और वहां विद्याध्ययन करके अपने ज्ञान के प्रकाश से संपूर्ण समाज को आलोकित करो। जीवक अध्ययन के लिए चल पड़ा। वहां पहुंचकर वहां के आचार्य को उसने अपने बारे में सब कुछ बता दिया। आचार्य ने उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित होकर उसे विश्वविद्यालय में प्रवेश दे दिया। जीवक वहां पर कठोर परिश्रम के साथ विद्या प्राप्त करने लगा। वहां उसने आयुवेर्दाचार्य की उपाधि प्राप्त की। संपूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के बाद एक दिन आचार्य जीवक से बोले, पुत्र, अब तुम मगध जाकर वहां के लोगों की सेवा करो। यह सुनकर जीवक परेशान हो गया। आचार्य उसे दुखी देखकर बोले, कौन सी बात तुम्हें टीस रही है? जीवक बोला, आचार्य, आप तो जानते ही हैं कि मेरा कोई कुल और गोत्र नहीं है। मैं जहां भी जाऊंगा, लोग मुझ पर उंगलियां उठाएंगे। क्या आप मुझे अपने पास ही नहीं रख सकते? उसकी बात सुनकर आचार्य बोले, वत्स। तुम्हारी प्रतिभा और ज्ञान ही तुम्हारा कुल-गोत्र है। इन्हीं से तुम्हें सम्मान मिलेगा। आचार्य की बातों ने जीवक को नई दिशा दिखाई और वह मगध आ गया। वहां उसने लगन और मेहनत से काम किया। कुछ ही समय में वह पूरे मगध में आयुवेर्दाचार्य के रूप में प्रसिद्ध हो गया।





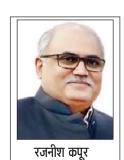
आ ज हिंदी में कार्यरत वैज्ञानिक संस्थान को प्रोत्साहित करने की जरुरत है इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर की संस्थान,हिं वि सा परिषद यानी हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के नई कार्यकारणी का गठन 18.05.25 को भाभा पार्क अनशक्तिनगर में सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ औ? 12बजे खत्म हुआ आज का यग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का यग है।जो मातृभाषा में करना आवश्यक है हमारे जीवन की छोटी-बड़ी हर घटना का संबंध विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुडा हुआ है। आज हम चाहकर भी मोबाइल, इंटरनेट, टीवी, स्कूटर, कार, बस और ट्रेन से अपने को दूर नहीं रख सकते। अब आप बताइए ये सभी साधन विज्ञान और प्रौद्योगिकी की देन हैं या नहीं? आपका जवाब हां में होगा! सभ्यता के आरंभिक चरण, कृषि और औद्योगिक क्रांति के बाद वर्तमान में हम प्रौद्योगिकी तथा सूचना क्रांति के युग में जी रहे हैं। लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संबंध में जानकारी देना आज एक अहम आवश्यकता बन गई

है। भारतीय सम्विधान के अंतर्गत भी इसे एक मूलभूत कर्तव्य का दर्जा प्राप्त है। विज्ञान साहित्य और इसके लेखन को लोकप्रिय विज्ञान या लोकविज्ञान साहित्य कहते हैं। इसका महत्व किसी भी भाषा के साहित्य से कम नहीं होता। क्योंकि एक विज्ञान लेखक के पास साहित्य और लेखन कौशल के साथ विज्ञान की प्रमाणिक जानकारी भी होती है। वास्तव में विज्ञान लेखन साहित्य का अभिन्न हिस्सा है और इस विज्ञान साहित्य का सृजन वैज्ञानिक जानकारी और साहित्यिक तत्वों के संयोग या सिम्मिलन से होता है। विज्ञान रिपोर्ट, विज्ञान लेख, विज्ञान समाचार, विज्ञान कथा, विज्ञान नाटक, विज्ञान रूपक, विज्ञान उपन्यास विज्ञान लेखन की विभिन्न धाराएं होती हैं।हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों को पूर्ण कर सकती है नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 18 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा में चुनाव अधिकारी ने सभी प्रत्याशी के नाम का ऐलान किया आम सभा से पहले चुनाव अधिकारी श्री बलवंत सिंह ने नई कार्यकारिणी 25-27 हेतु सभी चयनित उम्मीदवार के परिणाम प्रस्तुत किए गए -जो निम्न है अध्यक्ष - कृष्ण कुमार वर्मा - -उपाध्यक्ष - ब्रजेश कुमार सिन्हा,सचिव,शेर सिंह मीणा, संजय गोस्वामी -सयुंक्त सचिव,राज कुमार डाबरा -कोषाध्यक्ष बी.एन मिश्र -

सयुंक्त कोषाध्यक्ष,सदस्य हेतु डॉ सुभाष दोन्दे,अश्विनी कुमार मिश्रा,संजू वर्मा, राजेश कुमार सचान - अनिल अहिरवार प्रकाश कश्यप - आलोक कुमार त्रिपाठी आदि निर्विरोध चुने गए हैं 18 मई 25 को आम सभा में चुनाव अधिकारी ने आवेदकों का नाम आम सभा में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जिसे आम सभा में परिषद के सभी सभी लोगों एक मत अनुमोदन किया जिसके बाद में वैज्ञानिक के नए संपादक मंडल व व्यवस्थापन मंडल के सदस्य बाद में नई कमिटी द्वारा बनाए जायेंगे व परिषद के सचिव श्री सत्य प्रभात प्रभाकर व सह सचिव श्री राजेश कुमार ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों को वर्तमान कार्यकारिणी को अब परिषद के आगे के कार्यक्रम के बारे में बताया जो सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वीकार किया परिषद के सभी आजीवन सदस्यों ने आम सभा, जो भाभा पार्क, अणुशक्तिनगर में 10:30 बजे सुबह उपस्थित रहें उसमें सभी ने परिषद के कार्यों की सराहना की हिन्दी विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका वैज्ञानिक से जुड़े नव विज्ञान लेखक, प्रोफेसर, वैज्ञानिक और इंजीनियर ने सभी पाठकों और सृजनशील व्यक्तियों के निरंतर सहयोग, स्नेह, विश्वास और वैज्ञानिक से लगाव रहा है। इसके मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं व संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, के-के वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बी.एन. मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं। विज्ञान साहित्य का ऐसा मिला-जुला ढंग उस साहित्य के सृजन में सहायक होता है जो पूर्णतः

भौतिकवादी होता है तथा शुद्ध कला का निर्माण नहीं करता है। हिंदी विज्ञान की पत्रिका वैज्ञानिक का योगदान विज्ञान संचार हेतु जरुरी है ताकि इससे नवविज्ञान लेखकों को एक वैज्ञानिक मंच मिल सके। हिंदी में विज्ञान संचार हेतु हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद का 55वर्षों से अधिक का लम्बा इतिहास रहा है राष्ट्रभाषा हिंदी आपसी सहयोग, साहचर्य एवं प्यार की भाषा है। इसे विश्वसमुदाय में स्थापित करना इन मूल्यों के संवर्द्धन हेतु अत्यंत लाभप्रद होगा।हिंदी को विश्वभाषा बनाने के मकसद से परिषद ने दो महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विज्ञान संस्थाओं में हिंदी व हिंदी माध्यम से इंजीनियरिंग के विभिन्न अध्ययन व अनुसंधान के लिए परिषद की पत्रिका वैज्ञानिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है यह एक विज्ञान लेखक की महारत या दक्षता होती है और इसे किसी मायने में कमतर आँका जाना उचित नहीं है। हमें इस बात का भी संज्ञान अवश्य लेना होगा कि कालांतर में हिंदी और दूसरी भाषाओं के अनेक साहित्यकारों ने स्वयं वैज्ञानिक लेखन किये हैं तथा समाज के लिए इसके महत्व को रेखांकित करते रहे हैं।पूर्व में परिषद के अध्यक्ष भारत के मशहूर वैज्ञानिक डॉ. पी.के. अयंगर पूर्व अध्यक्ष एईसी व भारत के महत्वपूर्ण वैज्ञानिक भी थे परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. पी. के. अयंगर, परमाण् उपकरण के वास्तविक निर्माण के पीछे मुख्य वैज्ञानिकों में से एक थे, जिसने 18 मई, 1974 को पोखरण क के साथ भारत को परमाणु मानचित्र पर ला खड़ा किया। उन्होंने 40 वर्षों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में काम किया।

इस्कॉन दो फाड़ः शीर्ष अदालत का ऐतिहासिक निर्णय



र्वी ई 16, 2025 को सर्वोच्च अदालत ने एक 25 साल पुराने विवाद पर अंतिम फैसला सुनाया, जिसमें इस्कॉन बेंगलुरु को बेंगलुरु के प्रसिद्ध हरे कृष्ण मंदिर का स्वामित्व प्रदान किया गया, जबिक इस्कॉन मुंबई के इस संपत्ति पर दावे को खारिज कर दिया गया। आज यह फैसला उन हजारों भक्तों की जीत है जो श्रील प्रभुपाद को ही इस्कॉन का एकमात्र आचार्य मानते हैं। हम अपनी सारी संपत्तियां इस्कॉन मुंबई के हवाले करने को पहले दिन से तत्पर रहे हैं। हमारी केवल एक ही शर्त है कि इस्कॉन में केवल प्रभुपाद ही आचार्य माने जाएं बाकी उनके आदेशानुसार ह्यिऋत्वक' की भूमिका निभाएं।

1966 में न्यूयॉर्क में एक गौड़ीय वैष्णव संत श्रील प्रभुपाद द्वारा 'इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस' (इस्कॉन), की स्थापना की गई थी, जिसे आज पूरा विश्व 'हरे कृष्ण आंदोलन' के नाम से जानता है। इस्कॉन ने विश्व भर में भगवान कृष्ण की भक्ति और वैदिक संस्कृति को फैलाने में महत्त्वपूर्ण

एक लिखित निर्देश जारी किया था, जिसमें उन्होंने दीक्षा (शिष्य दीक्षा) के लिए एक 'ऋत्वक' प्रणाली की स्थापना की थी। इसके तहत, उनके द्वारा नियुक्त 11 वरिष्ठ शिष्य ('ऋत्वक') नये भक्तों को दीक्षा देने के लिए उनके प्रतिनिधि के रूप में कार्य करेंगे और सभी भावी भक्त केवल श्रील प्रभुपाद के ही शिष्य होंगे। श्रील प्रभुपाद ने स्पष्ट किया था कि वे इस्कॉन के एकमात्र आचार्य बने रहेंगे और उनके बाद कोई भी शिष्य स्वयं को आचार्य या गुरु घोषित नहीं करेगा। 1977 में वृंदावन में श्रील प्रभुपाद की महासमाधि के बाद, उनके कुछ वरिष्ठ शिष्यों (मुख्य रूप से पश्चिमी) ने उनके निदेशों की अवहेलना की और स्वयं को उत्तराधिकारी आचार्य घोषित कर लिया। उन्होंने स्वयं दीक्षा देना शुरू किया, भव्य जीवनशैली अपनाई और अपने लिए सम्मानजनक उपाधियां और गीत रचवाए, जो श्रील प्रभुपाद की सादगीपूर्ण जीवनशैली के विपरीत था। इस स्व-घोषित गुरु प्रणाली का विरोध करने वाले भक्तों को उत्पीड़न, मंदिरों से निष्कासन, और यहां तक कि हिंसा का सामना करना पड़ा। एक चरम मामले में, वर्जीनिया में एक भक्त सुलोचना दास की 1984 में हत्या कर दी गई। अंग्रेजी में छपी एक पुस्तक, 'मंकी ऑन द स्टिक' में इस हत्या में शामिल इस्कॉन के आज कुछ मशहूर नेतृत्व की ओर खुल कर लिखा गया है। नवम्बर 1998 में, इस्कॉन बेंगलुरु में देश-विदेश के अनेक वरिष्ठ भक्त जमा हुए और उन्होंने 'इस्कॉन रिफार्म मूवमेंट' की स्थापना की, जिसका लक्य स्व-घोषित गुरु प्रणाली का विरोध करना था।

भूमिका निभाई है। श्रील प्रभुपाद ने 9 जुलाई 1977 को इस समूह ने श्रील प्रभुपाद को इस्कॉन का एकमात्र आचार्य मानने और 'ऋित्वक' प्रणाली का पालन करने का संकल्प लिया। इस रु ख के कारण, इस्कॉन मुंबई, जो स्व-घोषित गुरु ओं द्वारा नियंत्रित थी, ने इस्कॉन बेंगलुरु के भक्तों को संगठन से निष्कासित करने और उनके मंदिर पर नियंत्रण करने का असफल प्रयास किया। बाद में 'इस्कॉन रिफार्म मूवमेंट' की बैठकें कुआलालम्पुर और फ्लोरिडा जैसे शहरों में भी हुई। बेंगलुरो और मुंबई केंद्रों के बीच संपत्ति विवाद की शुरू आत 2000 में हुई, जब इस्कॉन मुंबई ने बेंगलुरु के हरे कृष्ण हिल मंदिर पर नियंत्रण का कानुनी दावा किया। इस्कॉन बेंगलुरु 1978 में कर्नाटक सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत एक स्वतंत्र संस्था के रूप में पंजीकृत थी, जबिक इस्कॉन मुंबई 1860 के सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट और 1950 के बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट के तहत पंजीकृत थी। इस्कॉन मुंबई ने दावा किया कि बेंगलुरु केंद्र केवल उनकी शाखा है और मंदिर की संपत्ति पर उनका अधिकार है। इस्कॉन की गुरु प्रणाली संगठन के इतिहास में एक विवादास्पद मुद्दा रही है। परंपरागत रूप से, गौड़ीय वैष्णव परंपरा में गुरु को परम आध्यात्मिक अधिकार प्राप्त होता है, जो शास्त्रों और पूर्ववर्ती आचार्यों के अनुसार शिक्षण

> भविष्य में अनाधिकृत लोग स्वयं को गुरु बता कर इस्कॉन के भक्तों को गुमराह न कर सकें इसलिए श्रील प्रभुपाद ने इस्कॉन में 'ऋत्वक' प्रणाली लागू की थी ताकि उनकी मृत्यु के बाद भी वे एकमात्र दीक्षा गुरु बने रहें। 1977 के बाद, इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी



कमीशन (जीबीसी) ने नई गुरु प्रणाली शुरू की जिसमें वरिष्ठ भक्तों को ह्यदीक्षा गुरु ' नियुक्त किया गया। यह प्रणाली ईसाइयों के वेटिकन मॉडल की तरह सहमति और मतदान पर आधारित थी, जिसे उन्होंने 'लोकतांत्रिक' कहा, जबिक भारत की सनातन परंपरा में गुरो का पद भगवान समान माना जाता है और ऐसा पद प्राप्त करने के लिए साधना और उस संप्रदाय की परंपरा के आचार्य का आदेश सर्वोपरि होता है। अपना प्रचार करके चुनाव में ज्यादा वोट पाकर गुरु बनना सनातन धर्म के मूल सिद्धांत का मजाक है। इस्कॉन के लाखों भक्तों को इस तथ्य का पता नहीं है इसलिए वे जीबीसी में होने वाले आंतरिक चुनाव जीतने वालों को ही अपना गुरु माने बैठे हैं। कोर्ट का फैसला इस्कॉन बेंगलुरु के लिए कानूनी जीत नहीं है, बल्कि प्रभुपाद की ऋित्वक प्रणाली और उनकी आध्यात्मिक विरासत को बनाए रखने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

As Voltaire said, 'The (Pak) army has a nation'

THERE is something about epigrams, coined for different contexts and geographies, and the explanatory and analytical capacity they show with regard to Pakistan. The elevation of General Asim Munir to Field Marshal status readily evokes French political philosopher Voltaire, who, in describing central Europe in the 18th century, had noted: "Some states have an army, the Prussian army has a state." For those who study Pakistan, this seems unusually apposite to describe a Prussian-type entity from the mid-20th century South Asia. Similarly, British historian AJP Taylor, characterising Germany during the 1848 "revolutions" in Europe, had noted of that conjuncture: "German history reached its turning point and failed to turn." Again, this seems a tailormade analysis of our western neighbour and the numerous times that it has continued on a particular path, notwithstanding all expectations that it was on the threshold of change. Thus, quite regardless of its breakup in 1971 or numerous other traumas such as the assassination of Benazir Bhutto in 2007, Pakistan's tryst with the military and with terrorism has continued undeterred.

Natwar Singh, former High Commissioner to Pakistan, former Foreign Minister and a gifted litterateur and writer, also realised the value of epigrams to capture that frustrating and enigmatic quality of India-Pakistan relations. "The future lies in the past," he once cryptically noted about the inner dynamic of India-Pakistan relations.

Has the recently ended 17-day crisis in April-May 2025 caused by a most egregious terrorist attack on innocent tourists altered that dynamic? Some novel elements do stand out in the otherwise sterile and repetitive world of India-Pakistan relations. The announcement regarding keeping the Indus Waters Treaty in abeyance fans a key Pakistani anxiety. Its message is equally clear — providing sanctuary and support to terrorist groups means that no aspect of the India-Pakistan interface will be left unfouchedFor most, perhaps all, Pakistanis, this announcement is the ultimate act of bad faith and the conviction that its lower riparian rights are being trampled upon. To many Indians, this was a long overdue measure and its delayed invocation only underlines the latitude Pakistan has enjoyed to provoke and harm India. The May 7 strikes on Muridke, Bahawalpur and other locations also represent a change. In the past, as in the case of the 2016 surgical strikes or the 2019 Balakot air strike, the targets were either adjoining the border or the LoC or relatively remote places. The May 7 locations were hardly that. The underlying message is also self-evident — that India's counter-terrorism response would henceforth cover the whole of Pakistan and no part of its territory can be considered safe sanctuary for terrorist groups. How strongly have these messages registered? It is tempting to think that the alacrity with which Pakistan accepted the cessation of hostilities suggests that it has understood a new reality has emerged. But such a conclusion may also be premature.

To many Pakistanis, India has behaved in much the same way as it always has and nothing therefore has changed. Insofar as the mood in Pakistan can be read, it appears bellicose about having stood up to "India's aggression" both militarily and diplomatically. To a narrower but still significant section, the fact that the United States has spoken at the highest levels about mediating in the Kashmir dispute and that the IMF tranche release went through without a hitch despite India's opposition suggests that Pakistan has come out on top from the April-May crisis. This may well be delusional, but a certain amount of this kind of thinking has always had deep roots in Pakistan. In any event, there is so far little sign of it being chastened or introspective about where its policies are leading the country. If there are contrary sentiments, for the moment at least, they remain deeply buried and are not visible to the outside world. That the two countries can read a particular set of events completely differently is also not new. Indian and Pakistani narratives about 1965, 1971, Kargil, and in fact of each of the crisis situations that have occurred in the past, remain radically opposed.

Toppers & losers: What our education system has got wrong

After the CBSE and other board exams results, the 'toppers' are in the news once again. but we fail to notice the agony of the 'losers'.

We love to hear tales of success. Not surprisingly then, In fact, I have been waiting eagerly for the day when a after the CBSE and other board exams results, the 'toppers' are in the news once again. Indeed, a topper's 'perfect' score of 500/500 hypnotises us. As we mythologise these toppers, transform them into instant celebrities, and find ourselves elated in imagining their future life trajectories — say, from their admission to 'top ranking' medical/engineering colleges/universities to appropriate placements with lucrative packages, we fail to notice the agony of the 'losers'. Possibly, many of us like to believe that the losers are losers because they have not worked hard, or they are not 'intelligent' enough to master the lessons of science, mathematics, history or English grammar.

However, as a teacher, I have no hesitation in saying that the system of education we have normalised has failed everybody. It does not matter whether one is a 'topper' or a 'loser'. In fact, when a CBSE topper says that s/he studies for 20 hours every day, it ought to frighten us. Think of it. Should this be the daily routine of an 18-year-old young student — nothing beyond roaming around coaching centres, taking 'last-minute suggestions' from private tutors, writing endless mock tests? And, to consider everything else — be it football, music, cinema, painting and poetry — as a 'waste' of

Or, think of the fate of yet another 'topper' of the West Bengal Board of Secondary Education. "Our son has 12 private tutors," his parents declared with absolute pride as mediapersons asked them for the 'secret' behind his success.s it that in

'topper', our adolescents are losing their wonder years, and damaging the spirit of wonder, play, creativity and

It is, therefore, not surprising that seldom do we find these toppers having an alternative imagination, or a vision of life that is qualitatively different from the standardised notion of success.nterview these toppers at random, and ask them what they wish to do in life. It Not solely that. The 'losers' are possibly the ones the is quite likely that most of them will give you the kind of answer you can easily predict: "I want to become a doctor, an engineer, or an IAS officer."

topper would surprise me by saying with pride and joy: "Satyajit Ray and Shyam Benegal are my role models, and I want to become a film director." Likewise, I imagine that one of these days, a topper might charm me by saying that she has read a great deal about the history of science and she wants to become a scientist fact, it frightens me when I see these youngsters physically exhausted and mentally tired — behaving like parrots and repeating the same mantra of success. Yes, in this system of education, you need to pay a heavy price for your success. You need to sacrifice the redemptive power of your creative thinking and



imagination.

the process of achieving 'success' and becoming a It is not difficult to understand that here is a system of education that is biased towards those who have But then, who will tell them that education is not merely sufficient wealth to buy it as a commodity. No wonder, many of the 'losers' are those whose parents cannot afford to hire, say, private tutors for every subject, or send them to the traders of physics, chemistry, mathematics and biology for buying attractively packaged 'success manuals'.

> prevalent practice of education has never bothered to understand. Possibly, some of them never wanted to study algebra and trigonometry; possibly, they disliked

the teacher's monologue in the classroom; and, possibly, they wanted to do practical things with their hands and legs. Or, who knows, some of these 'losers', instead of dissecting a poem in the boring English class, might have wanted to watch the sunset from the school terrace and experience that extraordinarily sublime poetic moment?

like Professor CV Raman.It has not yet happened. In Possibly, some of these 'losers' could have realised their hidden potential had they found educationists inspired by the likes of John Dewey, MohandasKaramchand Gandhi, Rabindranath Tagore and Jiddu Krishnamurti. But then, our regimented school culture, our official curriculum and our utilitarian coaching centres know nothing beyond the assembly-line production of one-

> dimensional conformists -almost like robotic machines. No wonder, those who can't adjust to this system are destined to carry the stigma of failure.

There is no dearth of corporatesponsored educationists in our times. And it is quite likely that they will remind these toppers that they should now get the kind of education that equips them with the 'skills' the technocorporate empire needs. In other words, they will be persuaded to believe that the primary objective of their higher education ought to be some sort of training for future jobs. In other words, for these educationists, universities need to redesign their curriculum as per the needs of the industry. As this market-driven technocratic thinking begins to colonise their worldviews, they might quickly master the techniques of artificial intelligence, data sciences and robotics and earn a lot as they are tempted to become

compliant workers.

a training for jobs? The meaning of being truly educated, as Noam Chomsky spoke in one of his excellent lectures, is to acquire the power of critical thinking so that one can question the very rationale of a violent/exploitative social order, and strive for an egalitarian/humane/just world.

It is really sad that even the 'toppers' who emerge from the prevalent system of education are essentially losers as they remain deprived of the redemptive power of this sort of libertarian education.

Killing of top Maoist leader in Chhattisgarh: A turning point

This is a major setback for left-wing extremist forces. Government must seize the opportunity, keep vigil

Since it assumed office in December 2023, Chhattisgarh's Vishnu Deo Sai government has mounted a concerted offensive against Maoist were killed, the highest in a year since the formation of the state. The operations intensified this year. On Wednesday, in perhaps the most significant anti-Maoist offensive in recent years, CPI (Maoist) general secretary Nambala Keshava Rao, alias Basavaraju, along with 26 other Maoist cadres, was killed. Basavaraju played a key role in some of the most brutal Maoist operations in the past 15 years, including the 2010 massacre that claimed the lives of 76 CRPF jawans and the 2013 Jhiram Ghati attack, which wiped out almost the entire Congress leadership in the state. In the past year-and-a-half, however, the extremists suffered a string of reverses in operations spearheaded by Basavaraju. Now, the CPI (Maoist) general secretary's death could mark a

turning point. Chhattisgarh may be on track to meeting Union Home Minister Amit Shah's target of eliminating Maoism by March next year.

militants. Last year, 219 left-wing extremists (LWE) Chhattisgarh, especially its Bastar, Narayanpur, Dantewada and Bijapur districts, is among the few remaining Maoist bastions in the country. The movement has lost steam in its erstwhile strongholds in Andhra Pradesh and Telangana. This has led to several top leaders shifting base. Basavaraju, born in Srikakulam, Andhra Pradesh and a graduate of the Regional Engineering College, Warangal, was amongst them. Chhattisgarh's geography — a forested area bordering Maharashtra, Odisha and Telangana, with poor transport and communication facilities — and the economic deprivation of a large section of the state's people, allowed insurgents to gain a foothold. The state government's complacency in the early years of this century also aided the spread of left-wing extremism. Instead of strengthening the security forces and initiating welfare measures, precious time was wasted on strategies such as arming civilian militias — the Salwa Judum, for instance. However, like in other parts of the country, their recourse to violence and failure to recognise the resilience of democratic institutions worked against LWEs. The political will to counter the insurgents has firmed up — increasing inroads made by the security forces owe to greater coordination between the security forces of the Centre and the state. A network of base camps has ended the security vacuum in the forested areas, and at the same time, roads and mobile towers have put large parts of Maoist-affected areas on the developmental map. The state government has also started a policy of rehabilitating Maoists who surrender — they are provided houses under the Pradhan Mantri Awas Yojana, skill development programmes have special provisions for them, and companies are given incentives to hire former LWEs.

Article 143: Tightrope walk for the Supreme Court

Article 143 will re-examine settled ground in the Supreme Court's judgment in the Tamil Nadu Governor's case.

OUR Constitution means different things to different people. For the political class, it can be a tool to navigate adverse judgments. For the judiciary, it is the lodestar. Article 143, which allows the President to seek the Supreme Court's opinion on legal questions, has been invoked to refer 14 questions about the powers of governors and the President in dealing with Bills.

This would not have been controversial, but for the fact that these questions appear to re-examine settled ground in the Supreme Court's judgment in the Tamil Nadu (TN) Governor's case. This raises a critical question: Is this presidential reference a legitimate constitutional act or a backdoor review bid? In the TN case, the SC clarified that governors must act on the aid and advice of the Council of Ministers and cannot indefinitely delay action on Bills. It also laid down that constitutional authorities, including the President, cannot function without accountability or within limitless timelines.

Dissatisfied with this outcome, the Union Government has now supported a presidential reference posing questions nearly identical to those already answered. This has created the perception that the executive is seeking to reopen a settled verdict without going through the formal review process. Article 143 allows the President to seek the SC's advisory opinion on legal or factual matters of public importance. However, the court is not bound to answer such references. It has the discretion to decline, as seen in Special Reference No. 1 of 1964 and the Ayodhya dispute in (Special Reference No. 1 of 1993).

In the Cauvery water disputes case (Special Reference No. 1 of 1998), the apex court stated that Article 143 cannot be used to appeal a judgment or seek a second opinion on a matter the court has already ruled on. The court emphasised: "Under the Constitution, such appellate jurisdiction does not vest in this court; nor can it be vested in it by the President under Article 143. To accept Shri Nariman's contention would mean that the advisory jurisdiction under Article 143 is also an appellate jurisdiction of this court over its own decision between

the same parties and the executive has a power to ask this court to revise its decision. If such power is read in Article 143, it would be a serious inroad into the independence of judiciary." (Fali Nariman was the counsel for Karnataka in the Cauvery case). Thus, if the court has already pronounced an authoritative view, no

"doubt" exists warranting presidential advice. The court cannot be turned into an appellate forum against itself.

The 14 questions posed by the President echo many already settled in the TN judgment. These include whether a Governor can return a Bill multiple times, or whether the President is bound by a timeline for assent. These were not left ambiguous — they were decided with clarity. This suggests that the reference is not truly seeking clarification, but rather reconsideration. And if so, it is not just a legal issue — it strikes at the foundation of judicial finality. The 2G spectrum reference in 2012 is a notable exception where the SC used Article 143 to clarify aspects of an earlier judgment. After the court cancelled 122 telecom licences, the government sought guidance on whether an auction was the only permissible method for allocating natural resources.

The court clarified that while auctions were a fair method, they weren't the only

constitutional way. Importantly, the clarification did not disturb the core decision.

The SC said: "We are, therefore, of the view that as long as the decision with respect to the allocation of spectrum licences is untouched, this court is within its jurisdiction to evaluate and clarify the ratio of the judgment in the 2G case."This distinction is vital. In the 2G matter, the government wasn't asking the court to reverse its ruling just to guide future policy. In contrast, the latest reference goes to the core of the TN case judgment. It does not ask for interpretation of consequences or guidance for future cases. Instead, it revisits the very questions the court already answered. To allow this would mean that the executive can bypass Article 137 (which governs review) and re-litigate cases via Article



143. That is both constitutionally impermissible and institutionally dangerous.

Is the court bound to respond? No. In the Special Courts Bill case, the court observed that it could decline to answer a reference and must give reasons for doing so.

In the 2G case, the court listed several grounds for declining a reference: (i) If the questions are already settled; (ii) If they are political; (iii) If they do not serve a constitutional purpose; (iv) If they do not involve issues

of legal significance. The TN judgment clearly falls in the category of a settled constitutional question. Reopening it risks reducing the finality of judicial decisions to a matter of executive preference. The political backdrop cannot be ignored. Governors in several Oppositionruled states have used dilly-dallying tactics to stall

> legislation. The TN judgment curtailed this practice. It is hard not to view the reference as a response to that curtailment. This is more than a constitutional query — it is a political pushback. If the SC entertains this reference, it risks being seen as yielding to political pressure, especially when the constitutional path of review is always available. The court has a difficult task. It must balance respect for the President's office with its duty to protect the integrity of its decisions. If the reference is indeed an attempt to re-argue the TN case, the court should decline to answer it. It should clearly state that Article 143 cannot be used to circumvent the finality of judicial verdicts. If, however, there are aspects of the ruling that need clarification for future governance, the court may choose to answer — but only narrowly. It must ensure that it does not dilute the authority of its earlier decision. Article 143 was meant as a tool for legal clarity, not a political escape route. The SC ruling in the TN Governor's

case was clear, binding and grounded in constitutional

If the executive disagrees, the Constitution provides a remedy: a review petition. What it does not permit is a second bite at the cherry, disguised as a presidential reference. This reference, if entertained without scrutiny, risks undermining the court's authority and encouraging a dangerous trend. The judiciary must not let itself be used as a forum for constitutional do-overs.

Adani Group to invest Rs 50,000 crore in Northeast over next decade

New Delhi.The Adani Group will invest Rs 50,000 crore across India's Northeast over the next 10 years, Chairman Gautam Adani announced at the Rising Northeast Investors Summit on Friday. The move highlights the conglomerate's growing focus on the region's untapped potential and its role in India's broader growth story."Over the past decade, in the hills and valleys of the Northeast, a new chapter in India's growth story is unfolding," Gautam Adani said, highlighting the region's strategic importance and the group's long-term vision for its development. The fresh investment commitment comes just months after the Adani Group pledged Rs 50,000 crore in Assam alone, targeting sectors like airports, aero cities, city gas distribution, transmission, cement, and road infrastructure.



At the time, Adani had reiterated the group's intent to strengthen Assam's economic foundation and contribute meaningfully to the region's prosperity.

Together, these announcements signal the Adani Group's deepening engagement in the Northeast, as it seeks to catalyse infrastructure-led growth and regional connectivity.

Some individuals don't need to file an ITR. Are you one of them

New Delhi. The new financial year has begun, and so has the process of filing Income Tax Returns (ITR) for 2025–26. The tax department has already released the ITR forms, and many people are now waiting for the e-filing utilities to go live. But here's the thing, not everyone needs to file an ITR.

WHO DOESN'T HAVE TO FILE AN ITR?

Some individuals, especially senior citizens, may be exempt. The Income Tax Act, 1961, under Section 194P, has a special rule for people aged 75 years or more. If you or your loved ones fall into this group, you might not need to worry about filing taxes, provided a few conditions are met.

CONDITIONS FOR EXEMPTION UNDER **SECTION 194P**

Let's keep it simple. If you're 75 or older, living in India, and your only income is from a pension and some interest from the same bank where you get your pension, you might not have to file an ITR at all. You just have to give a declaration to your bank. Once the bank has that, they take care of the rest.

They'll check how much tax you owe, subtract any rebates or deductions, and directly deduct the correct amount from your income. Once that's done, you don't have to file a tax return.

WHY WAS THIS RULE INTRODUCED?

This exemption was introduced under Section 194P of the Income Tax Act to make things easier for older taxpayers. It's aimed at pensioners who have a simple income setup and don't need to deal with the hassle o filing returns every year.

It takes away the stress and paperwork for senior citizens who are already managing their health and

Explained: Why IMF gave Pakistan \$1 billion despite India's objections

New Delhi. The International Monetary Fund (IMF) has explained why it went ahead with giving Pakistan a fresh bailout of \$1 billion despite strong objections from India.India had recently asked the IMF to reconsider its decision to help Pakistan financially, arguing that the country continues to support terrorism and allows such groups to use its land to plan and carry out attacks against its citizens. This concern came especially after India launched Operation Sindoor, a military strike on terror bases in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir (PoK), after the terror attack in Pahalgam. In response to these objections, the IMF said that the financial support it gave to Pakistan was part of an earlier agreement and followed normal procedures. The IMF made its stance clear during a media briefing.Julie Kozack, director of the IMF's communications department, said, "So the IMF executive board approved Pakistan's EFF program in September 2024, and the first review at that time was planned for the first quarter of 2025. And consistent with that timeline, on March 25th of 2025, the IMF staff and the Pakistani authorities reached a staff-level agreement on the first review for the EFF.""That agreement... was then presented to our executive board, and our executive board completed the review on May 9th. And as a result of the completion of that review, Pakistan received the disbursement at that time," she added.

She further explained that it was a routine review of the Extended Fund Facility (EFF), and Pakistan had

met the targets set in the programme. "What I want to emphasise here is that it is part of a standard procedure under programs... to assess their progress... In the case of Pakistan, our board found that Pakistan had indeed met all of the targets. It had made progress on some of the reforms. And for that reason, the board went ahead and approved the program," Kozack said. She also clarified how the money is used."IMF financing is provided to members for the purpose of resolving balance of payments problems.

India plans to let US, other foreign firms bid for government contracts: Report

Contracts worth over \$50 billion, primarily issued by federal agencies, could soon be accessible to US companies as part of a broader effort to strike a limited trade agreement with Washington by early July.

New Delhi, India is preparing to open a significant portion of its government procurement market to foreign companies, including US firms, in what officials describe as a strategic policy shift tied to ongoing trade negotiations. Two senior government officials told news agency Reuters that contracts worth over \$50 billion, primarily issued by federal agencies, could soon be accessible to US

strike a limited trade agreement with Washington by early July.

The move follows a similar concession

made to the United Kingdom earlier this month under the India-UK Free Trade Agreement. British firms were granted access to select central government tenders on a reciprocal basis, signaling a shift in India's traditionally protectionist stance on public procurement."In a policy shift, India has agreed to open its public procurement contracts gradually to trading partners including the U.S. in a phased manner and reciprocal manner," said one official familiar with the negotiations. While the total value of India's public procurement market is estimated at \$700-750 billion annually, including spending by central, state and local governments, only federal-level contracts are expected to be opened up initially. State and municipal tenders will remain off limits for now, sources told the



news agency. The development comes as trade minister Piyush Goyal concluded a visit to Washington aimed at accelerating bilateral talks. Both sides are hoping to finalise an interim deal before the 90-day tariff pause announced by President Donald Trump expires in July. The US had threatened a 26% tariff on certain Indian imports if a deal isn't reached in time.India has long resisted joining the

WTO's Government Procurement Agreement, citing the need to shield domestic small businesses. However, officials stress that the new approach won't compromise that principle.

A quarter of government contracts will remain reserved for Indian small businesses, said Anil Bhardwaj, secretary general of FISME, an industry group representing micro and small enterprises, told Reuters. The commerce ministry has maintained that any foreign access to procurement markets will be tightly controlled, limited to non-sensitive sectors, and matched with reciprocal access for Indian firms abroad.

For Indian exporters, this could open up new global tendering opportunities while giving New Delhi a bargaining chip in trade talks. "Opening procurement to foreign firms on a reciprocal basis offers an opportunity for Indian businesses in overseas markets as well," added

Microsoft, Google and more cut over 61,000 jobs in 2025: Here's why

New Delhi. Job losses are back in the spotlight in 2025, with thousands of workers being laid off by well-known companies. The reasons? Slower income growth, global uncertainty, and a rising push to use artificial intelligence (AI) to handle tasks once done by people.

So far this year, more than 61,000 workers have lost their jobs across over 130 companies, according to Layoffs.fyi.One of the biggest cuts came from Microsoft, which let go of 6,000 employees, its largest round of job losses since 2023. Nearly 2,000 of these were in Washington state alone. The company said it's cutting down on layers of management and focusing more on roles in engineering.

Google has also quietly trimmed its staff over the past few months. Around 200 people from its advertising and sales team were laid off in early May. This CrowdStrike recently let go of 5% of follows earlier cuts in its Pixel,



Android, Chrome, and cloud units, part of a broader reshuffle after major layoffs in 2023.Amazon has also reduced staff, this time in its Devices and Services unit, which looks after products like voice assistants and ereaders. 100 jobs were cut to help the business better match its product goals.Cybersecurity company

its staff to stay focused on long-term profit goals.

BM's CEO recently shared that the company has used AI to take over tasks once done by several hundred people in its HR team. While several hundred roles were affected, the company didn't simply cut jobs. Instead, it shifted its focus and hired new staff in programming and sales. The move shows how the

company is using AI not just to cut costs, but also to grow where it sees the most value. Meanwhile, these layoffs also highlight how companies are shifting gears, cutting costs, streamlining work, and leaning more on AI. While old jobs fade out, new ones are popping up where future growth is expected.

Reliance Power Ltd share price rises over 18%. Should you buy

New Delhi Shares of Reliance Power Ltd saw a strong jump of 18.66% on Friday, reaching a high of Rs 52.90 during the day. At the last update, the stock was trading 17.90% higher at Rs 52.57. With this rise, the share has gone up 17.53% so far in 2025.

Reliance Power has gained 20.77% in the last month, 51.98% over the last six months, and 99.13% over the past year. Over the last five years, it has gone up by a massive 2,820.56%.

One of the main reasons for the rise in Reliance Power's stock price is its recent partnership with Bhutan's Druk Holding and Investments (DHI).

The two companies will set up India's largest solar power project through a Rs 2,000 crore joint venture. The project will have a capacity of 500 megawatts (MW) and will be developed under a 50:50 partnership. It will follow a Build-Own-Operate (BOO) model.In a statement, Reliance Power said, "The landmark solar investment in Bhutan underscores Reliance Group's strategic focus on expanding its renewable energy portfolio, while reinforcing its long-term commitment to strengthening India-Bhutan economic cooperation. Reliance Power's total clean energy pipeline stands at 2.5 gigawatts peak (GWp) in the solar segment, making it India's largest player in the integrated solar and Battery Energy Storage System (BESS) segment."Market experts believe that the rise in Reliance Power's share price may be linked to overall positive developments in the power and renewable energy sectors.Kranthi Bathini, Director of Equity Strategy at WealthMills Securities, said that the stock could be gaining due to these favourable conditions. However, he also warned that the stock has destroyed investor wealth in the past and is only suitable for those with a high-risk appetite. Technical analyst Jigar S Patel from Anand Rathi said that the stock has support at Rs 48 and resistance at Rs 53. "A decisive move above Rs 53 level may trigger a further upside towards Rs 56. The expected trading range will be between Rs 46 and Rs 53 for the short term," he said. The share is trading above all major simple moving averages (SMAs) — including the 5-day, 10-day, 20-day, 30-day, 50-day, 100-day, 150-day and 200-day averages. This suggests a strong positive trend. The 14-day Relative Strength Index (RSI) of the stock is 75.88. An RSI above 70 is considered overbought, which means the stock might be due for a correction. According to BSE data, Reliance Power's price-to-earnings (P/E) ratio stands at 327.81

Bajaj Auto to take over KTM with massive €800 million deal

New Delhi. Bajaj Auto has announced that it will take control of Austrian motorcycle brand KTM AG through an 800 million deal. The move is aimed at helping KTM recover from financial trouble and marks a major step forward for Bajaj, which has been a minority investor in KTM since

Thursday, Bajaj Auto said, "Execution of Facility Agreement between BAIH and KTM AG for a secured term loan of Euro 450 million (equivalent to Rs 4,365 crore at an assumed exchange rate of 1 Euro = Rs 97) to be provided to KTM, and remitted to the escrow account of the Administrator towards payment to the creditors' quota of KTM as approved by the competent Court in Austria."Bajaj Auto also said it will subscribe to convertible bonds worth 150 million (about Rs 1,455 crore) issued by Pierer Bajaj AG (PBAG), the joint venture company formed by Bajaj and KTM's parent.

KTM'S FINANCIAL TROUBLES



KTM AG, which produces and sells motorcycles under the KTM and Husqvarna brands, had filed for courtled restructuring in Austria in November 2024 after running into serious cash problems. The company sells bikes in nearly 80 countries but was hit by liquidity issues that made it difficult to continue regular operations.As part of the courtapproved restructuring plan, KTM's creditors are expected to get 30% of their dues in cash by May 23. The remaining amount will be managed under the restructuring process.

To help KTM recover, Bajaj Auto has already invested 200 million and plans

to provide another 600 million, taking the total to 800 million. The financial support will be used to pay creditors and restart the business. This step will also allow Bajaj to move from being a passive investor to taking active control. Through its unit Pierer Bajaj AG, Bajaj will now have a controlling stake in KTM's parent company, Pierer Mobility AG.Bajaj Auto currently holds a 37.5% stake in KTM through its investment arm. The two companies have also been working together in India to jointly develop motorcycles, with Bajaj manufacturing KTM and Husqvarna bikes at its Chakan plant near Pune. This move by Bajaj Auto is not just a rescue for KTM but also a strategic shift. By taking charge, Bajaj is strengthening its position in the global motorcycle market. The company is well-known for its Pulsar range and is now looking to play a bigger role in the premium and mid-range global motorcycle segments through KTM and Husqvarna.

India's crude oil and petroleum product output, refinery throughput fall in April 2025

The indigenous crude oil and condensate production recorded a 3.1% drop.

NEW DELHI. India's indigenous crude oil production, refinery throughput, and output of finished petroleum products witnessed a decline in April 2025, according to data released by the Petroleum Planning and Analysis Cell (PPAC) on Thursday.

The indigenous crude oil and condensate production in April 2025 recorded a 3.1% year-on-year decline compared to April 2024. Crude oil processed by Indian refineries during the same month also saw a marginal reduction of 0.6%, while the production of finished petroleum products fell by 4.2%. According to the PPAC, India's indigenous crude oil and condensate production stood at 2.3 million metric tonnes (MMT) in April 2025. Of this, Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) contributed the largest share at 1.5 MMT, followed by



Oil India Limited (OIL) with 0.3 MMT, and Production Sharing/Revenue Sharing Contracts (PSC/RSC) operators accounting for 0.5 MMT. The decline in domestic production is primarily attributed to the natural depletion of mature, decades-old oil fields. Despite technological advancements, extracting the remaining reserves from these aging

fields is becoming increasingly complex and cost-intensive. Total crude oil processed by Indian refineries in April 2025 stood at 21.5 MMT, a slight decrease of 0.6% compared to April 2024. Public Sector Undertakings (PSUs) such as Indian Oil Corporation Limited (IOCL), Bharat Petroleum Corporation Limited (BPCL), and

Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL), along with joint venture (JV) refiners, processed a total of 15.2 MMT.Private refiners like Reliance Industries and Nayara Energy handled the remaining 6.3 MMT. Of the total crude processed, 19.6 MMT was imported, while 1.9 MMT came from indigenous sources. The production of petroleum products in April 2025 dropped by 4.2% to 22.4 MMT compared to the same period in 2024. High-Speed Diesel (HSD) remained the dominant product, accounting for 42.2% of the total production.

This was followed by Motor Spirit (MS or petrol) at 17.5%, Naphtha at 6.5%, Aviation Turbine Fuel (ATF) at 6.4%, Pet Coke at 5%, and Liquefied Petroleum Gas (LPG) at 4.4%. The remaining share included products such as bitumen, fuel oil/LSHS, light diesel oil, and lubricants.

The decline in petroleum product output also impacted exports. According to the PPAC, exports of petroleum oil and lubricants (POL) products fell by 12.4% in April 2025 compared to the same month last year.

President confers six Kirti

What caused IndiGo flight's massive air turbulence?

eIndigo flight from Delhi to Srinagar hit severe turbulence amid thunderstorm a Turbulence caused by strong updrafts and downdrafts in storm system -227 passengers panicked; damage to aircraft nose visible post-landing

Supreme Court says

maternity leave vital part of

women's reproductive rights

New Delhi. The Supreme Court on Friday ruled that

maternity leave was an integral component of

maternity benefits and a vital part of women's

reproductive rights. The top court further said that no

institution could deprive a woman of her right to

maternity leave. The landmark order came on a petition

filed by a Tamil Nadu woman government teacher who

was denied maternity leave after the birth of her child

In her petition, the woman said her maternity leave was

denied on grounds that she had two children from her

first marriage. Tamil Nadu has a rule that maternity

benefits will only be extended to the first two children.

The petitioner said she had not availed of any maternity

leave or benefits for her two children from her first

marriage. The woman also claimed that she entered

Advocate KV Muthukumar, representing the petitioner,

said the state's decision violated her fundamental rights

as she previously didn't avail of Tamil Nadu's

government service only after her second marriage.

Airspace near Andaman &

Nicobar shut till Saturday for

from a second marriage.

maternity benefit provisions.

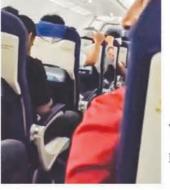
New Delhi. On Wednesday, an Indigo flight travelling from Delhi to Srinagar encountered severe air turbulence while passing through a thunderstorm mid-air, sparking panic among the 227 passengers on board. The intensity of the turbulence was extraordinary, leading to a distressing experience captured on video by several passengers. The footage-widely shared on social media-shows frightened travelers, some clutching their seats and others praying, as the aircraft shook violently amid the storm. Adding to the alarm was visible

damage to the aircraft, most notably a broken nose section. Images of the damage quickly circulated online after the plane landed safely. Though the aircraft touched down without further incident, the episode highlighted the unpredictable and dangerous nature of extreme weather events in aviation.

WHY WAS THIS INCIDENT SO SEVERE?

While turbulence is a common occurrence for frequent flyers, experts say the severity experienced on this Indigo flight was unusual. Meteorological specialists from India Today investigated the cause behind this intense





WHY DID THE AIRCRAFT SUDDENLY GAIN AND THEN LOSE ALTITUDE?

Turbulence usually occurs due to sudden changes in wind speed or direction-particularly near clouds, storms, or jet streams. In this case, the aircraft encountered a rapidly developing thunderstorm, which produced violent updrafts and downdrafts that significantly disturbed the plane's stability. These vertical air movements are common in storm systems and result from uneven heating of the earth's surface, mountainous terrain, and intense storm dynamics. During such events, air can rise or fall at very high speeds.

Initially, the Indigo aircraft experienced an

updraft—a rising column of warm air that can lift an aircraft sharply. Normally, pilots try to avoid such systems by rerouting. However, in this situation, downdrafts followed-columns of cooler air descending rapidly, which can push the aircraft downward by thousands of feet. Pilots must exercise great skill to safely navigate these conditions.

WHAT HAPPENS DURING UPDRAFTS AND DOWNDRAFTS?

RK Jenamani, a senior scientist at the India Meteorological Department (IMD), explained, "An updraft is a rising current of air, often found within clouds. These

are driven by thermal processes-such as daytime heating-where the sun warms the ground, causing air to rise. Water vapour, being lighter than air, ascends rapidly. Conversely, a downdraft is a sinking column of air, usually triggered by cooling effects like the evaporation of cloud particles, which increases air density and drives it downward."

WHAT HAPPENED TO THE INDIGO FLIGHT MID-AIR?

According to experts, the Delhi-Srinagar flight got caught in a strong updraft-downdraft cycle, with vertical air currents possibly displacing the aircraft by 2,000 to 6,000 feet.

brilliant.

favour of the officer.

Our defence forces are the best

and these women officers are

The level of professional

quality and coordination they

displayed during Balakot or

Operation Sindoor is unmatched. That is why we

salute them. They are

definitely the wealth of our

nation. In other words, they

are the nation. They can see

even in the darkness of night,"

said Justice Surya Kant. Aishwarya

Bharti submitted that most officers in

the forces are brilliant, but the

question boils down to comparative

forces young and stated the the 'steep

pyramidical structure' requires certain

officers to 'go out' after serving 14

merit.

Chakras, 33 Shaurya Chakras to Army, police personnel

New Delhi.President Droupadi Murmu on Thursday conferred six Kirti Chakras, including four posthumously, to personnel of the Army and Jammu and Kashmir Police for displaying indomitable courage and extraordinary valour in the line of duty.Kirti Chakra is India's secondhighest peacetime gallantry award. Col Manpreet Singh of the Sikh Light Infantry, two other army personnel from the Rashtriya Rifles and a Jammu and Kashmir Police officer have been conferred the Kirti Chakra posthumously, according to the list of awardees shared by the government.

President Murmu, who is the Supreme Commander of the armed forces, also presented 33 Shaurya Chakras, including seven posthumously, to the personnel of the armed forces, Central Armed Police Forces and state/Union Territory police during a defence investiture ceremony held at the Rashtrapati Bhavan, the Defence Ministry said in a statement.

Maj Malla Rama Gopal Naidu of the Maratha Light Infantry, 56 Rashtriya Rifles, and Major Manjit of the Punjab Regiment, 22 Rashtriya Rifles, received Kirti Chakra. Rifleman Ravi Kumar, the Jammu and Kashmir Light Infantry, 63 Rashtriya Rifles; Colonel Manpreet Singh, of the Sikh Light Infantry, 19 Rashtriya Rifles; Naik Dilwar Khan, the Regiment of Artillery, 28 Rashtriya Rifles; and Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat of the Jammu and Kashmir Police were conferred India's secondhighest peacetime gallantry award posthumously. The Rashtrapati Bhavan later also shared pictures from the ceremony on its official X handle. "President Droupadi Murmu conferred Shaurya Chakra upon Squadron Leader Deepak Kumar, Flying (Pilot). His undaunted courageous decision in a life-threatening situation to force land the aircraft on a dark night ensured the safety of a valuable national asset and precluded a probable loss of lives," it said in a

No Supreme Court Relief For Main Accused In Rs 3,200 Crore Andhra Liquor Scam

New Delhi. The Supreme Court on Friday upheld the arrest of the prime accused in the Rs 3,200crore Andhra Pradesh liquor scam case.

An Andhra Pradesh Special Investigation Team (SIT) arrested K Rajasekhar Reddy, an IT advisor to former chief minister YS Jagan Mohan Reddy, last month. Reddy, however, called his arrest "illegal". A division bench of Justice JB Pardiwala dismissed his petition, citing "no merit" in the appeal. The top court said that Reddy can apply for regular bail.

In a remand report of Reddy, the SIT said he was allegedly responsible for the discontinuation of popular liquor brands and the promotion of blue-eyed brands' (favoured brands), along with other persons.

'Investigation so far done revealed that Kasireddy Rajasekhar Reddy is the key person in criminal conspiracy and execution in organising the kickbacks driven liquor trade in AP (Andhra Pradesh) during 2019 - 2024," the remand report submitted to a local court said on April 22.It claimed that the automated system of placing orders for the procurement of liquor from distilleries for sale through government retail outlets was allegedly manipulated. nationally reputed brands were removed, and orders were placed on new brands way beyond the prescribed caps.

Kickbacks of Rs 150 per case of cheaper brands, Rs 200 for mid-range brands and Rs 600 per case for high-end brands were collected, it alleged. The collected amounts were handed over to Reddy, who would pass the money to the YSRCP leaders, the note alleged.

'This is a case of conspiracy, cheating, criminal breach of trust, corruption and money laundering which caused huge wrongful loss to the state exchequer/distilleries and wrongful gain to influential individuals/blue-eyed distilleries/blue-eyed suppliers to a tune of more than Rs 3,200 crore, that occured between October 2019 and March 2024 in AP State Beverages Corporation Ltd, Vijayawada," the remand note said.

Supreme Court halts IAF's release of officer involved in Op Sindoor from service not create any equities in

New Delhi. The Supreme Court on Thursday issued a stay on the release of Wing Commander Sucheta from the Indian Air Force after she was denied permanent commission. The officer reportedly participated in the recently concluded Operation Sindoor and Operation Balakot in 2019. Delivering the judgement, a bench of Justices Surya Kant and N Kotiswar Singh stayed her

release from the Air Force until further

Justice Surya Kant lauded the Indian Air Force for its achievements and said that they are proud of such brave officers. The court has also issued a notice to the Central government and the Indian Air Force on the petition of the Wing Commander.



being denied a Permanent Commission, Additional Solicitor General Aishwarya Bharti said that a Board had found her unfit; however, a second Board is set to consider her case, reported Live Law.To this, Justice Kant said, "Let her continue She emphasised the need to keep the for some time."

According to the Live Law report, while

staying her release from the service, On being questioned as to why she was the bench clarified that the order shall

Around 4 terrorists hiding in forest as Kishtwar standoff continues: Sources

New Delhi. Security forces on Friday continued search operations to track down terrorists believed to be hiding in the Chatroo forest belt of Kishtwar Despite extensive efforts by the security district, Jammu and Kashmir. Security

been able to make any fresh contact with terrorists. A group of 3 to 4 terrorists are believed to be hiding in the dense forests.

Security forces, including the Army's elite Para Commandos, Jammu and Kashmir Police's Special Operations Group (SOG), and Central Reserve Police Force (CRPF) teams, have intensified their search efforts to track down the militants, who are suspected to have split into two groups

to evade capture. According to sources, the terrorists are hiding in the rugged terrain of the Chatroo forest, with

terror attack, the Moosa Fauji

extensive combing operations.

group remains untraceable despite

Security forces are grappling with

New Delhi. A month after the terror attack in

Pahalgam that claimed 26 lives, security

forces are still pursuing members of the

Moosa Fauji group, affiliated with

Lashkar-e-Taiba. Despite sustained

search and combing operations, the group

continues to evade capture, highlighting

the operational challenges on the ground

and the complex factors hindering efforts

to bring the perpetrators to justice.

significant challenges, including

radio silence and the region's

difficult terrain.

search operations now focusing on Singhpora and Beighpora villages, located just 3 kilometres apart..

forces, the terrorists continue to elude Two other Army personnel were injured forces have informed that they have not them, prompting the deployment of in the operations and are currently



additional teams to comb the area. Earlier, on Thursday, an Army personnel, Sandip Pandurang from Maharashtra, attained martyrdom during an intense

encounter with the terrorists. The authorities held a wreath-laying ceremony in Jammu to honour the fallen Jawan.

receiving treatment at a military hospital. According to sources, both the personnel are stable currently.

Additionally, Jammu and Kashmir's Director General of Police Nalin Prabhat had visited the Singhpora-Chatroo area of District Kishtwar on May

The DGP was accompanied by IGP Jammu Zone Bhim Sen Tuti and DIG DKR

Range Shridhar Patil. He held a comprehensive review of the ground situation and strategy with officers

One month on, hunt for Pahalgam

likely missile test: Geo analyst

New Delhi. The airspace near the Andaman and Nicobar Islands will remain shut till Saturday for a likely missile test in the region, Geo-analyst Damien Symon has said. India has issued a Notice to Airmen (NOTAM) around the Andaman and Nicobar Islands for May 23-24, 2025, for a likely missile test in the region, Symon wrote on X.The notification, which restricts airspace movement temporarily, is a routine procedure often preceding strategic weapons testing. Though the X post doesn't specify the nature of the missile test, the airspace above the Bay of Bengal and the Andaman Sea is likely to remain closed till

Notably, the likely missile test comes after the recent heightened tensions between India and Pakistan following Operation Sindoor that was launched on

As part of Operation Sindoor, India conducted precision strikes targeting terror infrastructure in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, in retaliation to the April 22 terror attack in Pahalgam. In response, Pakistan launched aerial attacks on Indian military bases, civilian areas, schools and religious places over the next three days using drones and missiles.In April 2024, the Indian Air Force (IAF) successfully test-fired a new variant of an air-launched medium-range ballistic missile capable of striking targets over 250 km away in the Andaman and Nicobar Islands.

terror attackers still underway CONSPIRACY ∞A month after the Pahalgam

From the beginning, investigators recognised the attack as part of a wellorchestrated conspiracy. The terrorists could have conducted multiple missions and carefully mapped their escape routes. They chose the Baisaran meadow for its negligible security presence -- the nearest CRPF camp was a three-kilometre trek away. This strategic selection created a crucial onehour gap between the attack and the arrival of forces, giving the terrorists RADIO SILENCE HAMPERS INTEL ample time to execute the carnage and disappear into the dense forests.

A HIDDEN FOREST HIDEOUT?

Sources in the security grid suggest that the attackers may be hiding in a wellentrenched, concealed hideout within the forested areas of South Kashmir. This hideout, likely prepared in advance, is believed to be stocked with enough food and supplies to sustain the group for months. After the attack, the terrorists



reportedly dumped their weapons and went underground, complicating tracking

In a significant shift from past patterns, the group has maintained complete radio silence. Over the years, communication intercepts between Lashkar cadres and handlers in Pakistan-occupied Kashmir have provided critical leads in anti-terror operations. However, the Moosa Fauji group has not emitted any digital or heat signatures and has avoided contact with overground workers. With no electronic trail to follow, forces are now heavily

SEARCH EXPANDS BEYOND

After extensive combing operations around Baisaran meadow, search teams have widened their radius to include vast stretches of South and Central Kashmir. Security personnel liken the task to "searching for a needle in a haystack." Thousands of troops are currently deployed to comb through dense jungles and remote terrains.

HOT ZONES AND LASHKAR'S TRAIL

Security sources reveal that the Lashkar hit squad has been crisscrossing regions from North to South Kashmir, even venturing across the Pir Panjal range to Kishtwar. The group has reportedly been involved in multiple attacks on Army positions, including the recent strike at the Z-Morh tunnel in Sonamarg. Their ability to swiftly shift locations indicates deep knowledge of the jungle tracks connecting areas like Anantnag, Kokernag, Tral, and the Dachigam forests near Srinagar.

Japan's Rice Crisis: Prices Soar, Supplies Dwindle And A Minister Resigns

world. Rice is essential to Japanese culture, tradition and politics. People take pride in the oval-shaped sticky Japonica grain, which is still a staple even though total consumption has fallen over the decades.

But since last summer, prices have soared as supplies have fallen short of demand. The government has long paid farmers to cut back on rice acreage, and change to other crops to keep rice prices relatively high.To cope with shortfalls this year, the government has released rice reserves. But the grain has been slow to reach supermarket shelves. Anger over that was part of the reason the agriculture minister quit this week. Consumers are frustrated and wondering where's the rice?

Why did the farm minister resign?

Agriculture Minister Taku Eto resigned Wednesday after he raised an uproar by saying he "never had to buy rice," because his supporters give it to him as gifts. The remark was seen as utterly out of touch with the realities of ordinary people struggling to make ends meet and to afford rice to eat. Eto apologised, but he was obliged to step down as damage control by Prime Minister Shigeru Ishiba, whose minority government faces a big challenge in a crucial national election in July. Eto's successor is former environment minister Shinjiro Koizumi, who has taken part in reforming Japan's powerful agriculture lobby. He's been tasked with investigating and resolving the rice problem. What's happening to rice in Japan? Rice started disappearing from supermarket shelves, and prices surged to twice normal levels since last summer, when a warning about a possible "megaquake" triggered panic buying. The top "Koshihikari" brand now sells for nearly 5,000 yen (\$35) per 5 kilograms (11 pounds). Rice stocks at Japan Agricultural Cooperatives and other commercial wholesalers have been 400,000 tons short of last year's levels, hitting a record low 1.53 million tons as of June, farm ministry data show.

Court papers say suspect in Israel embassy killings said, 'I did it for Palestine; I did it for Gaza'

WASHINGTON. The man accused of fatally shooting two staff members of the Israeli Embassy in Washington outside a Jewish museum told police after his arrest, "I did it for Palestine; I did it for Gaza," federal authorities said on Thursday in announcing charges in the killings they called a targeted act of terrorism. Elias Rodriguez, 31, shouted "Free Palestine" as he was led away after his arrest, according to charging documents that provided chilling new details of the Wednesday night shootings in the nation's capital that killed an American woman and an Israeli man who had just left an event at the museum. They were set to become engaged.

The attack prompted Israeli missions to beef up their security and lower their flags to half-staff. It came as Israel continues to target civilians in the Gaza Strip amid heightened tensions across the Middle East and internationally, and that law enforcement officials have repeatedly warned could inspire violence in the US.Rodriguez faces charges of murder of foreign officials and other crimes and did not enter a plea during a perfunctory court appearance.

Additional charges are likely, prosecutors said, as authorities continue to investigate the killings as both a hate crime against the Jewish community and terrorism. "Violence against anyone based on their religion is an act of cowardice. It is not an act of a hero," said Jeanine Pirro, the interim US attorney for the District of Columbia."Antisemitism will not be tolerated, especially in the nation's capital.'

Affidavit says suspect declared that he 'did it'

After the shooting, the suspect went inside the museum and stated that he "did it." He was no longer armed by the time he was taken into custody, according to the affidavit. "I did it for Palestine, I did it for Gaza, I am unarmed," he spontaneously said.

Flagrant attack': South Asian student group slams Trump's move to bar Harvard from enrolling foreign students

NEW YORK. A prominent South Asian student group at Harvard has "strongly condemned" the Trump administration's decision to revoke the university's eligibility to enrol foreign students, terming it an "unwarranted and flagrant attack" and calling on varsity's administration to maintain steadfast support for its international student community.In an unprecedented development, te Trump administration on Thursday ordered the Department of Homeland Security to terminate Harvard University's Student and Exchange Visitor Programme (SEVP) certification."This means Harvard can no longer enrol foreign students and existing foreign students must transfer or lose their legal status," the federal agency said. The Harvard South Asian Association (SAA) said it "strongly condemns" the US Department of Homeland Security's recent decision to revoke Harvard's Student and Exchange Visitor Programme (SEVP) certification, barring future enrollment of international students and forcing current international students to transfer."Amid this unwarranted and flagrant attack," SAA expressed its "unwavering support for our international community.SAA called on Harvard's administration, faculty and students to maintain "steadfast support for its international student body in these turbulent times. To all international students: you belong at Harvard and we will stand for you.""We stand with our South Asian peers and community members who have been adversely impacted," the organisation said in a post on Instagram.It added that international students bring integral and immeasurable value to both SAA and the entire Harvard community.

"Terror Will Not Break Us": World Reacts To Israel Embassy Staff Killings

Lahore. Army chief Gen Asim Munir should have given himself the title of "king" instead of field marshal as Pakistan is currently governed by the jungle law, jailed former premier Imran Khan said on Thursday.Gen Munir was promoted to the rank of Field Marshal on Tuesday for his role in the recent conflict with India, becoming the second top military officer in the country's history to be elevated to the position." Masha Allah, General Asim Munir has been made Field Marshal. Though frankly, it might have been more fitting to give him the title of 'King' instead - because right now, the country is ruled by the law of the jungle. And in the jungle, there is only one king," Khan posted on X.

Khan, who has been in jail since August 2023 in multiple cases, also said that rumours of a deal being made with him are entirely false. "No deal has taken place, nor is any dialogue underway. These are baseless lies." He, however, openly invited the military establishment to have talks with him if it truly cared about Pakistan's

interests and future."The country is facing external threats, a surge in terrorism, and an economic crisis. We must unite. I have never asked for anything for myself before, nor will I now," he said.Khan also cautioned the Shehbaz Sharif government about India's another attack and said they must be prepared for any such situation.He said Pakistan has been turned into a place where the law only applies to the weak, never the powerful.

"The ongoing situation reflects that the very spirit of democracy is being crushed. When you send the message that the bigger the thief, the higher the office they'll hold -

you bury justice. The NAB still holds a case against (President) Asif Zardari's sister involving five apartments registered under employees' names. She is abroad, and no one dares question her. Shahbaz Sharif was accused in PKR 22-billion money laundering case, yet he was made

Prime Minister," he said. Khan further said that over the past three years, Pakistan's moral and constitutional framework has been utterly destroyed."A farcical trial has been resumed in the Toshakhana-II case. Just like in prison, court proceedings are dictated by the will of a single colonel. My sisters and lawyers are being barred from court; my companions are not allowed to meet me; I am denied contact with my children for months; even my books are not delivered, and I am denied access to my physician. This is a continued violation of court orders and laws," he said.He said he received information about drone attacks carried out in areas of Khyber Pakhtunkhwa and directed the Khyber Pakhtunkhwa government to officially lodge a protest with the federal government and take immediate steps to stop these drone strikes.

"The killing of innocent civilians in drone attacks does not reduce terrorism as it only fuels it further. After years of struggle, we had succeeded in halting American drone operations in Pakistan. If you claim to be against terrorism, then do not drop bombs on the homes of your own people," he added.

Israeli staffers' killing in Washington was planned, shooter said 'did it for Gaza': FBI

world. The main accused in the Washington, DC shooting incident, Elias Rodriguez, 31, shouted, "I did it for Palestine, I did it for Gaza," after killing two Israeli Embassy staffers outside a Jewish museum, according to federal agents who described it as an act of terrorism.

Rodriguez was heard screaming "Free Palestine" as he was being taken into custody, shortly after shooting an American woman and an Israeli man, who were set to get engaged.Documents detailing Rodriguez's custody have revealed chilling details about Wednesday's shooting incident. According to reports, Rodriguez refused to respond to any charges levelled against him when he was briefly produced before a court. Documents detailing Rodriguez's custody have revealed chilling details about Wednesday's shooting incident. According to reports, Rodriguez refused to respond to any charges levelled against him when he was briefly produced before a court.Additional charges are likely to be slapped against the accused as prosecutors probe the incident, seeing

it as a hate crime against Jews and, additionally, an act of terrorism, reported international news agency Associated Press.

MURDER WELL-PLANNED: FBI According to an affidavit by the Federal Bureau of Investigation (FBI), the US



domestic intelligence agency -- which "I did it for Palestine, I did it for Gaza, I was made public on Thursday -- the Israeli Embassy staffers were murdered in cold blood, with the case described as calculated and wellplanned. The authorities further said that Rodriguez carried a gun in his hand baggage as he was travelling to Washington from Chicago on Tuesday. According to the affidavit, he had

already purchased a ticket three hours ahead of the event at the Jewish Museum. Eyewitnesses reported Rodriguez's behaviour as suspicious, noting that he was pacing up and down in front of the museum before approaching a group of four and

opening fire. In the surveillance footage accessed by the FBI, the domestic intelligence agency stated that Rodriguez closely examined the two victims after they were lying on the ground. He appeared to reload but then jogged away, according to the FBI affidavit.Following the chilling incident, the accused walked inside the museum, saying that he "did it." The affidavit says that he was unarmed at that time.

am unarmed," he said.

Condemning the incident, FBI chief Kash Patel didn't stop short of calling the incident an "act of terror," saying: "Last night's act of terror has the full attention of the FBI. Targeted anti-Semitic violence is an attack on our core values and will be met with the full weight of federal law enforcement.'

Looked Distressed, Witnesses Mistakenly Helped Man Who Killed Israeli Staff

Washington. After the street outside the Capital Jewish Museum in DC echoed with sounds of gunshots, witnesses offered water and help to a man they thought was a traumatised bystander. Minutes later, they learnt he was the man who allegedly shot dead the two Israeli diplomats. Elias Rodriguez, 30, appeared visibly distressed and disoriented when he entered the museum after Wednesday night's shooting. Witnesses rushed to help him, unaware he had just gunned down Yaron Lischinsky, 28, and Sarah Milgrim, 26, outside the American Jewish Committee's ACCESS Young Diplomats Reception."He was soaking wet, in a state of shock," Yoni Kalin, who was inside the event, told The NY Post. "We just thought he was a bystander."

Sara Marinuzzi, another witness, said Rodriguez entered the museum shortly after the shooting. "We all figured he was a witness [because] he was so shaken up," she said. He stayed with the group for 10-15 minutes as they believed they were sheltering alongside a fellow survivor. Witnesses said they acted on instinct. "When a man comes running in distress, the immediate instinct is to help," said Ms Marinuzzi. "And that's what we did."Mr Kalin recalled Elias Rodriguez being calm until police arrived, when he



4 Killed, Around 50,000 Remain Stranded In Flood-Hit Australia

Sydney. The body of a man was found in Johnston told reporters. Television Prime Minister Anthony Albanese said Australia's southeast on Friday, raising the death count to four, after three days of incessant rain cut off entire towns,

swept away livestock and destroyed homes.Police said the man was found near Coffs Harbour, around 550 km (342 miles) north of Sydney. The search continued for a person missing since the deluge began early this week.

Around 50,000 people are still isolated, emergency services personnel said, as they look to ramp up efforts to supply essential supplies after weather conditions eased.But authorities warned residents returning to their flooded homes to watch out for dangers.

"If your home or premise has been inundated, floodwaters have contaminants. There can be vermin, snakes ... So you need to assess those risks. Electricity can also pose a danger as well," state Emergency Services Deputy Commissioner Damien



rising waters burst river banks and flooded several rural towns in the Hunter and Mid North Coast regions of New South Wales, Australia's most populous state. Debris from the floods, and dead and lost livestock, have washed up on the coast.

a car trapped in floodwaters in videos showed submerged he would visit the flood-hit towns on intersections and street signs, cars up to Friday."It's pretty horrific, the .. this is a really serious situation," Albanese told

radio station Triple M Newcastle.More than 100 schools remained closed on Friday, while thousands of properties were without power. Rivers would stay above danger levels for several days, authorities said.A wild weather system that dumped around four months of rain over three days shifted south towards Sydney on Thursday,

though the weather bureau, in its latest update, said it is expected to ease by Friday evening.

Warragamba Dam, which supplies 80% of Sydney's water supply and is currently at around 96% of capacity, could spill over soon after heavy rain overnight, officials said. suddenly confessed, saying, "I did this. I did this for Gaza," and yelled, "Free, Free Palestine. From the river to the sea and there's only one solution, the intifada revolution."

Panic erupted when he reached into his backpack, but instead of a weapon, he pulled out a red keffiyeh scarf. He was then tackled by museum staff and security before being arrested by police.Mr Lischinsky and Ms Milgrim, colleagues and romantic partners from the Israeli Embassy in DC, were shot at while approaching a crosswalk. Security footage shows Rodriguez walking past them, turning, and firing multiple rounds. After they collapsed, he moved closer and fired again, emptying 21 bullets from a 9mm handgun.Elias Rodriguez travelled from Chicago to DC a day earlier with the legally purchased gun in his checked baggage. He was in town for a work-related conference.Mr Lischinsky was pronounced dead at the scene at 9:14 pm. Ms Milgrim died shortly after being taken to the hospital. Elias Rodriguez now faces multiple charges, including

If you block our water...: Pak Army official parrots Hafiz Saeed in threat to India

A Pakistani military spokesperson's threatening remarks towards India, echoing Lashkar-e-Taiba chief Hafiz Saeed's inflammatory language about water, highlighted the alarming overlap between the Pakistan Army's rhetoric and the country's terror networks.

world. In yet another example of the chilling convergence between the rhetoric of the Pakistan Army and the country's terror network, a Pakistani military spokesperson appeared to threaten India using language strikingly similar to that of designated terrorist Hafiz Saeed. A video of Lieutenant General Ahmed Sharif Chaudhry at an event at a Pakistani university showed him saying, "If you block our water, we will



choke you". He was apparently referring to India's recent move to suspend the watersharing treaty after the Paĥalgam terrorist attack. This comment mirrors that of Lashkar-e-Taiba chief Hafiz Saeed, who

had allegedly said, "If you stop the water, God willing, we will stop your breath, and then blood shall follow in these rivers,' according to videos shared by people on the internet, who drew similarities between the

supporting cross-

The army official attempted to engage in an online debate, which quickly escalated into a fresh controversy, with many pointing out the striking similarities.

Mariam Solaimankhil, an Afghan politician and former Member of Parliament, joined the discussion and remarked, "He seems to have copied Lashkr e Taiba's founder Hafiz Saeed word for word "If India stops the water we will stop their breath" I guess the Pakistani military establishment shares a script with recognised terrorists".India Today could not independently verify the timing of Hafiz Saeed's video, which appears to be from an earlier public address. India has recently questioned the 1960 Indus Waters Treaty with Pakistan following the April 22 Pahalgam terrorist attacks. This move is part of a series of punitive measures taken by New Delhi against Islamabad, accusing it of

Sudharsan currently focussed on IPL, not on England tour

AHMEDABAD. Gujarat Titans opener Sai Sudharsan is thrilled about his selection for the upcoming India A tour of England but for now his sights are firmly set on guiding the former champions to Qualifier 1 and final of IPL 2025. The 23-year-old, who has the experience of representing Surrey and scoring a century for the English county side, has been named in the India A squad and is also set to become the rookie face in the Test squad."Mentally, we will have to be switched on for the IPL first. Once that story is over, then we can probably think about the India 'A' story. But definitely happy for that opportunity, and I think I would have a great time there," Sudharsan told reporters on Thursday. The Tamil Nadu opener, currently leading the Orange Cap race with 638 runs in 13 matches, has been one of the standout performers of the season."Right now, the most important thing is to finish in the top two so that we get an extra opportunity (of playing in Qualifier 2), if at all we need. The focus is more on that. Obviously, there are a lot of experiences and learnings in these 13 games (that we have played). So, we keep on filling the gaps wherever we feel like, and we will be ready for the playoffs," Sudharsan said.Sudharsan has been a vital cog in



Gujarat's top order alongside skipper Shubman Gill and wicketkeeper-batter Jos Buttler, forming one of the most formidable top-three combinations of the season.

However, all three fell after getting starts in the game against Lucknow Super Giants, leaving the daunting 236-run chase to the largely untested middle order."I think the IPL is that kind of league where you can't experiment, even if you qualify early in the tournament. So, I don't think you can try a lot of different things in the middle order. Despite a spirited effort from Shahrukh Khan (57 off 29) and Sherfane Rutherford, who shared an 89-run stand, GT fell short by 33 runs" he said.

But I feel the middle order has done pretty well because even in the first 6-7 games, Sherfane stepped up and scored many runs in the middle order, changing games for us. Even in Mumbai, he changed the course of the game.

Two-tier Test cricket needed to give the format a narrative: Michael Vaughan

New Delhi. Former England captain Michael Vaughan has thrown his weight behind the idea of a two-tier Test cricket structure, arguing it could inject much-needed clarity and narrative into the longest format of the game. Vaughan believes the current World Test Championship setup leaves fans confused about which teams are truly in contention and how competitive the format

Speaking during Day 1 of England's one-off Test against Zimbabwe, Vaughan pointed out that the absence of a clear structure makes it harder for fans to stay engaged. A two-league system, he said, would help showcase the best sides consistently competing against each other, offering a clear context for the road to the World Test Championship Final.

"I think it's very confusing if you look at the number of games South Africa have played



compared to what Australia, India, or England have played. It's very hard for the average cricket fan to understand who's the best team in the world and how exactly the top two teams make it to the final. I'd just like it to be a lot clearer. I'd have two leagues,"Vaughan told BBC Sport.

"I just think Test cricket needs more of a narrative. At the minute, it's very confusing, and it's very hard for the public to understand," he added. According to The Age, the ICC is actively discussing a twodivision system that would split Test-playing nations. The proposed top tier would feature India, England, Australia, Pakistan, Sri Lanka, South Africa, and New Zealand. The second tier could include teams like the West Indies, Afghanistan, Bangladesh, Ireland, and Zimbabwe. The idea is reportedly under consideration for implementation after the current Future Tours Programme cycle concludes in 2027. ICC chair Jay Shah is said to have discussed the proposal with Cricket Australia and the England and Wales Cricket Board (ECB) earlier this year.

Sports ministry hikes athletes' diet charges, doubles coaches' salaries

Revision follows the commencement of a new Olympic Cycle post-Paris Olympics 2024, reflecting India's aspirations to host the 2036 Olympic Games and addressing emerging challenges.

New Delhi. BOTH athletes and coaches will see a considerable hike in their dietary allocations and salaries respectively with the sports ministry revising the Scheme of Assistance to the national sports federations on Thursday. Under the revised norms, diet charges for senior sportspersons in national camps have been increased from Rs 690 to Rs 1000 per day per athlete. For juniors, it has been increased from Rs 480 to Rs 850 per day per athlete. Besides, the ministry has also made a provision for the additional diet allowances for certain sports disciplines where it is felt that the diet charges are not sufficient to meet the energy requirements of the athletes for heavy and middleweight power events endurance, sprints, low weight power events, and skill events. Not only this,

a dietary allowance of Rs 10,000 per month to each of the probable group athlete will be paid for non-camp days, so that these athletes are not deprived of proper diet during non-camp days.In its bid to attract top coaches for various disciplines, the ministry has also decided to hike their salaries by 50 per cent. As per the revision, the chief national coach, who used to receive Rs 5 lakh per month, will now get Rs 7.5 lakh per month. For other coaches, it has been increased from Rs 2 lakh to Rs 3 lakh monthly. The revision follows the commencement of a new Olympic Cycle post-Paris Olympics 2024, reflecting India's aspirations to host the 2036 Olympic Games and addressing

emerging challenges. It also considered increased costs due to inflation in training, infrastructure development, equipment procurement, and athlete welfare. The last revision was done in February 2022. The fresh norms mean financial assistance for conducting national championship of a high priority sport has been enhanced to Rs 90 lakh. For the priority sport, it has been increased to Rs 75 lakh.

According to the ministry, these reforms aim to build a robust, accountable, and



performance-driven sports ecosystem, ensuring alignment with India's long-term goal of becoming a global sporting powerhouse and eventual host of the 2036 Olympic Games.

Similarly, financial ssistance for hosting international tournaments in India doubled to ?2 crore. However, the NSFs have been asked to adhere to the guidelines issued in this regard. They have to earmark at least 20 per cent of their annual budget for grassroots development, channeled through affiliate

units for junior/youth development. The NSFs of high priority and priority sports disciplines shall identify a probable group of athletes in two categories of senior group and junior group with high performance potential. These athletes will be trained at accredited academies, selected by NSFs through a fair and transparent process. The training programme delivered at these accredited academies for a particular sport will be monitored by the High

Performance Director of the respective sport. All NSFs also need to have a coaching education expert dedicated for training of trainers. The NSFs with an annual budget of Rs 10 crore and above have to mandatorily appoint an HPD, who in turn will design and monitor the sport's technical development programme. The federations can also engage administrative manpower and up to 10% of funding can be used for appointing CEO/director, managers (finance, competition, coach development, IT, legal), office assistants, interns, etc.

Djokovic celebrates 38th birthday with win over Arnaldi, smashed racket at Geneva Open

Djokovic rallied strongly in the second set for a 6-4, 6-4 win over 39th-ranked Matteo Arnaldi in their quarterfinals match.

GENEVA. Novak Djokovic advanced to the semifinals at the Geneva Open on his 38th birthday Thursday, beating the opponent who eliminated him at the Madrid Masters last month.Djokovic rallied strongly in the second set for a 6-4, 6-4 win over 39thranked Matteo Arnaldi in their quarterfinals match. The second-seeded Djokovic had smashed his racket into the ground behind the baseline after his serve was broken to trail 3-1 in the second set, when he sent a At 4-1 down, and after seeming to strain his



backhand long."I'm sorry for the racket, it's not a good example, particularly for the young ones," Djokovic told the crowd in French in an on-court interview. "Thank for your support. I know that with the cold temperatures, it's not easy to stay here."

right knee stretching for a shot, Djokovic reeled off five straight games for victory. He clinched his first match-

point chance when Arnaldi hit a wild forehand from behind the baseline.

'It was much closer than maybe the scoring indicates," Djokovic said.

On a chilly and rainy day that was tough for higher-ranked players, top-seeded Taylor Fritz lost to sixth-seeded Hubert Hurkacz 6-3, 7-6 (5), and fourth-seeded Karen

Khachanov lost 4-6, 6-4, 6-4 to 128thranked Austrian qualifier Sebastian Ofner. Djokovic's semifinal opponent Friday will be the winner of the late match between Alexei Popyrin, the fifth-seeded Australian, and another qualifier, Cameron Norrie.

win every match. Unfortunately, sometimes the results don't go in our favor. We knew we

were out of the tournament, but our mindset

was to finish the season on a high. We focused on what was still in our hands,"

Avesh said."We were picked for a reason —

to contribute to wins. So we aimed to end

with a victory, and we managed to do that.

Beating Gujarat Titans by 33 runs was a big

confidence booster for us, especially after

losing five or six matches in a row in the

second half. This win has given us a lift, and

RCB vs SRH, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Lucknow pitch conditions

New Delhi. Rajat Patidar's Royal Challengers Bengaluru (RCB) and Pat Cummins' Sunrisers Hyderabad (SRH) will face each other in Match No.65 of IPL 2025 on Friday, May 23 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium in Lucknow.

RCB have already sealed their berth in the playoffs, but there's a lot more at stake. If they beat the Sunrisers, not only will they reclaim their top spot in the table, but also strengthen their chances of qualifying for the playoffs.But if they lose, Gujarat Titans (GT), Mumbai Indians (MI) and Punjab Kings (PBKS) will have a chance of pushing them out of the top two. RCB will also look to regain some momentum after having not played a single game since last facing



Chennai Super Kings (CSK) back on May 3. The Sunrisers, on the other hand, have nothing but pride to play for. They have been indifferent throughout with their big guns not firing enough. But they will be a little high on confidence after beating the Lucknow Super Giants (LSG) by six wickets in their previous

game on May 19. RCB vs SRH: Head-to-Head

RCB and SRH have faced each other 24 times since they first met in 2013. SRH have a slender 12-11 lead with one match ending in a tie. But at neutral venues, the Sunrisers have dominated RCB with a 3-1 lead.

RCB vs SRH: Team News

RCB earlier named Tim Seifert as a replacement for Jacob Bethell, who will resume national duties after SRH's last league match. For the Sunrisers, Travis Head has been declared hit and is most likely to play. Jaydev Unadkat has also rejoined the squad after missing the previous game.

GT win a confidence booster: Avesh Khan says LSG aim to end IPL 2025 strong



New Delhi. Lucknow Super Giants pacer Avesh Khan believes their 33-run victory over table-toppers Gujarat Titans was a much-needed confidence boost for the side, even though their IPL 2025 playoff hopes are already over. Speaking after the win on May 22, Avesh admitted that things hadn't gone in LSG's favour this season but stressed on the team's intent to finish the season on a high.Rishabh Pant's side were officially knocked out of the playoffs race

after a loss to Sunrisers Hyderabad earlier this week. However, they bounced back with an inspired all-round performance to beat the in-form Titans on Thursday. Addressing the media at the post-match press conference, Avesh acknowledged the disappointment of not making the playoffs but remained optimistic about taking the positives from the GT win into their final fixture against Royal Challengers Bengaluru on May 27."Every team plays to

now we'll give it our all to win the next match and finish the season on a positive note," he added. The win was set up by Mitchell Marsh's blistering 117 – his maiden IPL century - supported by explosive cameos from Nicholas Pooran and Rishabh Pant, which helped LSG post a massive 235. In response, GT's top-order — including skipper Shubman Gill, Sai Sudharsan, and Jos Buttler — faltered under pressure. Despite Shahrukh Khan's 57 and Sherfane Rutherford's quickfire 38 off 22, Gujarat fell short. While the win won't change LSG's fate in IPL 2025, it has derailed Gujarat's hopes of finishing in the top two and possibly securing an extra shot at the final

Luka Modric gets emotional tributes from Real Madrid stars: Thank you legend

Luka Modric bid an emotional farewell to Real Madrid, receiving heartfelt tributes from teammates and legends like Rafael Nadal, honoring his legendary career, unmatched leadership, and lasting impact on the club's historic success.

New Delhi. As Luka Modric prepares to end his incredible Real Madrid career, his teammates and club legends have shared heartfelt tributes celebrating not only his unparalleled achievements but also his humility, leadership, and the profound impact he's had on and off the pitch. After 13 remarkable seasons at Real Madrid, Luka Modric is set to bring down the curtain on an extraordinary chapter of his career.From young stars like Vinicius Jr and Jude

Bellingham to seasoned greats such as Kylian Mbappe and Arda Guler, everyone has expressed deep admiration and gratitude. Even tennis legend and Real Madrid board member Rafael Nadal joined in to honour Modric's legacy as a Los Blancos legend.

Vinicius Jr praised Modric's grace, brilliance, and humility, calling his football "pure art" and highlighting the kindness and respect he showed to teammates."How hard it is to say goodbye, Luka...Your story at Madrid is unmatched — 13 seasons, 28 titles — all of it written with grace, brilliance, and a humility that taught me more than a thousand words ever could Your football was pure art, but your kindness and respect towards me were gifts I'll always treasure," Vinicius wrote. Even Luka Modric's former teammate and Real Madrid's all-time leading goalscorer, Cristiano Ronaldo, couldn't hold back from acknowledging the Croatian maestro. The Portuguese star dropped a heartfelt comment on Modric's retirement post, reminiscing about their glorious years together at the Santiago Bernabeu.Jude Bellingham reflected on the privilege of being Modric's teammate, emphasising his



humility and generosity both on and off the field."The only thing outweighing my sadness right now is the gratitude I feel for having had the honour of being your teammate...Brate, from the bottom of my heart, thank you for every pass but more meaningful to me, every chat, every hug, every dinner and every piece of wisdom and advice that you gave," Bellingham wrote.

Although only teammates for a short while, Mbappe was moved by what he called a close-up view of "greatness." I was lucky enough to be able to play and share the locker room with you this season. I saw closer what GREATNESS really means Before to be one of the best players of all time, you are a wonderful person...Thank you for everything LEGEND," Mbappe wrote on his post for Modric.Real Madrid board member and Spanish tennis icon Rafael Nadal also joined in with an emotional tribute."How lucky we have been to be able to enjoy you for so long. Thank you for all these years being an example on and off the field I wish you all the best in the future!" Nadal wrote. Modric's contributions to Real Madrid have been immense, both on and off the field. Over the years, he has been a consistent presence in the midfield, helping the club achieve major successes.

Anusha Sharma

Vaani Kapoor React To Aishwarya **Rai's Viral Sindoor Look From Cannes**

ishwarya Rai is known as the Cannes queen, and rightly so. On Wednesday, she made a statement on the red carpet in a regal white saree. However, what stood out was a streak of sindoor that gleamed brightly on her hair parting. While fans have been gushing over Aishwarya's Cannes look, celebs too have been expressing love for the Devdas actor. Anushka Sharma, Bhumi Pednekar, Vaani Kapoor, Neil Nitin Mukesh, Masaba Gupta, Sophie Choudry, The Jewel Thief fame Nikita Dutta, Himanshi Khurana, Kusha Kapila, and several other who's who from showbiz expressed love for Aishwarya's sindoor look by 'love-



reacting' her picture. Richa Chadha, who has often expressed her love for Aishwarya, called her "Queen". Take a look at Aishwarya's photos from Cannes:

Some netizens speculated that Aishwarva's sindoor might have been a subtle but powerful reference to Operation Sindoor, the Indian Armed Forces' retaliatory strike on terrorist infrastructure in Pakistan and Pakistan-occupied Jammu and Kashmir. The overnight operation, conducted from May 7 to 8, was in response to the horrific Pahalgam terror attack that claimed the lives of 26 tourists. Following the national operation, Aishwarya's appearance at Cannes in traditional attire with red sindoor led many online users to draw a connection.

On the professional front, Aishwarya Rai was last seen in Mani Ratnam's Ponniyin Selvan: II, where she reprised her role as Nandini. She has yet to announce her next project. Meanwhile, Abhishek Bachchan appeared in the Amazon Prime original Be Happy. He will be next seen in Housefull 5 and Raja Shivaji.

Aishwarya Rai wearing sindoor at Cannes meant two things for her fans. A section of social media users claimed that wearing sindoor on a global platform such as Cannes was her strong response to rumours of trouble in her and Abhishek Bachchan's marriage.

Bhumi Pednekar's

High-On-Bling Photos Make Samantha **Ruth Prabhu Scream 'Stunning'**

humi Pednekar, who garnered mixed reactions for her latest appearance in the romantic comedy-drama television series The Royals, directed by Priyanka Ghose and Nupur Asthana, is a true blue fashionista. Be it her stylish vacation looks or gorgeous on-screen looks, the actress never misses a chance to showcase her sartorial fashion senses. Recently, as she posted startling glimpses from her bold photoshoot, it caught the attention of Samantha Ruth Prabhu and other leading stars of the industry. On Instagram, Bhumi Pednekar posted a couple of

photos from her latest photoshoot for Bridal Asia. The opening frame featured the actress sticking a bold pose in a blingy golden outfit. She was wearing a shimmery mini dress with matching pearl drops near the hemline, and attached with a sheer trail at the back.

For the same photo shoot, the actress also dolled up in a vintage-inspired lehenga

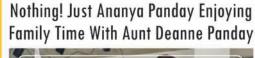
choli. The red-hued top featured a unique neckline with bell sleeves and intricate designs all over it. She teamed it with a voluminous skirt in shades of chocolate brown, highlighting stunning embroideries. A statement neckpiece and a tiny bindi accentuated her look while she finished it off with a messy hairdo.

Bhumi also wore two more dazzling lehenga pieces and dished out major fashionista goals with her confidence and style. She captioned the post with a series of emojis, including a crown, a star and others, and hashtagged it with The Royals. The carousel soon caught the attention of many A-listers in the industry, who reacted to it while lauding the diva's dazzling appearance. Tamannaah Bhatia wrote, "Uffffff," punctuated with a series of fire emojis. Samantha Ruth Prabhu commented, "Stunning," followed by a red heart emoji, while Rakul Preet Singh dropped a couple of fire emojis.Lisa Mishra, who appeared in the role of Niki in The Royals, penned, "The red ghagra," followed by a series of heart-eyed emojis. One of her fans wrote, "Wowiiieeee! What a doll."

Someone mentioned, "Slaying." On the other hand, many others criticised the actress for getting fillers on her

This is not the first time Bhumi has been facing constant criticism for going under the knife. Ever since she made her appearance in the TV series, she has been called out for the same. Even before that,

right from the beginning of her career, the actress has been opening up about the same in several interviews. After The Royals became trending, one of Bhumi's interviews giving back to the trollers for talking about her lips yet again surfaced on social media.It was during one of her interviews in 2017, when Bhumi mentioned, "You know the most bizarre thing that somebody actually told me was that 'your lips are too big'," adding, "I said since when is that a problem? I mean people pay in lakhs of money to get that done... They can say the most bizarre things. You should just be aware of what you are and not care."





nanya Panday recently took a break from her work commitments and visited her cousin Alanna Panday during a short vacation along with her sister Rysa Panday. The diva has often been sharing glimpses from her fun time with her extended family in the United States, especially with her nephew, River, whom Alanna shares with her husband, Ivor McCray. Now, the Call Me Bae actress's aunt Deanne Panday has shared some more pictures with 'baby River's Maasi's.In the snapshots, Ananya posed for a happy family picture along with her sister Rysa and aunt Deanne, who happens to be Alanna's mother. All of them are seen in casual attire, while the actress opted for a blue top paired with matching yoga pants, her sis wore a white T-shirt paired with blue jeans. Deanne, on the other hand, rocked a white co-ord set.

Sharing the snapshots, Alanna's mom wrote in the caption, "Baby River's Pretty Maasis." Ananya's father, Chunky Panday, re-shared the post on his stories.

In no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user wrote, "The cutest baby has the cutest aunts." Ananya's mother, Bhavana Pandey dropped multiple red heart emoticons. Another user commented, "Cutest aunts."Notably, Deanne is the wife of Chikki Panday, brother of actor Chunky Panday.Coming back to Ananya, the actress recently dropped an adorable video of feeding her nephew, River. In the video, shared on her stories, the actress tries to feed her nephew juice from a baby's sippy cup, but the kid instead bites on the sipper, causing her to giggle. Despite his mischievous antics, Ananya remains committed to her "maasi duties" and continues to feed him. She also posted a photo of River happily sipping his juice, captioned "Can I bite him?"

On the work front, Ananya was recently seen in the period courtroom drama film, Kesari Chapter 2, along with Akshay Kumar and R Madhavan. She will be next seen in the romantic drama, Chand Mera Dil, opposite actor Lakshaya. Produced by Karan Johar's Dharma Productions, the film is slated to hit the big screens later this year.

Mira Rajput Looks Glamorous As She Steps Out With Mom In Magenta Co-Ord Set



ira Rajput, the wife of Shahid Kapoor, made a rare appearance with her mother, Bela Rajput, on Thursday. The mother-daughter duo were photographed on the streets of Mumbai dressed for a casual day out. While the actor's wife dressed simply in a purple coord set, her mother was seen in an elegant saree look. In the video, Mira and her mother were seen walking down the footpath before entering a building in the corner of the street. Mira seemed in a hurry and hardly stopped to pose for the paparazzi. As the clip progressed, she was seen greeting the security personnel in the building before making her way in, followed by her mother. Mira's casual outfit paired with sleek heels and a black bag is an ideal summer style inspiration. On the other hand, her mother wore a pink-hued saree with a checkered blouse, giving the perfect contrast look. Mira Rajput married Shahid Kapoor when she

was 20. In a recent conversation with Naina Bhan and Sakshi Shivdasani, she confessed that getting married so young was a difficult experience for her, because her friends were living different lives. Mira Rajput said, "I think we (Mira and her friends) did evolve separately. I'd like to admit that it was quite isolating because we were just in different phases of life at that time. You get to different phases in life, and you look at your friends... I wish I could do what she's doing." She also explained how she could not catch up with them as often because she was too occupied in her new life. Her friends would often ask her why she was distant. Mira added, "I don't think they understood it then, but fortunately, the friendship kind of sustained. They understand it now because they're in a similar phase."

Shahid Kapoor married Mira Rajput in 2015. They had an intimate ceremony in Delhi and a grand reception in Mumbai. Later, they welcomed their daughter Misha in 2016 and their son Zain in 2018.

